वर्ष-3, अंक-302
इन्दौर मंगलवार 28 अप्रैल 2026 पृष्ठ 8,
मूल्य 2 रु.

दैनिक

राष्ट्रीय जनभावना

RNI-MPHIN/2013/53761,

चाणक्य नीति

जिसने अपने मन पर विजय प्राप्त कर लिया, वो किसी भी हार से उबरकर फिर से उठ सकता है।

प्रधान संपादक: सुनील वर्मा मो.: 9425491979, E-mail: janbhavna.ind@gmail.com

मप्र विधानसभा में प्रस्तुत नारी शक्ति वंदन संकल्प पर सत्ता पक्ष और विपक्ष में जमकर हुई बहस...कांग्रेस ने तत्काल 33 प्रतिशत आरक्षण की उठाई मांग

महिला आरक्षण पर सियासी तकरार

बंगाल की शेरनी को हरा नहीं पाए

पूर्व मंत्री भूपेंद्र सिंह बोले कि भगवान राम ने नारी के सम्मान के लिए रावण का वध किया। नरेंद्र मोदी महिला आरक्षण बिल का विरोध करने वालों को तबाह करेंगे। कांग्रेस विधायक राजेंद्र सिंह ने कहा मप्र में संकल्प लाया गया है, बहुत देर कर दी हुजूर आते आते, बंगाल की शेरनी से जीत नहीं पा रहे थे, उनके लिए महिला बिल लाया गया।

भोपाल, ईएमएस

मप्र विधानसभा में सोमवार को नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर विशेष सत्र आयोजित किया गया। सुबह सबसे पहले दोनों दलों ने अपनी-अपनी विधायक दल की बैठक में रणनीतिक मुद्दों पर चर्चा की। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सदन में नारी शक्ति वंदन संकल्प प्रस्तुत किया। संकल्प में देश की संसद और सभी विधानसभाओं में महिलाओं को एक-तिहाई आरक्षण देने और परिसीमन प्रक्रिया पूरी कर इसे तत्काल प्रभाव से लागू करने की बात कही गई। वहीं इस पर नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा कि हमारा अशासकीय संकल्प पत्र पहले दिया गया। नियम के अनुसार, उस पर चर्चा कराना चाहिए। हमारी मांग है कि 33 प्रतिशत महिलाओं को आरक्षण दिया जाए। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि देश महिलाओं के सम्मान और अधिकारों के लिए हुए संघर्षों को हमेशा याद रखता है।

उन्होंने राजा राममोहन राय द्वारा सती प्रथा के विरोध, ज्योतिराव फुले के महिला समानता के प्रयासों और स्वामी विवेकानंद से लेकर वर्तमान समय तक चली आ रही समाज सुधार की परंपरा का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महिला आरक्षण लागू करने का प्रयास कर इस विषय को नई दिशा दी है। शासकीय संकल्प पर चर्चा के दौरान नारी शक्ति वंदन का मुद्दा गरमाया रहा। महिला आरक्षण को लेकर पक्ष विपक्ष में तीखी बहस और नोकझोंक हुई है। मामले को लेकर पूर्व मंत्री अर्चना चिटनीस ने कहा कि कांग्रेस की मानसिकता है महिलाओं को मिलने वाले लाभ रोके जाएं। विधानसभा में महिलाएं बोल रही हैं तो उन्हें बोलने न देना। बहनों के बारे में जब बात हो तो राजनीति नहीं होना चाहिए। भारत के स्पेस स्पेक्ट्रम में 25 प्रतिशत महिलाएं हैं तो सांसद, विधानसभा में क्यों न हों। भाजपा विधायक यहां तक कह गईं कि बिल पास हो गया तो लोकतंत्र खतरे में पड़ जाएगा। आपकी चुनरी में दाग लग गया है, अब मिटाए नहीं मिटेगा। चर्चा के बाद इस शासकीय संकल्प के समर्थन में हां और ना का मत कराया गया उसके बाद सदन की कार्यवाही आनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दी गई।

केवल एक राज्य में महिला मुख्यमंत्री

कांग्रेस विधायक अनुभा मुंजारे ने सदन में कहा कि इस पक्ष की महिला विधायक हो, उस पक्ष की महिला विधायक हो इस अधिनियम पर सबको एक साथ आना चाहिए। देश के अधिकांश राज्यों में भाजपा और उनके गठबंधन की सरकार है पर भाजपा बताएं कि केवल एक राज्य दिल्ली में ही महिला मुख्यमंत्री क्यों है। क्या यही भाजपा का नारी शक्ति वंदन है, छह महीने पहले पीएम मुझसे छीन लिया गया। इसके लिए हमने सभी अधिकारियों से चर्चा की लेकिन अभी तक मुझे छ्र अभी तक नहीं मिला है। जब महिलाएं शराब दुकानें हटवाने के लिए सड़कों पर उतरना पड़े और सरकार उनकी न सुने यही भाजपा का नारी शक्ति वंदन है।

50 फीसदी आरक्षण देने कांग्रेस तैयार

कांग्रेस विधायक लखन घनघोरिया ने कहा कि हम सियाराम बोलने वाले लोग है। हम कृष्ण से राधा को अलग करने वाले लोग नहीं है। हमारा संविधान दुनिया का सबसे खूबसूरत संविधान है। बाबा साहब के अथक प्रयास से संविधान बना है। लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए संविधान है। राई जैसा सच गले में अटक गया, मंशा सही नहीं थी इसलिए 2023 का संशोधन पास कर देते है। आरक्षण का आधार जनगणना है। राजनीतिक रूप से परिसीमन अपने हिसाब से करना है। केंद्र को जातिगत समीकरण से कोई लेना देना नहीं है।

बंगाल में दूसरे चरण के चुनाव के लिए थमा प्रचार, कल मतदान

142 सीटों पर दांव पर 1448 उम्मीदवारों की किस्मत

कोलकाता, ईएमएस। पश्चिम बंगाल में 7 जिलों की 142 विधानसभा सीटों पर होने वाले चुनाव के लिए सोमवार को प्रचार थम गया। दूसरे चरण में 142 सीटों पर 29 अप्रैल को मतदान होना है।

पहले चरण में राज्य की 152 सीटों के लिए मतदान हुआ था। पहले चरण के मतदान के बाद तृणमूल और भाजपा दोनों ने निर्णायक बढ़त मिलने का दावा किया है मगर साल 2021 के चुनाव में इन 152 सीटों में से 93 पर तृणमूल को और 59 पर भाजपा को जीत मिली थी। ऐसे में राजनीतिक दल चाहे जो कहें, दूसरे चरण का मतदान राज्य की सत्ता का निर्धारण करेगा। दूसरे चरण के तहत जिन सीटों पर मतदान होना है उन्हें ममता बनर्जी का गढ़ माना जाता है। 2021 के विधानसभा चुनाव में 142 में से 123 सीटों पर टीएमसी ने जीत दर्ज की थी जबकि भाजपा को केवल 18 पर जीत हासिल हुई थी। एक सीट पर अन्य ने जीत दर्ज की थी। दूसरे चरण में राज्य के प्रेसीडेंसी डिवीजन इलाके की सभी सीटों के लिए मतदान होना है।

इस चरण में 1448 उम्मीदवार मैदान में

पश्चिम बंगाल के दूसरे चरण में 142 सीटों पर कुल 1448 उम्मीदवारों की किस्मत दांव पर लगी है। टीएमसी और कांग्रेस ने दूसरे चरण की सभी सीटों पर उम्मीदवार उतारे हैं। वहीं भाजपा एक सीट छोड़कर 141 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। दूसरे चरण के अंतर्गत साउथ 24 परगना, नॉर्थ 24 परगना, हावड़ा, नदिया, पूर्वी मेदिनीपुर, पश्चिम मेदिनीपुर, पूर्व बर्धमान और पश्चिम बर्धमान जिलों की सीटों पर वोटिंग होने वाली है।

भवानीपुर में आमने-सामने सुवेंदु-ममता

दूसरे चरण में ही भवानीपुर में भी वोटिंग होने वाली है, जहां से सुवेंदु अधिकारी और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी आमने-सामने हैं। भवानीपुर ममता बनर्जी का गढ़ माना जाता है। वहीं सुवेंदु पहली बार भवानीपुर से विधानसभा का चुनाव लड़ रहे हैं।

राज्यसभा सचिवालय ने आप के सभी सात सांसदों को बीजेपी के खाते में किया दर्ज

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी में हुई बगावत के बाद राज्यसभा में बड़ा उलटफेर देखने को मिला है। आप से अलग हुए सभी सात सांसदों को अब औपचारिक तौर पर बीजेपी का हिस्सा मान लिया गया है। राज्यसभा सचिवालय ने इन सभी सांसदों को बीजेपी के खाते में दर्ज कर दिया है, जिससे उच्च सदन का समीकरण बदल गया है। इस फैसले के बाद आप की ताकत राज्यसभा में सिमटकर गई है। अब पार्टी के पास महज तीन सांसद बचे हैं। इनमें एक सांसद बलबीर सिंह सीचेवाल पंजाब से हैं, जबकि दो सदस्य संजय सिंह और नारायण दास गुप्ता दिल्ली से आते हैं। वहीं 245 सदस्यीय राज्यसभा में बीजेपी के सदस्यों की संख्या 106 से बढ़कर 113 पर पहुंच गई है, जो बहुमत से महज 9 अंक पीछे है। वहीं एनडीए की बात करें तो उसके सदस्यों की संख्या 153 पर पहुंच गई है। बता दें राघव चड्ढा, अशोक मित्तल, संदीप पाठक, हरभजन सिंह, विक्रमजीत साहनी, स्वाति मालीवाल और राजेंद्र गुप्ता ने आम आदमी पार्टी छोड़कर बीजेपी के साथ जाने का ऐलान किया था। इसके बाद से ही उनकी सदस्यता और राजनीतिक स्थिति को लेकर सवाल खड़े हो रहे थे। अब राज्यसभा सचिवालय के इस कदम ने स्थिति पूरी तरह साफ कर दी है ।

ईरानी सांसद बोले-

पाकिस्तान मध्यस्थ बनने के लायक नहीं

वह अमेरिका के पक्ष में झुका है, ट्रम्प के खिलाफ कुछ नहीं कहता

वॉशिंगटन डीसी/तेहरान (एजेंसी)।

मिडिल ईस्ट में चल रहे युद्ध को खत्म करने के लिए ईरान और अमेरिका के बीच बातचीत में अभी तक कोई ठोस सहमति नहीं बन पाई है। इसी बीच ईरान के एक नेता ने पाकिस्तान की भूमिका पर सवाल उठाए हैं। ईरानी संसद की राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति समिति के प्रवक्ता इब्राहिम रेजई ने कहा कि पाकिस्तान दोस्त जरूर है, लेकिन

वह बातचीत में बीच का सही पक्ष (मध्यस्थ) नहीं बन सकता। रेजई ने कहा कि पाकिस्तान अक्सर डोनाल्ड ट्रम्प और अमेरिका के हितों को ध्यान में रखता है और उनके खिलाफ कुछ नहीं कहता। इसलिए वह निष्पक्ष नहीं माना जा सकता। उन्होंने कहा कि एक सही मध्यस्थ वही होता है, जो दोनों पक्षों के बीच निष्पक्ष रहे, न कि हमेशा एक ही पक्ष की तरफ झुका रहे। उनका यह बयान ऐसे समय आया है जब ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने 24 घंटे में 2 बार पाकिस्तान का दौरा किया।

राजस्थान में गर्मी के बीच बारिश, बीकानेर-गंगानगर में ओले गिरे:बिहार में गर्मी से 2 मौतें

नई दिल्ली/भोपाल/जयपुर/लखनऊ (एजेंसी)। देश में भीषण गर्मी जारी है। राजस्थान, यूपी और महाराष्ट्र के 7 शहरों में रविवार को तापमान 46°C के पार चला गया। महाराष्ट्र का अकोला 46.9°C के साथ देश में सबसे गर्म रहा। अमरावती 46.8°C, बांदा 46.6°C, वर्धा और बाड़मेर 46.4°C, जैसलमेर और यवतमाल 46°C तापमान के साथ हीटवेव की चपेट में हैं। इस बीच राजस्थान के बीकानेर और गंगानगर में सोमवार को बारिश के साथ ओले गिरे। यूपी के 60 जिलों में लू का अलर्ट है। मध्य प्रदेश के खजुराहो में पहली बार तापमान 45एष्ट पहुंचा। इंदौर-भोपाल में भी पारा 43°C पर बना हुआ है। उत्तराखंड के देहरादून में गर्मी के चलते 12वीं तक स्कूल बंद कर दिए गए हैं। बिहार के 8 जिलों में रविवार को पारा 40°C के पार चला गया। यहां गर्मी से दो मौतों की खबर है। नेपाल बॉर्डर से सटे जिलों में आंधी और बिजली गिरने से 5 लोगों की मौत हो गई। ओडिशा में जनगणना के काम में लगे दो शिक्षकों की पिछले दो दिनों में हीटस्ट्रोक से मौत हो गई। बिहार, छत्तीसगढ़, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, मध्य प्रदेश, पंजाब, महाराष्ट्र, राजस्थान और उत्तर प्रदेश में हीटवेव चलेगी।

जापान में आया 6.2 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप

टोक्यो (एजेंसी)। जापान के उत्तरी हिस्से में 27 अप्रैल सोमवार सुबह एक बार फिर तेज भूकंप के झटके महसूस किए गए। इस बार भूकंप की तीव्रता 6.2 मापी गई, जिससे लोगों में कुछ देर के लिए दहशत का माहौल बना रहा लेकिन अधिकारियों ने किसी हताहत की सूचना नहीं दी। जापान मौसम विज्ञान एजेंसी ने कहा कि भूकंप के बाद सुनामी की कोई चेतावनी जारी नहीं की गई, जिससे तटीय क्षेत्रों के लिए तत्काल कोई खतरा नहीं है। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (USGS) के अनुसार, भूकंप जापान के सबसे उत्तरी मुख्य द्वीप होक्काइडो के छोटे से कस्बे साराबेत्सु से लगभग 18 किलोमीटर पश्चिम में 81 किलोमीटर की गहराई पर आया।

माली में बड़ा आतंकी हमला

रक्षा मंत्री की कार बम धमाके में मौत

पत्नी और दो मासूम पोते-पोतियों ने भी गंवाई जान

बमाको (एजेंसी)। पश्चिम अफ्रीकी देश माली इस वक्त गृहयुद्ध की भीषण आग में झुलस रहा है। रविवार को राजधानी बमाको के पास एक भयानक कार बम धमाके ने पूरे देश को दहला दिया।

जिसमें माली के रक्षा मंत्री सादियो कैमारा की हत्या कर दी गई है। इस कायराना हमले में न केवल रक्षा मंत्री, बल्कि उनकी दूसरी पत्नी और दो मासूम पोते-पोतियों की भी दर्दनाक मौत हो गई। यह हमला राजधानी बमाको के बाहरी इलाके काटी (Kati) में हुआ, जिसे माली की सैन्य सरकार का सबसे सुरक्षित और प्रमुख राजनीतिक केंद्र माना जाता है।

कनाडा में सिख पर हमला

कनाडा (एजेंसी)। कनाडा में युवक ने सिख व्यक्ति पर किया हमला, बोला-'मेरे देश से निकल जाओ' टोरंटो, 27 अप्रैल (भाषा) कनाडा में एक युवक ने एक बुजुर्ग सिख व्यक्ति पर हमला कर दिया और नस्लवादी टिप्पणियां करते हुए कहा- 'मेरे देश से बाहर निकलो' जिसके बाद पुलिस ने इसे 'घृणा से प्रेरित हमला' मानते हुए जांच शुरू कर दी है। प्राधिकारियों ने यह जानकारी दी। वुडस्टॉक पुलिस ने एक बयान में कहा कि यह घटना 22 अप्रैल को ओंटारियो के वुडस्टॉक की है और युवक पर अपने कृत्यों के लिए कई आरोप लगाए गए हैं।

पूर्व डीआईजी हरचरण सिंह भुल्लर के

11 ठिकानों पर ईडी की छापेमारी से मचा हड़कंप

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब पुलिस के पूर्व उप महानिरीक्षक (डीआईजी) हरचरण सिंह भुल्लर की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सोमवार को मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम अधिनियम (एमपीएमएलए), 2002 के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए भुल्लर और उनके करीबियों के 11 ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की। यह तलाशी अभियान पंजाब और चंडीगढ़ के पांच अलग-अलग शहरों में चलाया जा रहा है, जिससे प्रशासनिक और पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है। जानकारी के अनुसार, प्रवर्तन निदेशालय की टीमें चंडीगढ़ में 2, लुधियाना जिले में 5, पटियाला में 2, नाभा में 1 और जालंधर में 1 ठिकाने पर सर्च ऑपरेशन चला रही हैं। यह कार्रवाई सीबीआई और भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो चंडीगढ़ द्वारा दर्ज किए गए मामलों के आधार पर शुरू की गई है। आरोप है कि हरचरण सिंह भुल्लर ने एक आपराधिक मामले को रफा-दफा करने के बदले बिचौलिये के माध्यम से भारी-भरकम रिश्वत की मांग की थी। जांच के दौरान अधिकारियों को उनकी आय के ज्ञात स्रोतों से कहीं अधिक संपत्ति होने के पुख्ता संकेत मिले हैं। ईडी की इस कार्रवाई का मुख्य उद्देश्य अपराध से अर्जित धन का पता लगाना और मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े डिजिटल व दस्तावेजी सबूत जुटाना है। जांच एजेंसी उन बेनामी संपत्तियों की भी पहचान कर रही है जो संदिग्ध रूप से सहयोगियों के नाम पर खरीदी गई हैं।

15 साल से साथ, बच्चा पैदा किया....

अब रेप और मारपीट के आरोप बेमानी

सुप्रीम कोर्ट ने लिव-इन रिलेशनशिप से जुड़े मामले में की अहम टिप्पणी

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में एक लिव-इन रिलेशनशिप में रेप और मारपीट के आरोपों से जुड़े एक मामले की सुनवाई कर अहम टिप्पणियां कीं। मामले में महिला ने दावा किया था कि शादी का वादा करने के बाद एक पुरुष ने उसके साथ मारपीट की थी। सुनवाई के दौरान, सुप्रीम कोर्ट ने दोनों व्यक्तियों के बीच के रिश्ते की प्रकृति पर ध्यान केंद्रित किया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि दोनों ही वयस्क थे और सालों तक साथ रहे थे। जस्टिस नागरत्ना ने सवाल उठाया कि आपसी सहमति से बना रिश्ता बाद में आपराधिक आरोप में कैसे बदल सकता है। महिला ने बिना शादी के उस आदमी से बच्चा पैदा किया, और अब वह रेप और मारपीट का आरोप लगा रही है।

लो..खत्म हो गया तेल

आंध्र प्रदेश के 400 से ज्यादा पेट्रोल पंप बंद

अमरावती (एजेंसी)।

ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ते तनाव और युद्ध की स्थितियों ने वैश्विक ऊर्जा बाजार में अनिश्चितता पैदा कर दी है, जिसका सीधा असर अब भारतीय जमीन पर भी दिखने लगा है। दक्षिणी राज्य आंध्र प्रदेश में रविवार

को ईंधन की भारी किल्लत और पैनिक बाइंग (घबराहट में खरीदारी) के चलते स्थिति बेकाबू हो गई। राज्य के विभिन्न जिलों में 400 से अधिक पेट्रोल पंपों पर ताले लटक गए हैं, जिससे आम जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया है।

एक ही परिवार के 4 लोगों की मौत

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई के पायधुनी इलाके में फूड पॉयजनिंग का एक गंभीर मामला सामने आया है, जिसमें एक ही परिवार के चार लोगों की मौत हो गई। इस घटना ने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी है। जानकारी के अनुसार, यह परिवार पहले बाहर से लाई गई बिरयानी खाई थी। इसके बाद उन्होंने तरबूज भी खाया। कुछ ही समय बाद सभी की तबीयत अचानक बिगड़ने लगी। परिवार के लोगों को उल्टी, पेट दर्द और कमजोरी की शिकायत हुई। एक अधिकारी ने बताया कि मृतकों की पहचान अब्दुल्ला (40), उनकी पत्नी नसरीन (35) और बेटियां जैनब (13) और आएशा (16) के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि 25 अप्रैल को जेजे मार्ग स्थित अपने घर पर परिवार ने एक कार्यक्रम का आयोजन किया था, जिसके कुछ ही देर बाद सभी की तबीयत बिगड़ने लगी। अधिकारी ने बताया कि परिवार ने पांच मेहमानों के साथ मिलकर चिकन पुलाव खाया।

विशेष संपादकीय

भाजपा को दागी और गद्दार पसंद हैं

शुक्रवार को सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी की वाशिंग मशीन के सामने एक बार फिर दागी धुलने को तैयार हो गये। यही वही दागी हैं जिन पर इसी महीने की 15 तारीख को ईडी ने छापेमारी की थी। आम आदमी पार्टी के दस सांसदों में सात ने लगभग भारतीय जनता पार्टी में शामिल होने का ऐलान कर दिया है, बस औपचारिकताएं ही बाकी हैं। दिलचस्प तो यह है कि इनमें वह अशोक मित्तल भी शामिल हैं जिन पर पार्टी ने सबसे अधिक भरोसा किया। यह मित्तल वही हैं जिन्हें पार्टी ने राघव चड्ढा की जगह राज्यसभा में उपनेता बनाया था, यही नहीं मित्तल के घर पर ही पार्टी अध्यक्ष अरविंद केजरीवाल सरकारी बंगला खाली करने के बाद रह रहे थे और शुक्रवार सुबह ही उनका आवास खाली करके अपने नये सरकारी आवास पर गये थे।

इसी महीने की 15 अप्रैल को ईडी ने आप के राज्यसभा सांसद और लवली प्रोफ़ेशनल यूनिवर्सिटी के मालिक अशोक मित्तल और उनके बेटे के ठिकानों पर पंजाब और गुरुग्राम में छापेमारी की। यह कार्रवाई कथित मनी लॉन्ड्रिंग और पीएमएलए (विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम) के तहत वित्तीय अनियमितताओं की जांच के सिलसिले में की गई है। अशोक मित्तल के अलावा, पंजाब के कैबिनेट मंत्री संजीव अरोड़ा के परिसरों पर भी वक्त ने छापा मारा है, जिससे उनकी मुश्किलें बढ़ गई थी । तभी आप ने आरोप लगाया था कि बीजेपी इन एजेंसियों के दम पर विपक्ष को डरा रही है। यही नहीं, बीते दिनों जब भाजपा सरकार ने राघव चड्ढा को सुरक्षा घेरा प्रदान किया था तभी से यह उम्मीद हो गयी थी कि देर-सबेर राघव भारतीय जनता पार्टी में जाकर कमल थाम सकते हैं। कुल मिलाकर यह कहा जा सकता है कि भारतीय जनता पार्टी को ऐसे नेता खूब सुहाते हैं जो जांच एजेंसियों से डर जाते हैं। क्योंकि जांच के घेरे में तो आप सांसद संजय सिंह भी हैं लेकिन वह नहीं गये और न ही जायेंगे, क्योंकि वह डरपोक नहीं हैं। और भाजपा को तो डरपोक नेता चाहिए। यह कहा जा सकता है कि भाजपा को दागी और डरपोक लोग पसंद हैं।

वैसे यह पहला मौका नहीं है भारतीय जनता पार्टी ने इससे पहले विपक्षी दलों के तमाम ऐसे सांसदों, विधायकों और नेताओं को दूसरे दलों से अपने यहां लिया है जिन पर ईडी, सीबीआई और पुलिस जांच में पहले घेरा गया और बाद में उनको अपने यहां शामिल करा कर साफ-सुथरा करार कर दिया गया।

राघव चड्ढा को तो मानिये नाराजगी के चलते पार्टी छोड़नी पड़ी लेकिन रास में उपनेता के पद से हटाने के बाद मीडिया से कहा था कि हारा नहीं हूं और उन्हों ने पूरी आप पार्टी को तोड़कर बदला ले लिया। उनके साथ स्वाति मालीवाल और हरभजन सिह भी हैं। इतना ही नहीं, बलबीर सिह सीचेवाल और विक्रमजीत सिह साहनी भी आप छोड़ रहे हैं।

संपादकीय

ट्रंप का नरक कुंड वाला बयान, मोदी भाजपा पर भारी?

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में भारत को नरक कुंड बताकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के लिए एक नई मुसीबत खड़ी कर दी है। 5 राज्यों के विधानसभा चुनाव के दौरान ट्रंप का यह बयान आया। इस पर जो प्रतिक्रिया भारत की होनी थी, अभी तक नहीं हुई है। जिस तरह से सोशल मीडिया पर ट्रंप का यह बयान तूल पकड़ रहा है। सोशल मीडिया में जिस तरह से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, भारतीय जनता पार्टी और हिंदू संगठनों को निशाने पर लिया जा रहा है। उससे आने वाले समय में भारतीय जनता पार्टी और हिंदूवादी संगठनों को जवाब देना मुश्किल हो सकता है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इन दिनों पागलपन के एक ऐसे दौर से गुजर रहे हैं, जिसमें वह किसी के बारे में कुछ भी बोल देते हैं। उनकी बोली हुई बातों को दुनिया के देशों में गंभीरता से नहीं लिया जाता है। वह सुबह कुछ और बोलते हैं, शाम को कुछ और बोलने लगते हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने टैरिफ को लेकर बार-बार अपने बयान बदले। ईरान युद्ध के दौरान अपने बयानों को बार-बार बदला। वह किसी के ऊपर कोई भी आरोप लगा देते हैं।

जिस तरह की छवि डोनाल्ड ट्रंप की दुनिया में बन रही है, उसमें वह अमेरिका के राष्ट्रपति कम, सारी दुनिया के लिए एक गैंगस्टर के रूप में अपनी पहचान बनाते हुए दिख रहे हैं। भारत की संस्कृति लाखों वर्ष पुरानी है। भारत का अध्यात्म और भारत देवताओं की भूमि सारी दुनिया के देशों में अलग पहचान हमेशा से रही है। पृथ्वी में सात द्वीप हैं, उसमें सबसे अच्छा देवताओं वाला जम्बू द्वीप भारत में है। इस पवित्र भूमि को डोनाल्ड ट्रंप ने नरक कुंड बताकर हमारे करोड़ों देवी-देवताओं के साथ-साथ भारतवासियों का भी घोर अपमान किया है। इतने बड़े अपमान के बाद भी भारत के हिंदू सम्राट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार केन्द्र में है, उन्हें सारे हिंदू संगठनों का समर्थन प्राप्त है। इसके बाद भी डोनाल्ड ट्रंप द्वारा जिस तरह से भारत का बार-बार अपमान किया जा रहा है। वह अब चरम पर पहुंच गया है। भारत में इसकी बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया आम जनमानस के बीच हो रही है। आम जनता के बीच से यह प्रतिध्वनि निकलने लगी है। जब इतने बड़े पैमाने पर डोनाल्ड ट्रंप ने हमारे सनातन धर्म, हिंदू संस्कृति और भारत का अपमान किया है। ऐसी स्थिति में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, भारतीय जनता पार्टी, हिंदू संगठनों के शंकराचार्य से लेकर महामंडलेश्वर, मंडलेश्वर और अन्य धर्मगुरु चुप्पी साधकर क्यों बैठे हुए हैं? इससे बड़ा अपमान इसके पहले भारत का कभी नहीं हुआ था। जो हिंदू संगठन यहां बात-बात पर खाने में, पीने में और धार्मिक क्रिया-कलापों को लेकर हिन्दू धर्म की आस्थाओं पर विवाद खड़ा करते हैं। वह सब कहां चले गए? अमेरिका के राष्ट्रपति ने एक बार नहीं, दो बार नहीं, कई बार भारत की अस्मिता और भारत को नीचा दिखाने के लिए तरह-तरह के बयान दिए। अमेरिका से भारतीयों को हथकड़ी-बेड़ी में भारत भेजा। अब तो हद हो गई, डोनाल्ड ट्रंप की हिम्मत इतनी बढ़ गई है, उसने भारत को ही नरक का कुंड बता दिया। हिन्दू धर्म एवं भारतीयों का इससे बड़ा और कौन सा आपमान हो सकता है।

अमेरिका में राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार कमला हैरिस जो भारतीय मूल की हैं। सुंदर पिचाई भारतीय मूल के हैं। ऐसे लाखों भारतीय अमेरिका में रह रहे हैं। कमला हैरिस को छोड़ दें, तो किसी ने भी ट्रंप के बयान को लेकर कोई नाराजी नहीं जताई। भारतीय मूल के लोगों ने ट्रंप का जिस तरह से अमेरिका के चुनाव के दौरान समर्थन किया। अबकी बार ट्रम्प सरकार के नारे लगाए गए। दूसरी बार जब राष्ट्रपति पद का चुनाव लड़ रहे थे, तब भारत में ट्रंप के लिए हवन पूजन भारतीयों ने किया। जो हवन पूजन और ट्रंप की गुणगान करने वाले भारतीय थे। वह भी देवभूमि को नरक कुंड बताने पर चुप्पी साध कर बैठे हुए हैं। इसको लेकर आम जनता के मन में नाराजी देखने को मिल रही है। पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव के परिणाम 4 मई को आ जाएंगे। जिस तरह के हालात भारत में देखने को मिल रहे हैं। उससे ऐसा लग रहा है, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत को नरक कुंड और पृथ्वी का नरक बताया है। दुनिया भर में भारतीय मूल के एनआरआई अमेरिका सहित अन्य देशों के ट्रंप के बयान पर कोई प्रतिक्रिया नहीं आना, सभी को आश्चर्य में डाल रहा है। भारत में जिस तरह से अमेरिका की कंपनियां कारोबार कर रही हैं। यहां से कमा रही हैं, यहां से खा रही हैं। इसके बाद भी भारत की आस्था के साथ खेलकर भारत को नीचा दिखा रही हैं। इसकी जितनी निंदा की जाए कम है। इन कंपनियों का भारत में बहिष्कार करना होगा।

अमेरिका के साथ अपने संबंध खत्म करना चाहिये। ट्रंप, दूसरी बार अमेरिका के राष्ट्रपति बनने के बाद जिस तरह से भारत का अपमान कर रहे हैं, भारत सरकार द्वारा कोई प्रतिक्रिया नहीं दी जा रही है। इससे लगता है, हम एक बार फिर ईस्ट इंडिया कंपनी और ब्रिटिश सरकार के गुलाम हो गए हैं। सारी दुनिया का आर्थिक, सामाजिक एवं सामरिक परिदृष्य बड़ी तेजी के साथ बदल रहा है। अमेरिका और इजराइल अलग-थलग पड़ गए हैं। चीन-रूस और ईरान ब्रिक्स संगठन के माध्यम से अमेरिका को चुनौती दे रहे हैं। हम अभी भी अमेरिका और इजराइल की गुलामी कर रहे हैं। इससे भारतीय जनता की नाराजी अब स्पष्ट रूप से दिखने लगी है। भारत सरकार को समय रहते ना केवल विदेश नीति में बदलाव करना चाहिए। वहीं भारत का आत्म सम्मान पूर्व की भांति सारी दुनिया में बना रहे, इसके लिए समय रहते अपनी ताकत और दृण इच्छा शक्ति का परिचय देना होगा।

सनत जैन

राज काज

तार्किक विसंगति बनाम चुनाव आयोग का कुतर्क

पश्चिम बंगाल के चुनाव मे आयोग ने 60 लाख से अधिक मतदाताओं के नाम तार्किक विसंगति के नाम पर मतदाता सूची से काट दिए हैं। चुनाव आयोग ने अभी तक एसआईआर के माध्यम से लगभग 5.50 करोड़ मतदाताओं के नाम विभिन्न राज्यों की मतदाता सूची से काट दिए हैं। चुनाव आयोग की ड्यूटी मे शामिल है। 18 वर्ष से अधिक का कोई भी व्यक्ति मतदान से ना छूटे। इसके लिए हर साल मतदाता सूची तैयार की जाती है। एसआईआर के नाम पर अभी तक 5.50 करोड़ मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से काटे हैं। जिन राज्यों में एसआईआर होना है। उसको मिलाकर करीब 10 करोड़ मतदाताओं के नाम काटे जाने का अनुमान है। मतदाताओं के नाम अलग करने की जो मुहिम चल रही है।

मतदान के पहले सुप्रीम कोर्ट की ममता पर टिप्पणी?

23 अप्रैल को पश्चिम बंगाल मे पहले चरण का मतदान था। 22 अप्रैल को सुप्रीम कोर्ट मे ईडी की याचिका पर सुनवाई हुई। चुनाव प्रचार और मतदान जब अपने अंतिम चरण मे था। तब सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी, संविधान बनाते समय किसी ने नहीं सोचा होगा। एक मुख्यमंत्री किसी जांच एजेंसी के दफ्तर मे पहुंचकर हस्तक्षेप करेगा, सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कह दिया कानूनी सिद्धांत से फैसला नहीं होगा, सुप्रीम कोर्ट को जमीनी हकीकत भी देखनी होगी। विपक्ष आरोप लगाता है। ईडी सरकार के इशारे पर काम करती है। मतदान के एक दिन पहले सुनवाई नियत होना, न्यायाधीश महोदय की टिप्पणी को पश्चिम बंगाल के चुनाव से जोड़कर देखा जा रहा है।

पश्चिम बंगाल में 2.50 लाख सुरक्षा कर्मी?

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में 2.50 लाख सुरक्षाकर्मी बाहर से लाए गए हैं। इसमें अधिकांश केंद्रीय सुरक्षा बल के जवान हैं। पश्चिम बंगाल में दो चरणों मे विधानसभा के चुनाव हो रहे हैं। ढाई लाख सुरक्षाकर्मी शांतिपूर्वक चुनाव नही करा पा रहे हैं। मतदान के प्रथम चरण में भारी अराजकता देखने को मिल रही है। पश्चिम बंगाल को एक तरह से सुरक्षाकर्मियों द्वारा घेर लिया गया है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप पर हमला मतलब सुरक्षा में भारी चूक

सौरभ वार्ष्णेय

अमेरिका की राजधानी वॉशिंगटन डीसी में आयोजित व्हाइट हाउस कॉरस्पॉन्डेंट्स डिनर—जो परंपरागत रूप से प्रेस की स्वतंत्रता और सत्ता के बीच संवाद का प्रतीक माना जाता है। इस बार एक भयावह सुरक्षा चूक का गवाह बन गया। जिस आयोजन में पत्रकार, राजनेता और नीति-निर्माता एक मंच पर आते हैं, वहीं गोलियों की आवाज़ ने लोकतंत्र के इस उत्सव को दहशत में बदल दिया। शनिवार रात आयोजित इस कार्यक्रम में एक सशस्त्र हमलावर ने सुरक्षा घेरा तोड़ने की कोशिश की और गोलीबारी कर दी। स्थिति इतनी गंभीर हो गई कि अमेरिकी राष्ट्रपति को तत्काल कार्यक्रम से सुरक्षित बाहर लेकर जाना पड़ा। अमेरिकी राष्ट्रपति पर हुआ हमला केवल एक व्यक्ति या पद पर आघात नहीं है, बल्कि यह विश्व के सबसे पुराने लोकतंत्रों में से एक की संस्थाओं, स्थिरता और सुरक्षा व्यवस्था पर सीधा प्रश्नचिन्ह है। अमेरिका जैसे देश, जो वैश्विक स्तर पर लोकतांत्रिक मूल्यों, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और कानून के शासन का प्रतिनिधित्व करता है, वहां इस तरह की घटना गहरी चिंता पैदा करती है।

सबसे पहले, यह घटना बताती है कि दुनिया के सबसे सशक्त देशों में भी सुरक्षा तंत्र अभेद्य नहीं है। राष्ट्रपति की सुरक्षा को अत्यंत उच्च स्तर का माना जाता है, फिर भी यदि उस पर हमला संभव हो जाता है, तो यह सुरक्षा एजेंसियों की रणनीति और खुफिया तंत्र की समीक्षा की मांग करता है। यह केवल तकनीकी विफलता नहीं, बल्कि संभावित रूप से बढ़ती आंतरिक अस्थिरता का संकेत भी हो सकता है। दूसरा

पहलू राजनीतिक ध्रुवीकरण का है। हाल के वर्षों में अमेरिका में वैचारिक विभाजन तीव्र हुआ है। ऐसी परिस्थितियों में हिंसक घटनाएं केवल सुरक्षा की कमी नहीं, बल्कि सामाजिक असंतोष और राजनीतिक कट्टरता के उभार का परिणाम भी हो सकती हैं। यदि लोकतांत्रिक संवाद की जगह आक्रोश और हिंसा ले लेते हैं, तो यह किसी भी लोकतंत्र के लिए गंभीर खतरा है। तीसरा, इस घटना के अंतरराष्ट्रीय प्रभाव भी कम महत्वपूर्ण नहीं हैं। अमेरिका वैश्विक राजनीति का केंद्र है, और वहां की अस्थिरता का असर विश्व अर्थव्यवस्था, कूटनीति और सुरक्षा पर पड़ सकता है। सहयोगी देशों के लिए यह चिंता का विषय है कि क्या अमेरिका अपनी आंतरिक चुनौतियों के बीच वैश्विक नेतृत्व की भूमिका प्रभावी ढंग से निभा पाएगा। हालांकि, यह भी ध्यान देने योग्य है कि लोकतंत्र की असली ताकत उसकी पुनरुत्थान क्षमता में होती है। अमेरिका ने अपने इतिहास में कई संकट देखे हैं—चाहे वह गृहयुद्ध हो, आतंकवादी हमले हों या राजनीतिक उथल-पुथल—और हर बार उसने संस्थाओं को मजबूत करते हुए आगे बढ़ने का प्रयास किया है। यह घटना एक स्पष्ट संदेश देती है कि लोकतंत्र केवल चुनावों से नहीं चलता, बल्कि उसे निरंतर संवाद, सहिष्णुता और संस्थागत मजबूती की आवश्यकता होती है। अमेरिका के लिए यह आत्ममंथन का क्षण है—और दुनिया के अन्य लोकतंत्रों के लिए भी एक चेतावनी कि राजनीतिक असहमति को हिंसा में बदलने से रोकना कितना आवश्यक है। यह घटना सिर्फ एक आपराधिक कृत्य नहीं, बल्कि सुरक्षा व्यवस्था की गहरी खामियों को उजागर करती है। रिपोर्ट्स के अनुसार, हमलावर होटल में पहले से ठहरा हुआ था और सुरक्षा जांच में कई स्तरों पर चूक हुई—यहां तक कि कुछ क्षेत्रों में पर्याप्त निगरानी और मेटल डिटेक्टर जैसी बुनियादी व्यवस्थाएं भी नहीं थीं।सबसे चिंताजनक तथ्य यह है कि हमलावर हथियारों के साथ कार्यक्रम स्थल के काफी करीब पहुंच गया और उसने एक सुरक्षा चौकी पर हमला किया। यदि यह हमला कुछ सेकंड और सफल हो जाता, तो इसके परिणाम कहीं अधिक भयावह हो सकते थे। एक एजेंट के घायल होने की खबर इस बात का संकेत है कि खतरा कितना वास्तविक था। यह सवाल उठना स्वाभाविक है—क्या अमेरिका जैसे देश में, जहां सुरक्षा एजेंसियां दुनिया की सबसे सक्षम मानी जाती हैं, इतनी बड़ी चूक कैसे हो सकती है? व्हाइट हाउस कॉरस्पॉन्डेंट्स डिनर केवल एक औपचारिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि यह उस लोकतांत्रिक भावना का प्रतीक है जहां सत्ता और मीडिया एक साथ बैठकर संवाद करते हैं। लेकिन यह घटना बताती है कि खुलापन और सुरक्षा के बीच संतुलन बनाना कितना कठिन हो गया है।क्या ऐसे आयोजनों को अधिक सुरक्षित लेकिन सीमित कर दिया जाए।

आप में सियासी भूचाल दलबदल कानून के घेरे में 7 राज्यसभा सांसदों का भविष्य

कांतिलाल मांडोत

देश की राजनीति में एक बार फिर बड़ा घटनाक्रम सामने आया है जिसने संसद से लेकर राजनीतिक गलियारों तक हलचल मचा दी है। आम आदमी पार्टी में आई इस बड़ी टूट ने न केवल पार्टी के आंतरिक हालात को उजागर किया है बल्कि दलबदल विरोधी कानून की प्रासंगिकता और उसकी सीमाओं पर भी नई बहस छेड़ दी है। राज्यसभा के कई सांसदों द्वारा पार्टी छोड़कर भारतीय जनता पार्टी में शामिल होने की घोषणा के बाद अब यह सवाल सबसे महत्वपूर्ण हो गया है कि क्या ये सांसद अपनी सदस्यता बनाए रख पाएंगे या उन्हें अयोग्य घोषित किया जाएगा। इस पूरे मामले के केंद्र में हैं राघव चड्ढा जिनके साथ कई अन्य सांसदों ने भी पार्टी छोड़ने का दावा किया है।

इनके साथ संदीप पाठक अशोक मित्तल विक्रम साहनी हरभजन सिंह स्वाति मालीवाल और नरेंद्र गुप्ता जैसे नामों का भी उल्लेख किया जा रहा है। इन सभी के बारे में कहा जा रहा है कि उन्होंने आम आदमी पार्टी से अलग होकर भाजपा का रुख किया है। इस दावे ने राजनीतिक माहौल को और अधिक गरमा दिया है। दूसरी ओर संजय सिंह ने इस पूरे घटनाक्रम को लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ बताते हुए कड़ा विरोध जताया है। उन्होंने राज्यसभा के सभापति और देश के उपराष्ट्रपति सी पी राधाकृष्णन को याचिका सौंपकर इन सात सांसदों को अयोग्य घोषित करने की मांग की है। उनका कहना है कि इन सांसदों ने संविधान की दसवीं अनुसूची का स्पष्ट उल्लंघन किया है जो दलबदल को रोकने के लिए बनाई गई थी।

भारत में दलबदल विरोधी कानून जिसे दसवीं अनुसूची के नाम से जाना जाता है वर्ष 1985 में 52वें संविधान संशोधन के जरिए लागू किया गया था। इसका मुख्य उद्देश्य राजनीतिक दलों में स्थिरता बनाए रखना और निर्वाचित प्रतिनिधियों द्वारा व्यक्तिगत स्वार्थ के लिए पार्टी बदलने की प्रवृत्ति को रोकना था। इस कानून के तहत यदि कोई सांसद या विधायक स्वेच्छा से अपनी पार्टी की सदस्यता छोड़ देता है तो उसे अयोग्य घोषित किया जा सकता है। इस कानून में एक और महत्वपूर्ण प्रावधान है जो पार्टी व्हिप से जुड़ा हुआ है। यदि कोई सांसद सदन में अपनी पार्टी के निर्देशों के खिलाफ वोट करता है या मतदान से अनुपस्थित रहता है तो भी उसे अयोग्यता का सामना करना पड़ सकता है। इस नियम का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि पार्टी अनुशासन बना रहे और सरकार या विपक्ष की रणनीति प्रभावित न हो। निर्दलीय सदस्यों के लिए भी इस कानून में स्पष्ट नियम हैं। यदि कोई निर्दलीय उम्मीदवार चुनाव जीतने के बाद किसी राजनीतिक दल में शामिल हो जाता है तो उसे तुरंत अयोग्य घोषित किया जा सकता है। इससे यह सुनिश्चित किया जाता है कि मतदाता जिस स्वतंत्र उम्मीदवार को चुनते हैं वह बाद में किसी दल का हिस्सा बनकर उनकी अपेक्षाओं के साथ समझौता न करे। हालांकि इस कानून में एक महत्वपूर्ण अपवाद भी है जिसे विलय का प्रावधान कहा जाता है। इसके अनुसार यदि किसी दल के दो तिहाई या उससे अधिक सदस्य एक साथ किसी अन्य दल में शामिल हो जाते हैं तो इसे दलबदल नहीं बल्कि वैध विलय माना जाता है और ऐसे सदस्यों को अयोग्यता से छूट मिल जाती है। यही वह बिंदु है जिस पर इस पूरे मामले का भविष्य काफी हद तक निर्भर करेगा।

अब सवाल यह है कि क्या आम आदमी पार्टी के इन सांसदों की संख्या दो तिहाई के आंकड़े तक पहुंचती है या नहीं। यदि यह संख्या पूरी होती है तो ये सांसद अपनी सदस्यता बचा सकते हैं अन्यथा इन्हें अयोग्यता का सामना करना पड़ सकता है। यही कारण है कि दोनों पक्ष अपने अपने दावे कर रहे हैं और राजनीतिक गणित तेजी से बदल रहा है। इस पूरे मामले में अंतिम निर्णय लेने का अधिकार राज्यसभा के सभापति के पास होता है।

सुविचार

अच्छा निर्णय अनुभव से प्राप्त होता है लेकिन दुर्भाग्यवश अनुभव का जन्म गलत निर्णयों से होता है।

- रीटा माए ब्राउन

खुशी केवल उन्हीं व्यक्तियों को प्राप्त होती है जो कि दूसरों को खुश करने के लिए प्रयासरत रहते हैं।

- अज्ञात

प्रसंगत

पुरस्कार

पुराने जमाने में एक राजा था। उसे सुंदर इमारतें बनवाने का शौक था। उसने दूर-दूर से कुशल शिल्पियों को अपने राज्य में बुला रखा था ताकि वे राज्य में और सुंदर-सुंदर इमारतों व विशाल प्रासादों और भवनों का निर्माण कर सकें। राजा शिल्पियों का आदर भी करता था और उन्हें उचित पारिश्रमिक के अलावा पुरस्कार भी देता था। इन्हीं शिल्पियों में एक अत्यंत अनुभवी शिल्पी भी था जो अब वृद्ध हो गया था। उसने वर्षों तक राज्य की सेवा करते हुए अनेक उत्कृष्ट भवनों का निर्माण किया था। एक दिन वृद्ध शिल्पी ने राजा से कहा, 'महाराज मैंने जीवन भर राज्य की सेवा की है लेकिन अब मैं वृद्ध हो गया हूं इसलिए मुझे राज्य की सेवा से मुक्त करने की कृपा करें।' राजा ने वृद्ध शिल्पी की बात बड़े ध्यानपूर्वक सुनी और उससे कहा, 'महान शिल्पी आपकी सेवाओं के लिए मैं ही नहीं, पूरा राज्य आपका कृतज्ञ है। आपको सेवानिवृत्त होने का पूरा अधिकार है लेकिन मेरी ख्वाहिश है कि सेवानिवृत्ति से पहले आप मेरे लिए एक भवन और बनाओ जो आज तक बने सभी भवनों से श्रेष्ठ व उत्कृष्ट हो'। शिल्पी राजा की ख्वाहिश को कैसे टाल सकता था! वह भवन बनाने में जुट गया लेकिन बेमन से। उसने उस श्रेष्ठता व उत्कृष्टता का परिचय नहीं दिया जिसकी उससे अपेक्षा थी।

जरा हटके

आगामी तीन सालों के भीतर नासा चंद्रमा पर बनाएगा स्थाई बेस

वॉशिंगटन(ईएमएस)। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने आने वाले वर्षों के लिए अपनी नई और महत्वाकांक्षी अंतरिक्ष रणनीति का खुलासा किया है, जिसके तीन मुख्य स्तंभ तय किए गए हैं। इस रणनीति के तहत 2028 तक अमेरिकी अंतरिक्ष यात्रियों को फिर से चंद्रमा की सतह पर उतारना, वहां एक स्थायी मानव आधार (बेस) स्थापित करना और पृथ्वी की निचली कक्षा (लो-अर्थ ऑर्बिट) में व्यावसायिक गतिविधियों का विस्तार करना शामिल है। नासा के प्रशासक जेरेड आइजकमैन ने स्पष्ट किया कि यह योजना तेजी से बदलते वैश्विक प्रतिस्पर्धी माहौल में अमेरिका के नेतृत्व को बरकरार रखने के लिए तैयार की गई है।

आइजकमैन के अनुसार, नासा अब केवल चंद्रमा तक पहुंचने तक सीमित नहीं रहना चाहती, बल्कि वहां लंबी अवधि के लिए इंसानी मौजूदगी सुनिश्चित करने की योजना बना रही है। इसके लिए निजी कंपनियों के साथ मिलकर लैंडर, रोवर, पावर सिस्टम और उन्नत संचार प्रौद्योगिकियों पर काम किया जाएगा। रणनीति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा लो-अर्थ ऑर्बिट में निजी स्पेस स्टेशनों को बढ़ावा देना है, ताकि नासा अपना पूरा ध्यान डीप स्पेस एक्सप्लोरेशन (गहरे अंतरिक्ष की खोज) और न्यूक्लियर प्रोपल्शन जैसे जटिल मिशनों पर केंद्रित कर सके।

प्रशासक ने यह भी स्वीकार किया कि पिछले मिशनों में लागत बढ़ने और देरी जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ा है। इसलिए, अब नासा बड़े और भारी-भरकम प्रोजेक्ट्स के बजाय छोटे, परिणामोन्मुखी और कम खर्चीले निवेश पर ध्यान देगी। उन्होंने कहा कि मिशनों के बीच के अंतराल को कम करने के लिए लॉन्च की संख्या बढ़ाई जाएगी। हाल ही में सफल रहे आर्टेमिस द्वितीय मिशन का उदाहरण देते हुए उन्होंने बताया कि किस तरह सही कार्यान्वयन से बड़े परिणाम हासिल किए जा सकते हैं। हालांकि, इस नई रणनीति के सामने वित्तीय चुनौतियां भी हैं। प्रस्तावित बजट में करीब 23 प्रतिशत की कटौती पर अमेरिकी सांसदों ने गहरी चिंता जताई है। स्पेस कमेटी के चेयरमैन ब्रायन बैबिन ने चेतावनी दी है कि कम फंडिंग से अमेरिका की अंतरिक्ष प्रतिस्पर्धा कमजोर हो सकती है, खासकर ऐसे समय में जब चीन अपने चंद्र मिशनों को बहुत आक्रामक तरीके से आगे बढ़ा रहा है।

फोटो ऑफ द डे

इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता में इंटरनेशनल डांस डे का स्वागत करने के लिए एक सांस्कृतिक कार्यक्रम में भाग लेती हुई डांसर। -फोटो-ईएमएस

व्यंग

पानी बचाओ आंदोलन

वीरेंद्र जैन

''पानी बचाओ'' आन्दोलन चलाने के दिन आ गए हैं। प्रतिवर्ष जब सूरज सिर पर चिलकने लगता है तो हम बाथरूम में नहाते हुए ''पानी बचाओ'' पर लिखने के बारे में सोच-सोच कर लोटा दर लोटा डालते रहते हैं। पहला विचार तो यही आता है कि टीवी पर दिखाया जाने वाला सरकारी विज्ञापन, जिसमें घर में शौचालय बनवाने को प्रेरित किया जाता है तुरंत बन्द कर देना चाहिए। जब घर में शौचालय होता है तो पानी पर पानी बर्बाद होता है। घर में शौचालय न होने पर एक लोटे से ही काम चल जाता है जबकि घर में शौचालय होने पर प्रति व्यक्ति कम से कम दो-दो बाल्टी पानी बहाया जाता है। मुझे लगता है कि किए कराए पर पानी फेरने का मुहावरा घरों में फ्लश शौचालय बनने के बाद ही अस्तित्व में आया होगा। बाहरगाँव शौच जाने वाला बार-बार शौचालय जाने से बचता है जबकि घर में शौचालय हो तो आदमी खाली बैठे-बैठे बोर हो जाने पर शौचालय ही चला जाता है। क्या करें करने को कुछ नहीं है सो चलो फ्रेश ही हो लें।

फिर जाके रिलायंस फ्रेश से टायलेट क्लीनर खरीद लाएँगें। कई प्रदेश की सरकारों ने उन पंचों सरपंचों के चुनाव अवैध घोषित करने का फैसला लिया है जिन्होंने घरों में शौचालय नहीं बनवाए हैं। सरकार को शिकायत मिली होगी कि सरपंच के पास जब कोई गाँव का व्यक्ति किसी काम से आता होगा तो सरपंच की पत्नी घूंघट में दो उँगलियों से विक्टरी का चिन्ह बनाते हुए कह देती होगी कि सरपंच जी तो दिशा निस्तार के लिए गए हैं। इस बहाने को टालने के लिए सरकार ने सोचा होगा कि जब सरपंच के घर में ही शौचालय होगा तो फिर बहाना कैसे बनाएँगे! पंचायत के कामों की दृष्टि से यह फ़ैसला भले ही ठीक हो पर पानी की दृष्टि से ठीक नहीं हैं। जब से सरपंचों के घरों में शौचालय बनने लगे हैं तब से जो कोई सरपंच को तलाशने आता है तो उसकी पत्नी कह देती है कि वे तो नदी या कुएँ(जो भी दूर हो) से पानी भरने गए हैं।

सरकार ने घर में शौचालय बनवा दिया है इसलिए वे सारे दिन उसके लिए पानी ही भरते रहते हैं। जब कोई बाहर शौच के लिए जाता है तो वहीं से नहा धोकर भी आता है पर घर में शौचालय होने से स्नान भी घर में ही करना पड़ता है, कपड़े भी घर में धोने पड़ते हैं। तालाब में नहाने पर तालाब का पानी नहीं घटता और सैकड़ों मनुष्य तथा हज़ारो पशु अपना मैल मछलियों को अर्पित कर देते हैं जिससे वे बड़ी होने पर मनुष्य का भोजन बन सकें। तालाब बनाने का पहला विचार भी वियोगी के पहले कवि होने की तरह घर से बाहर शौच जाने वाले किसी महापुरुष के मन में आया होगा। उस दिव्य आत्मा की कृपा से आज ये तालाब पानी के भंडार भरे रखते हैं। पानी बचाने के लिए हमें और कुछ गुरू, बाबा इत्यादि पैदा करने होंगे जो आयुर्वेदिक दवाओं की बड़ी-बड़ी फैक्ट्रियाँ चलाएँगे व भगवा चोला ओढ़ कर मजदूरों को स्वयं सेवक बता कर उनके वेतन का हिस्सा पचाएँगे। आयुर्वेदवाले तेल मिर्च से परहेज बताते हैं।

चिंतन-मनन

राजा का खजाना

फारस के शासक साइरस अपनी प्रजा की भलाई में जुटे रहते थे। लेकिन खुद उनका जीवन सादगी से भरा था। वह रियासत की सारी आमदनी व्यापार, उद्योग और खेतीबाड़ी में लगा देते थे। इस कारण शाही खजाना हल्का रहता था। लेकिन प्रजा खुशहाल थी। एक दिन साइरस के दोस्त और पड़ोसी शासक प्रोशियस उनके यहां आए। उनका मिजाज साइरस से बिल्कुल अलग था। उन्हें प्रजा से ज्यादा अपनी खुशहाली की चिंता रहती थी। उनका खजाना हमेशा भरा रहता था। बातों-बातों में जब प्रोशियस को साइरस के खजाने का हाल मालूम हुआ तो उन्होंने साइरस से कहा, अगर आप इसी तरह प्रजा के लिए खजाना लुटाते रहोगे तो एक दिन वह एकदम खाली हो जाएगा। आप कंगाल हो जाओगे। अगर आप भी मेरी तरह खजाना भरने लगें तो आपकी गिनती मेरी तरह सबसे धनी शासकों में होने लगेगी। साइरस मुस्कराए फिर बोले आप दो दिन ठहरिए मैं इस मामले में लोगों का इम्तिहान लेना चाहता हूं। उन्होंने घोषणा करवा दी कि एक बहुत बड़े काम के लिए साइरस को दौलत की निहायत जरूरत है। उन्हें पूरी उम्मीद है कि प्रजा मदद करेगी। दो दिन पूरा होने से पहले ही शाही महल के बाहर मोहरों, सिक्कों व जेवरों का बड़ा ढेर लग गया। यह देख प्रोशियस हैरत में पड़ गए। साइरस ने कहा, मैंने रियासत का खजाना लोगों की खुशहाली पर खर्च करके एक तरह से उन्हीं को सौंप दिया है। लोग उसमें इजाफा करते रहते हैं।

स्वास्थ्य

घर की सफाई के लिए सुबह का समय सबसे श्रेष्ठ : वास्तु शास्त्र

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय परंपरा में स्वच्छता को हमेशा विशेष महत्व दिया गया है और यह माना जाता है कि जिस घर में नियमपूर्वक और सही तरीके से सफाई होती है, वहां सकारात्मक ऊर्जा का निरंतर प्रवाह बना रहता है। घर की साफ-सफाई केवल एक दैनिक कार्य नहीं है, बल्कि यह पूरे घर के वातावरण और वहां निवास करने वाले सदस्यों की मानसिक स्थिति से गहरा संबंध रखती है। हालांकि, कई बार हम अनजाने में कुछ ऐसी गलतियाँ कर बैठते हैं जो घर के वातावरण पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकती हैं। इसलिए साफ-सफाई से जुड़े सही समय और नियमों की समझ अत्यंत आवश्यक है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर की सफाई के लिए सुबह का समय, विशेषकर सूर्योदय के बाद, सबसे श्रेष्ठ माना गया है। इस दौरान जब घर में झाड़ू और पोछा लगाया जाता है, तो इससे वातावरण में ताजगी आती है और नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है। यह समय घर में सुख-शांति और नई शुरुआत का प्रतीक होता है। इसके विपरीत, शाम या रात के समय झाड़ू लगाना शुभ नहीं माना जाता है, क्योंकि ऐसा करने से घर की सकारात्मक ऊर्जा कमजोर पड़ सकती है, जिससे आर्थिक या मानसिक परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। अतः दैनिक सफाई सुबह के समय ही पूरी कर लेनी चाहिए। झाड़ू का सही स्थान भी उतना ही महत्वपूर्ण है जितना उसका उपयोग।

न्यूज ब्रीफ

युवक को तलवार मारी

फरियादी सुरेश पिता मोतीलाल वर्मा 45 साल निवासी चंद्रावती गंज को पुराने विवाद की बात को लेकर दिलीप पिता जगदीश राठौर ने तलवार मार दी। जिसमें वह घायल हो गया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया है।

जली महिला की मौत

पुष्पाबाई पति दुलीचंद मौर्य 48 साल निवासी भोजपुर कॉलोनी बेटमा की उपचार के दौरान बड़े अस्पताल में मौत हो गई वह दो दिन पहले घर में गंभीर रूप से जल गई थी। पुलिस मर्ग कायम कर मामले की जांच कर रही है।

हंगामा करते आठ बंदी

अन्नपूर्णा पुलिस ने महावर नगर में हंगामा करते हुए महेश सोलंकी कैलाश को होली अशोक वर्मा और कमल राठौर को पकड़ा। इसी प्रकार तिलक नगर पुलिस ने भी हंगामा करते हुए चार आरोपियों को पकड़ा सभी के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है।

दुर्घटना में दो घायल

विजयनगर चौराहे पर कार्य की टक्कर से मोटरसाइकिल सवार विनोद पिता सत्यनारायण पाल और अजय पिता किशनलाल चौधरी घायल हो गए। पुलिस ने चालक के खिलाफ केस दर्ज किया।

बहु को दहेज प्रताड़ना

उषा नगर एक्सटेंशन में रहने वाली स्वाति सोनी मैं पुलिस को बताया कि उसे मायके से 5 लख रुपए लाने के लिए पति जितेंद्र सोनी सास सुशीला बाई सोनी ससुर मोहनलाल सोनी ने प्रताड़ित कर घर से निकाल दिया। पुलिस ने सभी के खिलाफ केस दर्ज किया।

नशा करते चार बंदी

छोटी ग्वालटोली पुलिस ने गांजा पीते हुए महेश पिता ओमप्रकाश धर्मेंद्र पिता कन्हैया लाल वीरेंद्र पिता जगदीश और राजू पिता बाबूलाल को पकड़ा उनके पास से नशे की पुड़िया बरामद की है। सभी के खिलाफ केस दर्ज किया है।

जेठानी का सिर फोड़ा

इंदिरा एकता नगर में रहने वाली रेखा पति विजय पवार ने पुलिस को बताया कि घरेलू बात को लेकर देवरानी संगीता पति राजेंद्र पवार में उसके सिर पर डंडा मार दिया जिसमें वह घायल हो गई। पुलिस ने केस दर्ज किया है।

किशोर का अपहरण

कमला नेहरू कॉलोनी में रहने वाले सुनील पिता कृष्ण कुमार यादव ने पुलिस को बताया कि उसका 16 वर्षीय बेटा राजेश यादव परिजन को बिना बताए घर से कहीं चला गया। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ अपहरण का केस दर्ज किया है।

रिक्शा के कांच फोड़े

फरियादी नितिन पिता मनोहर सुनहरे निवासी अमर टेकरी ने पुलिस को बताया कि उसकी ऑटो रिक्शा की कांच क्षेत्र में रहने वाले शुभम चौहान ने कांच फोड़ दिए। और धमकी देकर फरार हो गया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया है।

हथियार सहित गुंडे धराए

हीरानगर पुलिस ने गोपाल चौहान से तलवार कमल सोलंकी से चाकू बरामद किया है। इसी प्रकार पलासिया पुलिस ने अशोक पिता चंद्रकांत वर्मा से गुप्ति और अजय पिता बसंत गौहर से तलवार जप्त की है। सभी के खिलाफ केस दर्ज किया।

किशोरी ने जहर खाया

सोमनाथ की जुनी चाल में रहने वाली किशोरी ने जहर खा लिया। जिसे परिजनों ने बड़े अस्पताल में भर्ती कराया जहां उसकी हालत खतरे से बाहर है। बताया जाता है कि घरेलू काम नहीं करने पर मां ने उसे फटकार लगाई थी। इसी बात के चलते उसने यहां कदम उठाया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

गांजा सहित दो बंदी

एरोड्रम पुलिस ने चेकिंग के दौरान स्कूटर सवार जितेंद्र पिता प्रहलाद मकवाना और नरेश पिता घनश्याम राठौर को पकड़ा इनके पास से 730 ग्राम गांजा बरामद किया है। दोनों के खिलाफ केस दर्ज किया है।

छेड़छाड़ का आरोपी धराया

चार दिन पहले रीजनल पार्क में किशोरी के साथ छेड़छाड़ कर फरार हुए अरविंद पिता मदनलाल सोनी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। किशोरी ने 5 दिन पहले आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कराया था।

एक्टिवा चुराते पकड़ा

फरियादी मनीष पिता हरीश शर्मा निवासी सुदामा नगर की अन्नपूर्णा चौराहे से एक्टिव चुरा कर ले जाते हुए नितिन पिता सोहनलाल चौहान को रंगे हाथों पकड़ा। और धुनाई कर पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम का कॉंग्रेस द्वारा विरोध , महिला मोर्चा करेगा प्रदर्शन

कॉंग्रेस की अर्थी निकाली जाएगी होगा अनूठा विरोध प्रदर्शन

नारी शक्ति वंदन' अधिनियम का विरोध देश की आधी आबादी का अपमान है : सुमित मिश्रा

इंदौर। भारतीय जनता पार्टी की कामकाजी बैठक आज भाजपा कार्यालय पर भाजपा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा, एमआईसी सदस्य नंदकिशोर पहाड़िया, अश्विनी शुक्ला, कमल वाघेला, महामंत्री सुधीर कोल्हे, महिला मोर्चा नगर अध्यक्ष शैलजा मिश्रा, मोर्चा प्रदेश कोषाध्यक्ष निधि बंग, श्रेष्ठा जोशी, अशोक चौहान चांदु की उपस्थिति में सम्पन्न हुई।

बैठक में भाजपा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने महिलाओं को अधिकार संपन्न बनाने और देश की संसद व राज्यों की विधानसभाओं में 33 प्रतिशत प्रतिनिधित्व देने के लिए नारी शक्ति वंदन कानून लेकर आए हैं। लेकिन कांग्रेस पार्टी ने हमेशा से महिलाओं को मिलने वाले अधिकारों का विरोध किया है।

जिस समाज व राष्ट्र ने महिलाओं को अधिकारों से वंचित किया वह समाप्त हो गए। कांग्रेस ने महिला विरोधी मानसिकता के चलते लोकसभा में 'नारी शक्ति वंदन' अधिनियम का विरोध किया।

कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों ने लोकसभा में सिर्फ एक अधिनियम का विरोध कर देश की आधी आबादी का अपमान किया है। इसके विरोध में 30 अप्रैल शाम 5 बजे चिकमंगलूर चौराहे से रघुनाथपूरम मंदिर खातीपूरा तक महिला मोर्चा द्वारा पैदल मार्च निकाला जाएगा। नारी शक्ति वंदन अधिनियम का विरोध करने वाली कॉंग्रेस की अर्थी निकाली जाएगी। इसके पश्चात खातीपूरा चौराहे पर कॉंग्रेस का पुतला दहन किया जाएगा।

बैठक में हरप्रीत सिंह बक्शी, राकेश शर्मा, अशोक चौहान चांदु, कंचन गिदवानी, गुलशन यादव, महेश जोशी, नेहा शर्मा, वृंदा गौड, पार्षद पराग कौशल, मुद्रा शास्त्री, संध्या यादव, रूपाली अरुण पेंढारकर, वरुण पाल, राजेश चौहान, सुनीता गुरुंग सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

गृह प्रवेश के दौरान विवाद में दामाद पर किया हमला

इंदौर।

लसूडिया थाना अंतर्गत स्कीम नंबर 94 में एक मकान के गृह प्रवेश के दौरान पुराने विवाद को लेकर दामाद और ससुर में विवाद हो गया। विवाद इतना बड़ा की ससुर ने दामाद पर हमला किया और फरार हो गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार घटना मुंबई हॉस्पिटल के पास की है। पुलिस ने फरियादी अभिषेक पिता जनार्दन प्रसाद मिश्रा की रिपोर्ट पर आरोपी ससुर रामकुमार उपाध्याय निवासी स्कीम नंबर 94 के खिलाफ हत्या के प्रयास की धाराओं में प्रकरण दर्ज किया है।

अभिषेक ने पुलिस को बताया कि मेरे मकान का गृह प्रवेश था इसी दौरान आरोपी ससुर पुरानी बातों को लेकर गालियां देने लगा। मैंने उसे गालियां देने से मना किया तो उसने मारपीट की और फिर नुकीली वस्तु से हमला किया और धमकी देकर फरार हो गया। पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है।

बड़े भाई को चाकू मारा

नंदबाग कॉलोनी में रहने वाले सुमित पिता प्रहलाद साहू ने पुलिस को बताया कि छोटे भाई देवेंद्र साहू को घरेलू काम नहीं करने पर फटकार लगाई तो उसने चाकू मार दिया और धमकी देकर भाग गया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज कियाहै।

लव कुश चौराहे की घटना

बच्चों के साथ जा रही महिला से छेड़छाड़ कर पिस्टल से धमकाया

इंदौर। बेटे बेटी के साथ प्रीत पर्वत घूम कर बाइक से घर लौट रही महिला को बाइक सवार दो बदमाशों ने रोक कर छेड़छाड़ की। महिला ने विरोध किया तो बदमाशों ने पिस्टल तान दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार 30 वर्षीय कविता बदला हुआ नाम ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि मैं अपने बेटे हिमांशु, बेटी अंजू और हिमांशु के दोस्त के साथ मोटरसाइकिल से सुबह प्रीत पर्वत घूम कर घर लौट रही थी तभी सुबह 11:20 बजे लव कुश चौराहे पर बिना नंबर की बाइक पर सवार दो लड़कों ने मुझ पर गंदे कमेंट्स किया, मैंने फटकार लगाई तो दोनों ने रॉक और एक ने मेरे सीने पर हाथ फेरा मैंने शोर मचाया तो युवक ने कमर में रखी पिस्टल निकाल कर मेरे सामने तान दी और कहा कि ज्यादा होशियारी बताई तो यही जान से मार दूंगा। मैं और अपने बच्चों ने शोर मचाया तो आसपास के लोग वहां आ गए तो दोनों धमकी देकर वहां से भाग गए।

महिला की रिपोर्ट पर बाणगंगा पुलिस ने आरोप ए विशाल और नितिन के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी।

छेड़छाड़ से रिहा होते ही फिर की छेड़छाड़

नंदा नगर क्षेत्र में रहने वाली 27 वर्षीय महिला की शिकायत पर पुलिस ने पड़ोसी राकेश उर्फ गोलू के खिलाफ छेड़छाड़ और धमकाने की धारा में केस दर्ज किया है। महिला ने पुलिस को बताया कि आरोपी आते जाते वक्त उसका पीछा करता है। पूर्व में उसके खिलाफ केस दर्ज कराया था जिसमें पुलिस ने उसे पकड़ा था। महिला के मुताबिक आरोपी ने जेल से छूटते ही छेड़छाड़ करने लगा। मैं दो दिन पहले सुबह 6 :30 घूमने जा रही थी तभी आरोपी ने छेड़छाड़ की और धमकी देकर भाग गया।

दो पक्षों में जमकर पत्थर बाजी

इंदौर। बीती रात छतरीपुरा थाना अंतर्गत कंजर मोहल्ला में गाड़ी रखने की बात को लेकर बड़ा विवाद हो गया। दो पक्ष के लोग आमने-सामने आ गए और जमकर एक दूसरे पर पत्थर बाजी की जिसमें पांच लोग घायल हो गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार रोहित नामक व्यक्ति ने लोडिंग रिक्शा खड़ी की इसी बात को लेकर उसका कुछ लोगों से विवाद हो गया। बताया जाता है कि विवाद ने उसे समय बड़ा रूप ले लिया जब रोहित ने युवक को थप्पड़ मार दिया। इसी बात को लेकर दोनों पक्ष के लोग आमने-सामने आ गए और एक दूसरे पर जमकर पत्थर बाजी की जिसमें दोनों पक्ष के पांच लोग घायल हो गए। घटना की सूचना मिलती ही छतरीपुरा पुलिस बल और वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंच गए थे। पुलिस ने दोनों पक्ष के आठ लोगों को हिरासत में लिया।

सरवटे बस स्टैंड की घटना

टक्कर लगने पर विवाद में दो दोस्तों को मारे चाकू, केस दर्ज

इंदौर। सरवटे बस स्टैंड के पास दो मोटरसाइकिल में आमने-सामने टक्कर हो गई इसी बात को लेकर हुए विवाद में बाइक सवार बदमाश ने दो दोस्तों को चाकू मार दिए और धमकी देकर फरार हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार घटना रविवार दोपहर 3:30 बजे की है।

फरियादी आरिफ पिता सादिक शाह 21 साल निवासी सदर बाजार में दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि मैं अपने दोस्त मोहम्मद परवेज के साथ मोटरसाइकिल से जा रहा था तभी सरवटे बस स्टैंड के पास तेज रफ्तार में एक बाइक आई और उसे टक्कर मार दी जिसमें हम दोनों गिर गए। फरियादी ने बाइक सवार को कहा कि देखकर गाड़ी चला हमको चोट आई है इसी बात को लेकर उसने गालियां दी। मैंने गाली देने से मना किया तो मेरी जांघ पर चाकू मार दिया।

दोस्त मोहम्मद परवेज बीच बचाव करने आया तो उसे भी चाकू मार दिया और धमकी देकर फरार हो गया। छोटी ग्वालटोली पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है। इसी प्रकार महावर नगर में रहने वाले मनोज पिता बंसीलाल कोहली को पुराने विवाद की बात को लेकर क्षेत्र में रहने वाले जितेंद्र पिता मदनलाल चौहान ने चाकू मार दिया जिसमें वह घायल हो गया।

पुलिस ने आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है।

कोयला फैक्ट्री और किराना दुकान में लगी आग, लाखों की क्षति

इंदौर। शहर में रविवार रात एक कोयला फैक्ट्री और किराना दुकान में आग लग गई। मौके पर पहुंचे फायर ब्रिगेड के दमकल कर्मियों ने आग पर काबू पाया। प्राप्त जानकारी के अनुसार रात्रि 2:10 बजे औद्योगिक क्षेत्र सांवेर रोड स्थित एक कोयला फैक्ट्री में आग लगने की सूचना मिलती ही फायर ब्रिगेड की दमकल मौके पर पहुंची और 5 हजार लीटर पानी का उपयोग का आग पर काबू पाया।

फैक्ट्री संचालक अयाजउद्दीन पिता इमामुद्दीन के मुताबिक फैक्ट्री में रखा लाखों रुपए कीमत का कोयला और रमटेरियल आदेश समान जलकर राख हो गया। आग लगने का कारण अज्ञात है। इसी प्रकार आग लगने की दूसरी घटना प्रजापत नगर में हुई। देवनारायण पिता जगन्नाथ की किराना दुकान में आग लग गई। क्षेत्र के लोगों ने आग बुझाने का प्रयास किया किसी बीच फायर ब्रिगेड की दमकल पहुंची और 3 हजार लीटर पानी का उपयोग कर आग बुझाई। किराना दुकान संचालक देवनारायण के मुताबिक आग में 2 लाख से अधिक का किराना सामान, फर्नीचर और अन्य सामान जल कर राख हो गया। आग लगने का कारण अज्ञात है।

कृषि आदान विक्रेताओं की समस्याओं को लेकर ज्ञापन

विक्रेताओं ने सरकार से नीतिगत सुधार और राहत की मांग उठाई

इंदौर। इंदौर में जागरूक कृषि आदान विक्रेता संघ ने खाद, बीज एवं कीटनाशक व्यापारियों की विभिन्न समस्याओं को लेकर ज्ञापन सौंपा। संघ ने बताया कि देशभर के लाखों विक्रेता लंबे समय से नीतिगत परेशानियों का सामना कर रहे हैं, लेकिन बार-बार निवेदन के बावजूद समाधान नहीं हो रहा है। प्रमुख मांगों में कंपनियों द्वारा जबरन उत्पाद थोपने पर रोक, डीलर मार्जिन बढ़ाकर 8 प्रतिशत करने, साथी पोर्टल को वैकल्पिक बनाने और एचटीबीटी बीज नीति में संशोधन शामिल हैं। इसके अलावा लाइसेंस निलंबन पर 21 दिन में बहाली, झूठी शिकायतों की जांच के लिए जिला स्तरीय समिति और दोहरी लाइसेंस व्यवस्था खत्म करने की मांग भी उठाई गई। संघ ने चेतावनी दी कि यदि एक माह में समाधान नहीं हुआ तो आगामी खरीफ सीजन से पहले अनिश्चितकालीन बंद किया जाएगा, जिससे कृषि उत्पादन प्रभावित हो सकता है।

मुद्रा शास्त्री गिरीश शर्मा आदित्य को मिला लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड

इंदौर। नई दिल्ली में संसद मार्ग स्थित कांस्टिट्यूशन क्लब पर आयोजित 17वें रंग फेयर-2026 में राष्ट्रीय मुद्रा परिषद के संयोजक और शहर के वरिष्ठ मुद्रा शास्त्री गिरीश शर्मा आदित्य को संस्था रॉयल आर्ट्स एंड न्यू मिस्मेटिक गैलेरी नई दिल्ली की ओर से लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से अलंकृत किया गया।

इंटेक के राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक सिंह ठाकुर, दिलीप बेलस्कार, संस्था के प्रमुख संयोजक मुकेश वर्मा एवं शिवम वर्मा ने आदित्य को करतल ध्वनि के बीच 39वां जीवन गौरव सम्मान प्रदान किया। संस्था रॉयल आर्ट्स एंड न्यू मिस्मेटिक गेलेरी के इस आयोजन में गिरीश शर्मा के अब तक के योगदान का विशेष रूप से उल्लेख किया गया जिसमें उनके द्वारा पिछले 55 वर्षों में डेढ़ लाख से अधिक प्राचीन सिक्कों के संग्रहण, टेराकोटा, खनिज और कलाकृतियों के संग्रह तथा ब्रिटिश म्यूजियम लंदन और ऑक्सफ़ोर्ड में व्याख्यान सहित अब तक मिले 38 जीवन गौरव अवार्ड एवं मुद्रा रत्न जैसे सम्मानों का उल्लेख करते हुए जब उन्हें वरिष्ठ मुद्रा शास्त्री डॉ. प्रशांत कुलकर्णी के साथ मंच पर आमंत्रित किया गया तो लम्बे समय तक सभागृह तालियों की गडगडाहट से गूंजता रहा। इस मौके पर गिरीश शर्मा ने भारतीय मुद्रा, डाक टिकिट और अन्य संग्रह पर प्रोजेक्टर की मदद से अनेक दुर्लभ सिक्कों को प्रदर्शित करते हुए अपना व्याख्यान भी दिया।

सनातन संस्कृति संस्थान एवं श्रद्धा सुमन सेवा समिति ने किया हंसदास मठ पर आयोजन

इंदौर। पूरे विश्व को गैस एवं तेल की आपूर्ति के संकट की आग में झोंकने, दुनिया के छोटे देशों को आर्थिक नुकसान पहुँचाने और विश्व गुरु जैसे अलंकरणों की ओर तेजी से बढ़ रहे भारत को 'नरक' बताने वाले अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने देश के 140 करोड़ भारतीयों और सनातन धर्मावलम्बियों का अपमान किया है। ट्रम्प सत्ता के मद में डूबकर यह भूल गए हैं कि अमेरिका में मेडिकल और आईटी सहित विभिन्न क्षेत्रों में भारतीय प्रतिभाओं के कारण ही उनका देश आज दुनिया का पटेल बन सका है। उन हिन्दुस्तानियों का सम्मान करने और भारत के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने के बजाय ट्रम्प भारत को ही 'नरक' बताने की हिमाकत कर रहे हैं।

यमराज को मात देने की तैयारी

इंदौर की सड़कों पर हेलमेट की सख्ती, 1479 लापरवाहों के कटे चालान

इंदौर।

सिर्फ जुर्माना नहीं, जान बचाने की जिद; इंदौर ट्रैफिक पुलिस ने चलाया विशेष अभियान, सड़कों पर गूंजा सुरक्षा का संदेश

चालान के साथ सुरक्षा का पाठ

इंदौर की सड़कों पर अब लापरवाही महंगी पड़ने वाली है। पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह के कड़े रुख के बाद शहर की यातायात पुलिस ने बिना हेलमेट घूमने वाले वाहन चालकों के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। हेलमेट पहनें-सुरक्षित रहें अभियान के तहत गुरुवार को शहर के चप्पे-चप्पे पर पुलिस तैनात रही, जहाँ नियमों को ताक पर रखने वाले 1479 वाहन चालकों पर गाज गिरी।

अतिरिक्त पुलिस आयुक्त आर.के. सिंह और उपायुक्त राजेश कुमार त्रिपाठी के नेतृत्व में चली इस कार्यवाही का अंदाज जुदा था। पुलिस केवल रसीदें नहीं फाड़ रही थी, बल्कि हाथ में माइक लेकर वाहन चालकों को यह समझा रही थी कि घर पर कोई उनका इंतजार कर रहा है। चौराहों पर हुए अनाउंसमेंट ने राहगीरों को सोचने पर मजबूर कर दिया कि हेलमेट पुलिस के डर से नहीं, बल्कि अपनी जान की खातिर जरूरी है।

मौत को दावत दे रही हेड इंजरी

आंकड़े गवाह हैं कि सड़क हादसों में होने वाली मौतों में सबसे बड़ा कारण सिर की चोट (हेड इंजरी) होती है। इसी जानलेवा खतरे को कम करने के लिए ट्रैफिक पुलिस ने अब सख्ती और समझाइश का दोहरा मॉडल अपनाया है। 25 अप्रैल को चलाए गए इस महा-अभियान में एक ही दिन में भारी संख्या में कार्यवाही कर यह साफ कर दिया गया है कि इंदौर अब यातायात नियमों के प्रति समझौता नहीं करेगा।

इंदौर पुलिस की जनता से मार्मिक अपील

कार्यवाही के दौरान अधिकारियों ने जनता से अपील की कि वे हेलमेट को सजा नहीं, बल्कि अपना सुरक्षा कवच समझें। ट्रैफिक पुलिस का लक्ष्य राजस्व जुटाना नहीं, बल्कि हर नागरिक को सुरक्षित घर पहुँचाना है। शहरवासियों से आग्रह किया गया है कि वे जिम्मेदारी निभाएं और हेलमेट पहनकर सेफ इंदौर के संकल्प को पूरा करें।

लोडिंग रिक्शा ने पैदल जा रहे वृद्ध को कुचला, मौत

इंदौर। चंदननगर थाना क्षेत्र में लोडिंग रिक्शा चालक ने लापरवाही पूर्वक चलाते हुए पैदल जा रहे वृद्ध को कुचल दिया जिनकी उपचार के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने चालक के खिलाफ केस दर्ज किया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार घटना धार रोड स्थित वन विभाग ऑफिस के सामने हुई। पुलिस के मुताबिक लोडिंग रिक्शा क्रमांक एमपी 09 एल बी 2541 के चालक ने तेजी एवं लापरवाही पूर्वक चलाते हुए पैदल जा रहे मेहरबान सिंह पिता धूल सिंह रावत 70 साल निवासी सिरपुर को टक्कर मार दी, जिनकी उपचार के दौरान अस्पताल में मौत हो गई। घटना के बाद चालक गाड़ी छोड़कर भाग गया। चंदन नगर पुलिस ने लोडिंग रिक्शा जप्त कर चालक के खिलाफ धारा 106 का प्रकरण दर्ज किया है। इसी प्रकार नौलखा चौराहे पर रविवार रात बस की टक्कर से मोटरसाइकिल सवार महेश पिता उमाशंकर जोशी और विजय पिता ओमप्रकाश राठौर घायल हो गए। पुलिस ने बस चालक के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है। वहीं अन्य दुर्घटनाओं में चार लोग घायल हो गए। सभी मामलों में पुलिस ने केस दर्ज किया है।

खेल और शिक्षा का संतुलन ही सर्वांगीण विकास का आधार : भगवानदास सबनानी

भोपाल। शारदा विहार स्थित सरस्वती शिशु मंदिर आवासीय परिसर में सरस्वती विद्या प्रतिष्ठान के 37वें प्रांतीय एथलेटिक्स समारोह का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम में विधायक भगवानदास सबनानी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए, जबकि निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी विशेष अतिथि के रूप में मौजूद रहे। इस अवसर पर बड़ी संख्या में विद्यार्थी, आचार्य और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक भगवानदास सबनानी ने कहा कि खेल और शिक्षा का संतुलन ही विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का आधार है। उन्होंने कहा कि पढ़ाई के साथ खेलकूद में भागीदारी से बच्चों में अनुशासन, आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता विकसित होती है, जो उन्हें जीवन में आगे बढ़ने में सहायक होती है।निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी ने अपने संबोधन में कहा कि सरस्वती विद्या प्रतिष्ठान जैसे संस्थान शिक्षा के साथ संस्कारों का भी विकास कर रहे हैं। यहां से निकलने वाले विद्यार्थी न केवल अच्छे नागरिक बनते हैं, बल्कि खेल के क्षेत्र में भी देश का नाम रोशन करते हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि संस्कारवान विद्यार्थी और सशक्त खिलाड़ी ही भारत को विश्व में अग्रणी बनाएंगे।कार्यक्रम में संस्थान के पदाधिकारियों ने बताया कि प्रांतीय स्तर पर विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें प्रदेशभर से आए खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। इस आयोजन का उद्देश्य युवाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर प्रदान करना और उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करना है।समारोह के शुभारंभ के साथ ही खेल प्रतियोगिताएं प्रारंभ हो गई, जिनमें एथलेटिक्स की विभिन्न स्पर्धाएं शामिल हैं। आयोजन के माध्यम से विद्यार्थियों में खेल भावना और प्रतिस्पर्धा की भावना को बढ़ावा देने का प्रयास किया जा रहा है।

4642 गैस सिलेण्डर किए जब्त

भोपाल। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने बताया कि प्रदेश में आवश्यक वस्तु अधिनियम के अन्तर्गत एलपीजी की कालाबाजारी रोकने के लिये निरंतर कार्यवाही की जा रही है, अभी तक 2948 स्थानों पर जांच की गई, 4642 एलपीजी सिलेण्डर जब्त किये गए तथा 17 प्रकरणों में एफआईआर दर्ज कराई गई। प्रदेश के 773 रिटेल आउटलेट (पेट्रोल पंप) की जांच कराई गई है। इसमें 2 प्रकरण में एफ.आई.आर. दर्ज कराई गई है। प्रदेश के समस्त जिला आपूर्ति नियंत्रक/अधिकारी एवं ऑयल कंपनी के अधिकारियों को सतत् रूप से पेट्रोल पंपों की जांच करने के निर्देश दिये गये हैं। प्रदेश में पर्याप्त मात्रा में पेट्रोलियम पदार्थ उपलब्ध है। मंत्री राजपूत ने उपभोक्ताओं से अपील की है कि पीएनजी पाइपलाइन जिन क्षेत्रों में बिछ चुकी है, उस क्षेत्र के उपभोक्ता पीएनजी कनेक्शन जरूर लें। इससे उन्हें गैस सिलेंडर लेने की जरूरत नहीं पड़ेगी। गैस की सतत आपूर्ति होगी।

हाईकोर्ट के आदेश से शिक्षा विभाग में हलचल

30 दिन में पदोन्नति प्रक्रिया पूरी करने के निर्देश

भोपाल। स्कूल शिक्षा विभाग में पदोन्नति, स्थानांतरण और अतिशेष की प्रक्रिया को लेकर नया विवाद खड़ा हो गया है। मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के निर्देश के बाद विभागीय कामकाज की प्राथमिकता तय करने को लेकर असमंजस की स्थिति बन गई है। न्यायालय ने स्पष्ट किया है कि पदोन्नति नियम 2025 फिलहाल न्यायिक परीक्षण के अधीन हैं और उन पर अंतरिम रोक लागू है, इसलिए पूर्व प्रभावी नियमों के आधार पर ही पदोन्नति प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाए।अदालत ने आदेश की प्रति प्राप्त होने के 30 दिनों के भीतर पूरी प्रक्रिया संपन्न करने के निर्देश दिए हैं। इस फैसले के बाद शिक्षक संगठनों ने सरकार से मांग की है कि निर्धारित क्रम का पालन किया जाए, जिसमें सबसे पहले पदोन्नति, इसके बाद स्थानांतरण और अंत में अतिशेष की कार्रवाई की जाए।दरअसल, जबलपुर में दायर याचिका में 20 जून 2025 के उस आदेश को चुनौती दी गई थी, जिसमें उच्च पदों पर कार्यवाहक नियुक्ति और प्रभार देने की प्रक्रिया पर रोक लगाई गई थी। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ताओं ने तर्क दिया कि नए पदोन्नति नियमों की वैधता अभी विचाराधीन है, जिस पर न्यायालय ने भी सहमति जताई।न्यायालय ने यह भी निर्देश दिया कि उच्च पदों पर कार्यवाहक नियुक्ति और प्रभार देने की प्रक्रिया बिना विलंब शुरू की जाए। साथ ही यह स्पष्ट किया गया कि इन पदोन्नतियों का अंतिम स्वरूप न्यायालय के अंतिम निर्णय पर निर्भर करेगा। राज्य सरकार को भी 30 दिनों के भीतर अपना पक्ष प्रस्तुत करने को कहा गया है।अध्यापक शिक्षक संयुक्त मोर्चा के सदस्य उपेंद्र कौशल ने कहा कि न्यायालय के निर्देशों के अनुसार पहले पदोन्नति और प्रभार की प्रक्रिया पूरी करना जरूरी है। इसके बाद ही स्थानांतरण और अंत में अतिशेष की कार्रवाई की जानी चाहिए, ताकि शिक्षकों के हित प्रभावित न हों।शिक्षक संगठनों का मानना है कि यदि इस क्रम का पालन नहीं किया गया, तो प्रदेश के हजारों शिक्षकों को नुकसान हो सकता है और विभागीय संतुलन बिगड़ सकता है।संयुक्त मोर्चा ने सरकार से अपील की है कि न्यायालय के निर्देशों का पूर्ण और पारदर्शी पालन किया जाए। साथ ही चेतावनी दी गई है कि यदि तय प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया, तो शिक्षक संगठन आंदोलन का रास्ता अपनाने के लिए मजबूर होंगे।

महापौर श्रीमती मालती राय ने रविवार को राजधानी के कुशाभाऊ ठाकरे अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर में एस.आई.पी. प्रीडीजी -2026 (अबेकस टाईम गेम) प्रतियोगिता के क्षेत्रीय आयोजन का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में प्रतिभागी व उनके अभिभावक तथा आयोजक बड़ी संख्या में मौजूद थे।

मेट्रो टिकट प्रणाली में बदलाव, क्यूआर कोड से मिलेगी सुविधा और किराए में छूट

भोपाल। राजधानी में मेट्रो रेल की टिकट व्यवस्था में बड़ा बदलाव लागू कर दिया गया है। भोपाल मेट्रो रेल में अब ऑटोमेटिक किराया संग्रह प्रणाली शुरू हो गई है, जिससे यात्रियों को टिकट के लिए लाइन में लगने की जरूरत नहीं पड़ेगी। अब यात्री क्यूआर कोड स्कैन कर मोबाइल अनुप्रयोग के माध्यम से आसानी से टिकट ले सकेंगे।

नई व्यवस्था के तहत मेट्रो रेल के डिजिटल वॉलेट में जमा राशि का उपयोग केवल टिकट खरीदने के लिए ही किया जा सकेगा और यह राशि वापस नहीं की जाएगी। इस डिजिटल प्रणाली को बढ़ावा देने के लिए यात्रियों को विशेष रियायत भी दी जा रही है, ताकि अधिक से अधिक लोग इसका उपयोग करें। यात्रियों को आकर्षित करने के लिए वापसी टिकट यानी एक ही बार में आने-जाने का टिकट लेने पर कुल किराए में 5 प्रतिशत की छूट दी जाएगी। इससे उन लोगों को फायदा होगा, जो एक ही दिन में यात्रा कर वापस लौटते हैं।

इसके अलावा समूह में यात्रा करने वालों के लिए भी विशेष सुविधा लागू की गई है। 8 से 40 यात्रियों के समूह पर एक साथ टिकट लेने पर कुल किराए में 10 प्रतिशत की छूट मिलेगी, जिससे सामूहिक यात्रा और अधिक किफायती हो जाएगी। मेट्रो रेल के वॉलेट को रिचार्ज करने पर भी यात्रियों को 8 से 15 प्रतिशत तक की छूट दी जा रही है। इस कदम का उद्देश्य डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देना और यात्रियों को नकद लेनदेन से राहत देना है।

फिलहाल मेट्रो सेवा एम्स से सुभाष नगर तक करीब 7 किलोमीटर के दायरे में संचालित हो रही है और दिन में सीमित समय के लिए चल रही है। आने वाले समय में सेवाओं का विस्तार और समय में वृद्धि होने की संभावना है, जिससे मेट्रो आम लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी का अहम हिस्सा बन सकेगी।

नियमितीकरण पर सरकार से हाईकोर्ट सख्त, चार मई तक मांगी पूरी सूची

भोपाल। मध्य प्रदेश में वर्षों से नियमितीकरण की मांग कर रहे दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों के मामले में राज्य सरकार की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं। मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय ने सख्त रुख अपनाते हुए सरकार से उन सभी कर्मचारियों की सूची 4 मई तक पेश करने के निर्देश दिए हैं, जिन्हें नियमित किया जा चुका है।सुनवाई के दौरान न्यायालय ने सरकार से स्पष्ट पूछा कि जब कुछ कर्मचारियों को नियमित किया गया है, तो उनकी पूरी सूची अब तक प्रस्तुत क्यों नहीं की गई। अदालत ने यह भी जानना चाहा कि अन्य पात्र कर्मचारियों के मामलों में अब तक क्या कार्रवाई की गई है। इस मुद्दे पर सरकार की ओर से कई अधिवक्ता उपस्थित रहे और रिकॉर्ड प्रस्तुत करने के लिए समय मांगा गया।यह मामला दैनिक वेतन कर्मचारी महासंघ के अध्यक्ष गोकुल राय द्वारा दायर अवमानना याचिका से जुड़ा है।

याचिका में आरोप लगाया गया है कि न्यायालय के पूर्व आदेश के बावजूद पात्र कर्मचारियों को समयसीमा में नियमित नहीं किया गया।जानकारों का कहना है कि विभागवार आंकड़े जुटाना सरकार के लिए चुनौतीपूर्ण हो सकता है, क्योंकि वर्ष 2016 में तत्कालीन सरकार ने इन कर्मचारियों को नियमित करने के बजाय 'स्थायी कर्मी' का दर्जा दिया था, जिससे स्थिति और जटिल हो गई।दैनिक वेतन कर्मचारी महासंघ के महामंत्री राशिद खान के अनुसार यह मामला करीब 26 वर्षों से लंबित है। वर्ष 2000 में हजारों कर्मचारियों को सेवा से बाहर कर दिया गया था, जिसके बाद न्यायालय में याचिकाएं दायर हुई। वर्ष 2004 में लोक अदालत के माध्यम से समझौता हुआ, जिसमें बहाली और नियमितीकरण की प्रक्रिया तय की गई थी, लेकिन सरकार ने केवल बहाली की और अन्य शर्तों को लागू नहीं किया।

संभावित हमले के डर से टला अंतिम संस्कार भोपाल में ईरानी प्रतिनिधि का बड़ा दावा

भोपाल। राजधानी में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान ईरान के प्रतिनिधि मौलाना डॉ. अब्दुल मजीद हकीम इलाही ने दावा किया है कि ईरान के सुप्रीम लीडर के अंतिम संस्कार को सुरक्षा कारणों से फिलहाल टाल दिया गया है। उन्होंने कहा कि आशंका है कि अंतिम संस्कार में बड़ी संख्या में लोगों के जुटने पर हमला हो सकता है, इसलिए हालात सामान्य और सुरक्षित होने का इंतजार किया जा रहा है।

रविवार को कोहेफिजा स्थित एमआईजी हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में आयोजित 'इत्तेहाद-उल-मुस्लिमीन जलसा' कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर पहुंचे मौलाना इलाही ने बताया कि अंतिम संस्कार में मशहद शहर में 2 करोड़ से अधिक लोगों के जुटने की संभावना है। इतनी बड़ी भीड़ के बीच सुरक्षा चुनौती बढ़ जाती है और किसी हमले की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। उन्होंने लेबनान की घटना का हवाला देते हुए कहा कि पहले भी बड़ी संख्या में लोगों की जान जा चुकी है, इसलिए कोई जोखिम नहीं लिया जा रहा।

मौलाना इलाही ने इस पूरे विवाद को अमेरिका और इजराइल की राजनीति से जोड़ते हुए कहा कि यह युद्ध ईरान ने नहीं छेड़ा, बल्कि यह डोनाल्ड ट्रंप और बेंजामिन नेतन्याहू की निजी लड़ाई है। उन्होंने आरोप लगाया कि ईरान ने हमेशा बातचीत का रास्ता अपनाने की कोशिश की, लेकिन दूसरी ओर से हमला किया गया। उन्होंने कहा कि ईरान एक प्राचीन सभ्यता वाला देश है और यहां के लोग शांतिप्रिय हैं, लेकिन लंबे समय से उस पर आर्थिक प्रतिबंध लगाए जाते रहे हैं। उनके अनुसार, कुछ ताकतें ईरान को कमजोर करने की कोशिश में लगी हैं।

जल संरक्षण में मध्य प्रदेश ने मारी बाजी, देशभर में बना अव्वल; डिंडौरी और खंडवा शीर्ष पर

भोपाल। जल संरक्षण और प्रबंधन के क्षेत्र में मध्य प्रदेश ने बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए देशभर में पहला स्थान प्राप्त किया है। भारत सरकार के 'जल संचय भागीदारी' अभियान के अंतर्गत प्रदेश ने यह मुकाम हासिल किया है। कुछ समय पहले तक छठे स्थान पर रहने वाला मध्य प्रदेश अब शीर्ष पर पहुंच गया है, जो व्यापक जनभागीदारी और सतत प्रयासों का परिणाम माना जा रहा है।मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि 'जल गंगा संवर्धन अभियान' के माध्यम से प्रदेश ने सामुदायिक सहभागिता पर आधारित जल प्रबंधन का प्रभावी मॉडल प्रस्तुत किया है। उन्होंने बताया कि इस अभियान की सफलता में जिलों की सक्रिय भागीदारी महत्वपूर्ण रही है, जहां राष्ट्रीय स्तर की रैंकिंग में डिंडौरी ने पहला और खंडवा ने दूसरा स्थान हासिल किया है।प्रदेश में इस अभियान के तहत 16 शासकीय विभागों की 82 प्रमुख गतिविधियों को चिन्हित कर जल संरचनाओं के पुनर्जीवन और नए जल स्रोतों के निर्माण पर तेजी से काम किया जा रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों के साथ-साथ शहरी क्षेत्रों में भी बड़े पैमाने पर कार्य हो रहे हैं, जिससे जल संरक्षण को जनआंदोलन का रूप दिया जा रहा है।वन भूमि पर जल संरक्षण कार्यों को गति देने के लिए एक विशेष ऑनलाइन व्यवस्था भी विकसित की गई है, जिससे अनुमति प्रक्रिया को सरल और पारदर्शी बनाया गया है। इससे विभिन्न परियोजनाओं को समय पर स्वीकृति मिलने में आसानी हो रही है और कार्यों में तेजी आई है।आंकड़ों के अनुसार प्रदेश में अब तक 5 लाख 64 हजार से अधिक कार्यों का पंजीयन किया जा चुका है, जिनमें से 4 लाख 62 हजार से ज्यादा कार्य पूर्ण हो चुके हैं। इनमें अधिकांश कार्य ग्रामीण क्षेत्रों में किए गए हैं, जबकि शहरी क्षेत्रों में भी उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की गई है।इस अभियान के लिए 6 हजार 630 करोड़ रुपए का वित्तीय लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसमें फार्म पॉन्ड, अमृत सरोवर और मनरेगा के अधूरे कार्यों को प्राथमिकता के साथ पूरा किया जा रहा है। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अंतर्गत भी कई जिलों ने बेहतर प्रदर्शन किया है, जिससे प्रदेश की कुल रैंकिंग मजबूत हुई है।

अप्रैल-मई में करें जायद फसलों की बुवाई लागत कम-लाभ अधिक : कंषाना

भोपाल : मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर जायद सीजन में किसानों की आय बढ़ाने के लिए किसान कल्याण एवं कृषि विकास विभाग ने विशेष कार्ययोजना तैयार की है। किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री श्री एदल सिंह कंषाना ने कहा है कि अप्रैल और मई माह में बोई जाने वाली फसलों से किसान कम समय और कम पानी में बेहतर मुनाफा ले सकते हैं।

जायद सीजन में मूंग की विराट, शिखा, टीजेएम-3 एवं हम-16 किस्मों की बुवाई 15 मई तक की जा सकती है। बुवाई से पहले बीज को रायजोबियम एवं पीएसबी कल्चर से उपचारित करना लाभकारी रहता है और इस फसल में 4 से 5 सिंचाई पर्याप्त होती है। उड़द की इंदिरा उड़द-1, टी-9 एवं प्रताप उड़द-1 किस्मों को हल्की-दोमट मिट्टी में बोना चाहिए तथा खरपतवार नियंत्रण के लिए बुवाई के 25 दिन बाद निराई-गुड़ाई करना आवश्यक है। मक्का की जेएम-216, एचएम-4 तथा संकर किस्मों की बुवाई करने पर 5 से 6 सिंचाई की आवश्यकता होती है और बेबीकॉर्न के लिए 65 दिन में तुड़ाई कर किसान अतिरिक्त लाभ ले सकते हैं। सूरजमुखी की केबीएसएच-44 एवं डीआरएसएच-1 किस्में 3 से 4 सिंचाई में तैयार हो जाती हैं तथा परागण बढ़ाने के लिए खेत के पास मधुमक्खी पालन करने से उत्पादन 20 प्रतिशत तक बढ़ जाता है। सब्जी वर्ग में भिंडी, लौकी, करेला, तोरई की संकर किस्में लगाना चाहिए और पानी की बचत के लिए ड्रिप सिंचाई व मल्चिंग अपनाना चाहिए। स्थानीय बाजार की मांग के अनुसार ही फसल का चयन करना बेहतर रहता है।

मप्र में श्रम स्टार रेटिंग पहल को मिल रही व्यापक स्वीकृति

भोपाल। मध्यप्रदेश शासन के श्रम विभाग द्वारा संचालित श्रम स्टार रेटिंग पहल को प्रदेशभर में उद्योगों से सकारात्मक प्रतिसाद मिल रहा है। इस पहल का उद्देश्य कारखानों में श्रम कानूनों के पालन को सुनिश्चित करना तथा श्रमिकों के स्वास्थ्य, सुरक्षा और कल्याण से जुड़ी सर्वोत्तम प्रथाओं को बढ़ावा देना है। संचालक औद्योगिक स?वास?थ?य एवं सुरक्षा मध?यप्रदेश इंदौर श्रीमती नमिता तिवारी ने बताया है कि अब तक प्रदेश के 554 कारखानों ने स्व-मूल्यांकन के माध्यम से श्रम स्टार रेटिंग प्राप्त की है। इनमें बड़ी, मध्यम और लघु श्रेणी की विभिन्न विनिर्माण इकाइयाँ शामिल हैं, जो इस पहल की व्यापक स्वीकार्यता और औद्योगिक क्षेत्रों में इसके प्रभावी प्रसार को दर्शाती हैं। श्रम स्टार रेटेड कारखाने इस बात का प्रमाण होते हैं कि संबंधित कार्यस्थलों पर बाल श्रम और बंधुआ श्रम पूर्णतः प्रतिबंधित हैं तथा श्रमिकों के अधिकारों का समुचित संरक्षण सुनिश्चित किया जा रहा है। संचालक औद्योगिक स?वास?थ?य एवं सुरक्षा इंदौर ने इस पहल में सक्रिय सहभागिता के लिए सभी कारखानों का आभार व्यक्त किया है। विशेष रूप से, श्रम स्टार रेटिंग प्राप्त करने वाले पहले पाँच कारखानों की सराहना की गई है, जिन्होंने इस दिशा में अग्रणी भूमिका निभाते हुए सकारात्मक उदाहरण प्रस्तुत किया। संचालक औद्योगिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा मध्यप्रदेश इंदौर ने बताया कि जबलपुर श्रम स्टार रेटिंग प्राप्त करने वाले प्रथम पांच कारखाने हैं। इस प्रणाली को अपनाने से न केवल श्रमिकों के हितों की सुरक्षा सुनिश्चित होती है, बल्कि उद्योगों को भी कई प्रत्यक्ष लाभ प्राप्त होते हैं। इससे उपभोक्ताओं का विश्वास बढ़ता है, निवेशकों का भरोसा मजबूत होता है और बाजार में संस्थानों की प्रतिष्ठा में वृद्धि होती है। साथ ही, प्रमाणित कारखानों को उपभोक्ताओं द्वारा प्राथमिकता मिलने की संभावना भी अधिक रहती है, जिससे उनकी ब्रांड वैल्यू और प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त मजबूत होती है।

दिन में तपिश, रात में राहत : ओले-बारिश के बीच 13 जिलों में लू का अलर्ट

भोपाल। मध्य प्रदेश में मौसम का दोहरा रूप देखने को मिल रहा है। एक ओर दिन में तेज गर्मी लोगों को बेहाल कर रही है, तो वहीं दूसरी ओर ओले, बारिश और आंधी से कुछ हद तक राहत भी मिल रही है। खजुराहो और नौगांव दिन में सबसे गर्म रहे, जहां तापमान क्रमशः 45 डिग्री और 44.6 डिग्री तक पहुंच गया, हालांकि रात में तापमान गिरने से लोगों को राहत मिली। राजधानी भोपाल समेत इंदौर, ग्वालियर और जबलपुर में रात का तापमान बढ़ा हुआ दर्ज किया गया। भोपाल, ग्वालियर और जबलपुर में न्यूनतम तापमान 26.8 डिग्री, इंदौर में 25.2 डिग्री और उज्जैन में 23 डिग्री रहा। बीते 24 घंटे में प्रदेश के कई हिस्सों में मौसम बदला और 15 जिलों में बारिश दर्ज की गई। इनमें भोपाल, इंदौर, नीमच, रतलाम, शाजापुर, सीहोर, रायसेन, विदिशा, सागर, छतरपुर, नरसिंहपुर, राजगढ़, बुरहानपुर, खरगोन और खंडवा शामिल हैं। शाजापुर के अकोदिया क्षेत्र में ओलावृष्टि भी हुई, जिससे मौसम में अचानक बदलाव देखने को मिला। तेज आंधी ने भी कई इलाकों में असर दिखाया। इंदौर में 47 किलोमीटर प्रति घंटे, सागर में 44 किलोमीटर, सीहोर में 41 किलोमीटर और भोपाल में 37 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलीं। मौसम विभाग ने सोमवार को उज्जैन सहित 13 जिलों में लू चलने की चेतावनी जारी की है। ऐसे में दिन के समय सावधानी बरतने और अनावश्यक रूप से धूप में निकलने से बचने की सलाह दी गई है।

निर्भया फाउंडेशन एवं पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय (भारत सरकार) के संयुक्त तत्वावधान में ड्राईंग एवं पेंटिंग प्रतियोगिता आयोजित

भोपाल। निर्भया फाउंडेशन, भोपाल द्वारा पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के सहयोग से विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर 22 अप्रैल से 28 अप्रैल 2026 तक पृथ्वी दिवस जागरूकता पखवाड़ा मनाया जा रहा है। इसी क्रम में दिनांक 27 अप्रैल 2026 को बॉनी फोई सह-शिक्षा वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय (सीबीएसई), नरेला शंकरी, अयोध्या बायपास मार्ग, भोपाल में कक्षा 9वीं से 12वीं के विद्यार्थियों हेतु ड्राईंग एवं पेंटिंग प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम में लगभग 250 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता प्रातः 9:00 बजे प्रारंभ हुई तथा 10:30 बजे पुरस्कार वितरण के साथ सम्पन्न हुई। इस आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों में पर्यावरण संरक्षण, जलवायु परिवर्तन एवं सतत विकास के प्रति जागरूकता विकसित करना था। प्रतियोगिता के लिए निर्धारित विषय - 'जलवायु परिवर्तन - हमारे कार्य, हमारे परिणाम', 'सतत शहर-वह भविष्य जो हमें बनाना है', तथा 'धरती का कोई दूसरा विकल्प नहीं'- पर विद्यार्थियों ने अपनी रचनात्मकता, संवेदनशीलता एवं विषय की गहन समझ का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अदिति बी सक्सेना (सहायक पुलिस आयुक्त, गोविंदपुरा, भोपाल), विशिष्ट अतिथि के रूप में आशीष श्रीवास (उप निरीक्षक, महिला थाना, भोपाल) एवं सुरेखा अरमो (उप निरीक्षक, अरेरा हिल्स थाना, भोपाल) उपस्थित रहे। इस अवसर पर निर्भया फाउंडेशन की टीम से-शेर अफजल खान, समर खान, मुब्सिरा मसूद, भारती नारवारे, एवं साइमा खान उपस्थित रहे। विद्यालय के प्राचार्य मनीष आर. के. जैन (प्राचार्य), उप-प्राचार्य स्वाति वाग्मारे (उप-प्राचार्य), डॉ. गुलनाज मंसूर (शिक्षिका), सीओ शिवांगी शर्मा सहित समस्त विद्यालय स्टाफ की गरिमामयी उपस्थिति रही।

नीट यूजी परीक्षा के सुचारू संचालन हेतु अपर मुख्य सचिव ने दिए कड़े निर्देश

परीक्षा के पूर्व केंद्रों का निरीक्षण कर समुचित व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें

धार। मध्यप्रदेश शासन के उच्च शिक्षा विभाग द्वारा आगामी 03 मई 2026 को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (NEET-UG) की तैयारियों को लेकर एक महत्वपूर्ण वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग आयोजित की गई। अपर मुख्य सचिव (ACS), उच्च शिक्षा विभाग की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में धार सहित प्रदेश के 30 जिलों के कलेक्टर्स और वरिष्ठ अधिकारियों को परीक्षा के सफल एवं पारदर्शी संचालन हेतु विस्तृत दिशा-निर्देश दिए गए।

केंद्र व परीक्षार्थियों की संख्यात्मय जानकारी

NEET (UG) परीक्षा 2026 के संबंध में परीक्षार्थियों की संख्या का विवरण निम्नानुसार है- इस परीक्षा में देशभर से लगभग 22 लाख परीक्षार्थियों के शामिल होने की संभावना है। धार जिले में कुल 1,759 परीक्षार्थी परीक्षा में सम्मिलित होंगे। जिले में 3 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। महाराजा भोज शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, धार में सर्वाधिक 720 परीक्षार्थी शामिल होंगे, शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक 1 धार में 600 परीक्षार्थी परीक्षा देंगे तथा शासकीय आनंद उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक 2 धार में 439 परीक्षार्थियों शामिल होंगे है।

परीक्षार्थियों की सुविधाओं का रखा जाएगा ध्यान

भीषण गर्मी को देखते हुए अपर मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि प्रत्येक केंद्र पर शीतल पेयजल और ग्लूकोज की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। साथ ही।

विद्युत आपूर्ति बाधित न हो, इसके लिए हर केंद्र पर पावर बैकअप की व्यवस्था करने को कहा गया है ।

ताकि बिजली जाने की स्थिति में परीक्षार्थियों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो।

सुरक्षा एवं गोपनीयता के कड़े प्रबंध

अपर मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए सब-इस्पेक्टर (SI) रैंक के एक पुलिस अधिकारी की नियुक्ति की जाए। प्रश्नपत्रों की गोपनीयता बनाए रखने के लिए उन्हें बैंक से परीक्षा केंद्र तक सुरक्षित ले जाने हेतु विशेष प्रोटोकॉल का पालन किया जाएगा। परीक्षा केंद्रों पर परीक्षार्थियों की दो स्तरीय (Two-tier) जांच की जाएगी। उन्होंने विशेष रूप से निर्देशित किया कि महिला परीक्षार्थियों की जांच के लिए पर्याप्त संख्या में महिला पुलिस कर्मियों की ड्यूटी लगाई जाए और यह प्रक्रिया पूरी तरह से सम्मानजनक होनी चाहिए।

सोशल मीडिया पर रहेगी पैनी नजर

परीक्षा के दौरान किसी भी प्रकार की भ्रामक जानकारी या गड़बड़ी को रोकने के लिए सोशल मीडिया पर कड़ी निगरानी रखने के निर्देश दिए गए हैं। कलेक्टर्स को निर्देशित किया गया है कि वे परीक्षा केंद्रों पर आने वाले परीक्षार्थियों के साथ-साथ उनके अभिभावकों (पेरेंट्स/गार्जियन) की संख्या का पूर्व आकलन कर वहां बैठने व अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें।

शासकीय केंद्रों पर होगी परीक्षा

बैठक में स्पष्ट किया गया कि इस बार सभी परीक्षा केंद्र शासकीय संस्थानों में ही बनाए गए हैं। जिला कलेक्टर्स को परीक्षा से पूर्व सभी केंद्रों का स्वयं निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की पुष्टि करने के निर्देश दिए गए हैं।

प्रभारी कलेक्टर अभिषेक चौधरी, अपर कलेक्टर संजीव केशव पाण्डेय सहित संबंधित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

कंट्रोल रूम की स्थापना

बैठक के दौरान अपर मुख्य सचिव ने परीक्षा के सफल संचालन और त्वरित सूचनाओं के आदान-प्रदान हेतु जिले में एक समर्पित कंट्रोल रूम बनाने के निर्देश दिए गए हैं। इस कंट्रोल रूम के माध्यम से परीक्षा केंद्रों की गतिविधियों की सक्रिय निगरानी और समन्वय सुनिश्चित किया जाएगा। कंट्रोल रूम को सोशल मीडिया और अन्य माध्यमों से प्राप्त होने वाली सूचनाओं पर पैनी नजर रखने और किसी भी आकस्मिक स्थिति में तत्काल रिस्पांस देने के लिए सक्रिय रहने को कहा गया है।

विधिक साक्षरता शिविर का किया गया आयोजन

आलीराजपुर। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार पूरे मध्यप्रदेश में विशेष जेल लोक अदालत का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम का शुभारंभ माननीय मुख्य न्यायाधीश, मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय जबलपुर श्री संजीव सचदेवा द्वारा केन्द्रीय जेल ग्वालियर से किया गया।

शुभारंभ कार्यक्रम में जिला जेल आलीराजपुर से जिला न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण तथा जिला विधिक सहायता अधिकारी ने वर्चुअल माध्यम से सहभागिता की इसी क्रम में जिला जेल आलीराजपुर में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर के दौरान जिला न्यायाधीश/अध्यक्ष द्वारा बंदियों को जेल लोक अदालत एवं नि:शुल्क विधिक सहायता योजना की विस्तृत जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि लोक अदालत न्याय प्राप्त करने का सरल, सुलभ एवं त्वरित माध्यम है, जिससे पक्षकारों को शीघ्र और संतोषजनक समाधान प्राप्त होता है। साथ ही उन्होंने यह भी जानकारी दी कि जेल लोक अदालत का मुख्य उद्देश्य बंदियों को शीघ्र न्याय दिलाना है। ऐसे प्रकरण जो राजीनामा योग्य हैं, उन्हें आपसी सहमति से लोक अदालत के माध्यम से निराकृत किया जा सकता है। शिविर में बंदियों को प्ली बारगेनिंग, अपील के अधिकार, प्री-मेच्योर रिहाई तथा नि:शुल्क विधिक सहायता एवं सलाह योजनाओं के बारे में भी विस्तारपूर्वक बताया गया। कार्यक्रम के दौरान सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जिला विधिक सहायता अधिकारी, जेल कर्मचारीगण एवं जेलबंदी उपस्थित रहे।

जल संरक्षण में मध्य प्रदेश ने मारी बाजी

देशभर में बना अव्वल डिंडौरी और खंडवा शीर्ष पर

खण्डवा। जल संरक्षण और प्रबंधन के क्षेत्र में मध्य प्रदेश ने बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए देशभर में पहला स्थान प्राप्त किया है। भारत सरकार के 'जल संचय भागीदारी' अभियान के अंतर्गत प्रदेश ने यह मुकाम हासिल किया है। कुछ समय पहले तक छठे स्थान पर रहने वाला मध्य प्रदेश अब शीर्ष पर पहुंच गया है, जो व्यापक जनभागीदारी और सतत प्रयासों का परिणाम माना जा रहा है।मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि 'जल गंगा संवर्धन अभियान' के माध्यम से प्रदेश ने सामुदायिक सहभागिता पर आधारित जल प्रबंधन का प्रभावी मॉडल प्रस्तुत किया है। उन्होंने बताया कि इस अभियान की सफलता में जिलों की सक्रिय भागीदारी महत्वपूर्ण रही है, जहां राष्ट्रीय स्तर की रैंकिंग में डिंडौरी ने पहला और खंडवा ने दूसरा स्थान हासिल किया है।प्रदेश में इस अभियान के तहत 16 शासकीय विभागों की 82 प्रमुख गतिविधियों को चिन्हित कर जल संरचनाओं के पुनर्जीवन और नए जल स्रोतों के निर्माण पर तेजी से काम किया जा रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों के साथ-साथ शहरी क्षेत्रों में भी बड़े पैमाने पर कार्य हो रहे हैं, जिससे जल संरक्षण को जनआंदोलन का रूप दिया जा रहा है।वन भूमि पर जल संरक्षण कार्यों को गति देने के लिए एक विशेष ऑनलाइन व्यवस्था भी विकसित की गई है।

जिससे अनुमति प्रक्रिया को सरल और पारदर्शी बनाया गया है। इससे विभिन्न परियोजनाओं को समय पर स्वीकृति मिलने में आसानी हो रही है और कार्यों में तेजी आई है।

आंकड़ों के अनुसार प्रदेश में अब तक 5 लाख 64 हजार से अधिक कार्यों का पंजीयन किया जा चुका है, जिनमें से 4 लाख 62 हजार से ज्यादा कार्य पूर्ण हो चुके हैं। इनमें अधिकांश कार्य ग्रामीण क्षेत्रों में किए गए हैं, जबकि शहरी क्षेत्रों में भी उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की गई है।

इस अभियान के लिए 6 हजार 630 करोड़ रुपए का वित्तीय लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

इसमें फार्म पॉन्ड, अमृत सरोवर और मनरेगा के अधूरे कार्यों को प्राथमिकता के साथ पूरा किया जा रहा है। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अंतर्गत भी कई जिलों ने बेहतर प्रदर्शन किया है, जिससे प्रदेश की कुल रैंकिंग मजबूत हुई है।

गर्भवती माताओं का किया गया स्वास्थ्य परीक्षण

प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान अंतर्गत जिला चिकित्सालय में कार्यक्रम आयोजित

बुरहानपुर। शनिवार को जिला चिकित्सालय में प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत शिविर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। शिविर में 34 गर्भवती माताओं का संपूर्ण स्वास्थ्य परीक्षण किया गया, जिनमें 14 हाई-रिस्क मामले चिन्हित कर आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श एवं देखभाल संबंधी मार्गदर्शन प्रदान किया गया। शिविर के दौरान गर्मी से बचाव, गर्भावस्था के दौरान सावधानियों एवं मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित जानकारी दी गई। हेल्पलाइन नंबर सेवाओं- प्रसव पूर्व-08047093146, प्रसव पश्चात-08047093147, मानसिक स्वास्थ्य हेतु टोल फ्री नं.-14416, मनहित ऐप, सुमन सखी एवं सुमन हेल्पलाइन आदि की भी जानकारी प्रदान की गई।सीएमएचओ डॉ. आर.के.वर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य गर्भवती महिलाओं को गुणवत्तापूर्ण प्रसव पूर्व देखभाल देना, संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देना एवं मातृ-शिशु मृत्यु दर में कमी लाना है।

शिविर में स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. पूनम सिंघाल, डॉ. प्रतिभा बागरण, सीनियर नर्सिंग ऑफिसर सीमा डेविड, ज्योति नागले, सोनाली नर्सिंग ऑफिसर सहित स्वास्थ्य टीम, आशा कार्यकर्ता सहित बड़ी संख्या में गर्भवती माताएं एवं उनके परिजन उपस्थित रहे।

जिला जेल झाबुआ में विशेष जेल लोक अदालत संपन्न

झाबुआ। मुख्य न्यायाधिपति, मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय एवं मुख्य संरक्षक, मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार, रविवार 26 को प्रदेशभर की जिला जेलों में विशेष जेल लोक अदालत का आयोजन किया गया। इसी के तहत जिला जेल झाबुआ में विशेष जेल लोक अदालत का आयोजन किया गया। जेल लोक अदालत का आयोजन प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्रीमती आशिता श्रीवास्तव की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। इस विशेष लोक अदालत के लिए मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट श्री नितिन कुमार मुजाल्दा की खंडपीठ का गठन किया गया था, जिन्होंने जेल में निरुद्ध बंदियों के प्रकरणों पर वैधानिक कार्यवाही की। जिला विधिक सेवा

प्राधिकरण के सचिव श्री शिव कुमार डावर ने बताया कि झाबुआ, पेटलावद और थांदला के न्यायालयों से पात्र बंदियों की जानकारी संकलित की गई थी। चिन्हित प्रकरणों में फरियादियों को अधिवक्ताओं के माध्यम से जेल परिसर में आमंत्रित किया गया। प्रधान जिला न्यायाधीश आशिता श्रीवास्तव ने अपने संबोधन में कहा कि कानून का उद्देश्य दंड देना नहीं बल्कि व्यक्ति द्वारा की गई गलती का आत्ममंथन कर अपने अंदर सुधार लाना है उन्होंने यह भी कहा कि जेल की चारदीवारी के पीछे समय बिता रहे बंदियों के लिए यह एक सुनहरा अवसर है कि वे मुख्यधारा में वापस लौट सकें। आज हमने झाबुआ, पेटलावद और थांदला के न्यायालयों से ऐसे प्रकरणों को चिन्हांकित किया जिनमें आपसी समझौते की गुंजाइश थी। मेरा आप सभी (फरियादी और बंदी पक्ष) से यही कहना है कि विवादों को खींचने से केवल समय और मानसिक शांति की हानि होती है। आपसी राजीनामा न केवल कानूनी बोझ कम करता है, बल्कि समाज में सद्भाव भी पैदा करता है।

जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक सम्पन्न

मातृ-शिशु स्वास्थ्य, टीकाकरण व टीबी अभियान पर दिए निर्देश

खरगोन। कलेक्टर भव्या मित्तल की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में जिले में संचालित स्वास्थ्य योजनाओं एवं कार्यक्रमों की विस्तृत समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

बैठक में पंजीयन कार्य की समीक्षा के दौरान बडवाह विकासखंड के कार्य को सराहनीय बताया गया। वहीं भगवानपुरा, शहरी क्षेत्र खरगोन एवं झिरन्या में शत-प्रतिशत उपलब्धि प्राप्त करने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर सुश्री मित्तल द्वारा गर्भवती माताओं की पृथक बैठक आयोजित कर समीक्षा करने के निर्देश भी दिए गए।

बैठक में कलेक्टर मित्तल द्वारा हाई-रिस्क गर्भवती महिलाओं के उपचार प्रबंधन को 100 प्रतिशत सुनिश्चित करने के लिए समस्त बीएमओ को निर्देशित किया गया कि एएनएम-वार पहचान कर जांच एवं उपचार की जानकारी पोर्टल पर दर्ज की जाए। टीबी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत बडवाह एवं भीकनगांव विकासखंड को एक-एक पोर्टेबल एक्स-रे मशीन उपलब्ध कराई गई, जिससे मरीजों को समय पर जांच व उपचार में सुविधा मिलेगी।

बैठक में जिले में कुल 69 प्रसव केंद्रों की क्रियाशीलता की समीक्षा करते हुए समस्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों को प्रसव केंद्र के रूप में सक्रिय करने के निर्देश दिए गए। कानापुर, मर्दाना, नागझिरी में डिलेवरी प्वाइंट प्रारंभ करने के लिए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को निर्देशित किया गया।

बैठक में मातृ मृत्यु समीक्षा के अंतर्गत जिला चिकित्सालय खरगोन में प्रसव उपरांत मृत्यु के प्रकरण पर संबंधित चिकित्सकों को शोकॉज नोटिस जारी करने तथा 108 एम्बुलेंस के सुचारू संचालन के लिए 108 कोऑर्डिनेटर को सख्त हिदायत दी गई।

बैठक में राष्ट्रीय टीकाकरण कार्यक्रम के अंतर्गत कसरावद एवं महेश्वर विकासखंड में पूर्ण टीकाकरण कवरेज कम पाए जाने पर कवरेज बढाने के निर्देश दिए गए। साथ ही ग्राम लोदी, खेडा, न्यू टीमरनी, ढसलगांव, तितरान्या, दामखेडा, मोठापुरा तथा शहरी क्षेत्र खरगोन के वार्ड क्रमांक 25 में टीकाकरण प्रतिशत कम होने पर विशेष टीम बनाकर टीकाकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

बैठक में युविन पोर्टल पर ओवरड्यू प्रकरण अधिक पाए जाने पर टीकाकरण दिवस के दिन ही समस्त प्रविष्टियां पोर्टल पर दर्ज करने के निर्देश जिले के समस्त बीएमओ एवं शहरी नोडल अधिकारियों को दिए गए।

14 मई तक एस एन कॉलेज में आयोजित होंगे चलित साक्षात्कार

खण्डवा। एसएन कॉलेज के प्राचार्य श्री सोमपाल सिंह ने बताया कि महाविद्यालयों में ई-प्रवेश 2026-27 के अंतर्गत उच्च शिक्षा विभाग द्वारा सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय उज्जैन को स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर पर राज्य स्तरीय एकीकृत परीक्षा आयोजित करने का दायित्व सौंपा गया है। इस प्रक्रिया के अंतर्गत विश्वविद्यालय द्वारा चलित साक्षात्कार अर्थात वॉक इन इंटरव्यू आयोजित करने के लिए सभी अग्रणी महाविद्यालयों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। प्राचार्य ने बताया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अंतर्गत कक्षा 12वीं उत्तीर्ण विद्यार्थी अपने संकाय या विषय के अतिरिक्त अन्य संकाय या विषय में जैसे कि विज्ञान संकाय का विद्यार्थी कला या वाणिज्य संकाय में प्रवेश लेना चाहता है, या कला संकाय का विद्यार्थी वाणिज्य तथा विज्ञान संकाय में प्रवेश लेना चाहता है, इसी प्रकार स्नातक उत्तीर्ण विद्यार्थी अपने मेजर और माइनर विषय यासंकाय के अतिरिक्त अन्य विषय या संकाय से स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष में प्रवेश लेना चाहता है तो एसे इच्छुक विद्यार्थियों को पात्रता प्रमाण पत्र प्राप्त करना आवश्यक होगा। उन्होंने बताया कि 14 मई के बीच प्रात:11 से अपराह्न 2 तक प्रधानमंत्री कॉलेज आफ एक्सीलेंस नील कण्ठेश्वर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में पात्रता हेतु चलित साक्षात्कार अर्थात वॉक इन इंटरव्यू में इच्छुक विद्यार्थी शामिल हो सकते हैं।

ऑटिज्म कोई कमी नहीं बस दुनिया को देखने का एक अलग तरीका है

बड़वानी। पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय में ऑटिज़्म जागरूकता अभियान के अंतर्गत एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन विद्यालय के प्राचार्य श्री कुंदन राठौर के मार्गदर्शन में किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं शिक्षकों को ऑटिज़्म के प्रति संवेदनशील बनाना एवं समाज में इसके प्रति सही समझ विकसित करना था। इस नाटक में कुल पाँच विद्यार्थियों अनाय्जा शेख ,सुफियान खान, आयत, मीमांशा भंवर , नायरा जाट ने भाग लिया, जिन्होंने काउंसलर, स्पेशल एजुकेटर, अभिभावक एवं ऑटिज़्म से प्रभावित बच्चे की

भूमिकाओं को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया।

नाटक के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि ऑटिज़्म कोई बीमारी नहीं, बल्कि एक अलग प्रकार की स्थिति है, जिसमें बच्चों को विशेष समझ, धैर्य और सहयोग की आवश्यकता होती है। प्रस्तुति के दौरान बच्चों ने यह भी दर्शाया कि कैसे सही मार्गदर्शन, प्रेम और सहयोग से ऑटिज़्म से प्रभावित बच्चे अपनी क्षमताओं का विकास कर सकते हैं और समाज में आत्मनिर्भर बन सकते हैं। नाटक ने उपस्थित सभी दर्शकों को भावनात्मक रूप से प्रभावित किया और उन्हें इस विषय पर सोचने के लिए प्रेरित किया।

नि:शुल्क मोतियाबिंद 29 अप्रैल को शाहपुर में

बुरहानपुर। जिला प्रशासन एवं जिला अंधत्व निवारण समिति के सहयोग से शंकरा आई सेंटर, इंदौर द्वारा नि:शुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन एवं लेंस प्रत्यारोपण नेत्र शिविर का आयोजन 29 अप्रैल दिन बुधवार को प्रात: 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक स्थान- सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, शाहपुर में आयोजित होगा।शिविर में विशेषज्ञों द्वारा मरीजों की जांच की जाएगी तथा चयनित मरीजों का नि:शुल्क ऑपरेशन शंकरा आई सेंटर, इंदौर में किया जाएगा। ऑपरेशन हेतु मरीजों को दवाइयां, काला चश्मा, भोजन एवं परिवहन की सुविधा नि:शुल्क उपलब्ध कराई जाएगी।

जिले की 'बाग प्रिंट' कला को पेरिस में मिलेगा वैश्विक मंच

धार। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश में पारंपरिक हस्तशिल्प और स्थानीय कला को राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के लिये निरंतर प्रभावी प्रयास किये जा रहे हैं। इसी क्रम में प्रदेश की विशिष्ट बाग प्रिंट कला को फ्रांस की राजधानी पेरिस में आयोजित होने वाले प्रतिष्ठित मेले ' 'फ़ोयर डे पेरिस में प्रदर्शित किया जायेगा। यह मेला 30 अप्रैल से 11 मई तक पेरिस के पोर्टे डे वर्साय प्रदर्शनी केंद्र में आयोजित किया जाएगा।

केन्द्रीय वस्त्र मंत्रालय के विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) कार्यालय द्वारा देशभर से चयनित पांच श्रेष्ठ शिल्पकारों में प्रदेश के नेशनल अवार्डी शिल्पकार मोहम्मद बिलाल खत्री को शामिल किया गया है।

वे इस मेले में प्रदेश की 'बाग प्रिंट' कला का प्रतिनिधित्व करते हुए मास्टर क्राफ्ट्समैन के रूप में शामिल होंगे। बाग प्रिंट हस्तशिल्प भौगोलिक संकेत (GI) के अंतर्गत संरक्षित है।

लाइव डेमोंस्ट्रेशन से रूबरू होंगे दर्शक

इस अन्तर्राष्ट्रीय मेले में बिलाल खत्री 'बाग प्रिंट' कला का लाइव प्रदर्शन करेंगे। पारंपरिक प्राकृतिक रंगों, नक्काशीदार लकड़ी के ब्लॉक्स और हस्तनिर्मित तकनीकों के माध्यम से कपड़ों पर उभरती कलाकृतियों को अन्तर्राष्ट्रीय दर्शक प्रत्यक्ष देख सकेंगे।

यह भारतीय हस्तशिल्प की गहराई और सौंदर्य को समझने का अनूठा अवसर प्रदान करेगा।

परंपरा और आधुनिकता का संतुलित समावेश

इस विशेष प्रदर्शनी के लिए तैयार किए गए डिज़ाइन में भारतीय पारंपरिक शिल्प और आधुनिक वैश्विक सौंदर्यबोध का समन्वय किया गया है। यूरोपीय बाज़ार की पसंद को ध्यान में रखते हुए तैयार की गई ये कृतियां 'बाग प्रिंट' को अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान देंगी।

इस शिल्प में सूती और रेशमी कपड़ों को पारंपरिक प्राकृतिक प्रक्रियाओं से तैयार किया जाता है। लोहे के संक्षारण, धवाड़ी फूल और मायरोबालन के मिश्रण के साथ-साथ फिटकरी और एलिज़ारिन का उपयोग किया जाता है। कुशल कारीगरों द्वारा लकड़ी के ब्लॉक्स से डिज़ाइन तैयार कर उन्हें हाथ से भरा जाता है। तैयार वस्त्रों को बहते पानी में धोकर धूप में सुखाया जाता है, जिससे उन्हें विशिष्ट फिनिश प्राप्त होती है। 'बाग प्रिंट' में लाल और काले रंग के ज्यामितीय एवं पुष्पीय रूपांकन प्रमुख होते हैं।

'बाग प्रिंट' की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक पृष्ठ भूमि

'बाग प्रिंट' मध्यप्रदेश के बाग क्षेत्र की पारंपरिक हैंड ब्लॉक प्रिंटिंग कला है। बाग एक छोटा जनजातीय कस्बा है, जहां भील और भिलाला समुदाय निवास करते हैं और प्राचीन बाघ गुफाएं भी स्थित हैं। इस कला की परंपरा खत्री समुदाय द्वारा लगभग 400 वर्ष पूर्व सिंध के लरकाना क्षेत्र से आकर स्थापित की गई मानी जाती है।

फटाफट खबरें

जगन्नाथ रथ यात्राः कॉर्डन पास से भीड़ नियंत्रित

भुवनेश्वर,(ईएमएस)। पुरी में आयोजित होने वाली प्रसिद्ध जगन्नाथ रथ यात्रा को लेकर इस वर्ष प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था को और कड़ा करने का निर्णय लिया है। ओडिशा सरकार ने भीड़ नियंत्रण के लिए रथों के पास जारी किए जाने वाले कॉर्डन पास की संख्या कम करने का फैसला किया है। ये पास भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और देवी सुभद्रा के रथों के आसपास बनाए गए सुरक्षा घेरे में प्रवेश के लिए दिए जाते हैं। प्रशासन का यह कदम पिछले वर्ष हुई दुखद घटना के मद्देनजर उठाया गया है, जब भारी भीड़ के कारण दबने से तीन श्रद्धालुओं की जान चली गई थी। इस हादसे ने सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े किए थे। अधिकारियों का कहना है कि सीमित पास जारी करने से रथों के आसपास भीड़ कम होगी और आपात स्थिति में राहत एवं बचाव कार्य बेहतर तरीके से किए जा सकेंगे।

तोता जंगली पक्षी, फसल नुकसान पर मुआवजा दे सरकारः हाईकोर्ट

नागपुर,(ईएमएस)। महाराष्ट्र हाईकोर्ट की नागपुर खंडपीठ ने एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा है कि तोता जंगली पक्षी की श्रेणी में आता है, इसलिए उसके द्वारा फसलों को पहुंचाए गए नुकसान की भरपाई राज्य सरकार को करनी होगी। यह मामला किसानों की फसलों, खासकर अनार के पेड़ों को हुए नुकसान से जुड़ा था। अदालत ने स्पष्ट किया कि वन्यजीव संरक्षण कानून के तहत जंगली जीव राज्य की संपत्ति माने जाते हैं, ऐसे में उनके कारण हुए नुकसान की जिम्मेदारी भी राज्य सरकार की होती है। कोर्ट ने संबंधित मामले में प्रति पेड़ 200 रुपये मुआवजा देने का निर्देश दिया है।

नोएडा में बिजली का तार गिरने से कार में लगी आग

नोएडा,(ईएमएस)। नोएडा के फेज-3 थाना क्षेत्र स्थित सेक्टर-121 के गढ़ी चौखंडी गांव में रविवार देर रात एक खड़ी कार में आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। हालांकि समय रहते आग पर काबू पा लिया गया, जिससे बड़ा हादसा टल गया और कोई जनहानि नहीं हुई। घटना अजनारा होम्स के पास सड़क किनारे खड़ी एक कार में हुई। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और एक फायर ब्रिगेड वाहन की मदद से आग बुझा दी। मुख्य अग्निशमन अधिकारी प्रदीप कुमार चौबे ने बताया कि कंट्रोल रूम को रात करीब साढ़े 12 बजे आग लगने की सूचना मिली थी। मौके पर पहुंचने पर पाया गया कि दिल्ली नंबर की होंडा अमेज कार में आग लगी हुई थी। यह कार पेट्रोल और सीएनजी दोनों से संचालित थी, जिससे खतरा और बढ़ सकता था।

शोपियां का मदरसा 'ऊपा' के तहत अवैध घोषित

जम्मू,(ईएमएस)। जम्मू-कश्मीर प्रशासन ने शोपियां जिले के इमाम साहिब स्थित दारुल उलूम जामिया सिराज-उल-उलूम को गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम (ऊपा) के तहत अवैध संस्था घोषित कर दिया है। यह आदेश कश्मीर के डिविजनल कमिश्नर अंशुल गर्ग द्वारा जारी किया गया। प्रशासन के अनुसार, यह कार्रवाई शोपियां के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) की रिपोर्ट के आधार पर की गई है। जांच में संस्थान से जुड़ी कई अनियमितताएं सामने आईं, जिनमें जमीन से जुड़े विवाद, आवश्यक पंजीकरण की कमी और नियमों से बचने के प्रयास शामिल हैं। आदेश में यह भी कहा गया है कि इस संस्थान के जमात-ए-इस्लामी (जेईएल) से संबंध होने के आरोप हैं, जो पहले से ही प्रतिबंधित संगठन है।

राष्ट्रपति मुर्मू पांच दिन के हिमाचल दौरे पर

शिमला,(ईएमएस)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू सोमवार से पांच दिन के हिमाचल प्रदेश दौरे पर रहेंगी। मुर्मू मंगलवार को शिमला के लोक भवन में राज्यपाल द्वारा आयोजित भोज में शामिल होंगी। बुधवार को राष्ट्रपति मुर्मू अटल सुरंग जाएंगी। वह गुरुवार को पालमपुर स्थित चौधरी सरवन कुमार हिमाचल प्रदेश कृषि विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में भी शामिल होंगी। राष्ट्रपति मुर्मू अगले महीने की पहली तारीख को अपनी यात्रा के अंतिम दिन शिमला स्थित सेना प्रशिक्षण कमान का भी दौरा करेंगी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू सोमवार हिमाचल प्रदेश के छह दिन के दौरे पर शिमला पहुंची। शिमला से 13 किमी छराबड़ा में राष्ट्रपति भवन रिट्रीट में ठहरेंगी।

प्रधानमंत्री का दो दिवसीय उत्तरप्रदेश दौरा, देंगे कई विकास कार्यों की सौगात

वाराणसी में महिला सम्मेलन में भाग लेंगे, हरदोई जिले में गंगा एक्सप्रेसवे का करेंगे उद्घाटन

नईदिल्ली, ईएमएस। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 28 एवं 29 अप्रैल को उत्तर प्रदेश के दो दिवसीय दौरे पर रहेंगे इस दौरान पीएम मोदी कई विकास कार्यों की सौगात देंगे। प्रधानमंत्री मोदी 28 अप्रैल को शाम लगभग 5 बजे वे वाराणसी में महिला सम्मेलन में भाग लेंगे, जहां वे लगभग रू 6,350 करोड़ की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। इस अवसर पर वे सभा को संबोधित भी करेंगे। 29 अप्रैल को सुबह लगभग 8:30 बजे प्रधानमंत्री वाराणसी में श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन और पूजा करेंगे। इसके बाद वे हरदोई जाएंगे और लगभग 11:30 बजे गंगा एक्सप्रेसवे का उद्घाटन करेंगे तथा सभा को संबोधित करेंगे।

पीएम मोदी वाराणसी में महिला सम्मेलन में भाग लेंगे, वे लगभग रू 6,350 करोड़ की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। ये परियोजनाएं रेल, सड़क, जल, स्वास्थ्य, पर्यटन और शहरी अवसंरचना सहित कई क्षेत्रों से संबंधित हैं। इसके साथ ही प्रधानमंत्री दो नई अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनों को हरी झंडी दिखाएंगेः बनारस-पुणे (हड़पसर) और अयोध्या-मुंबई (लोकमान्य तिलक टर्मिनस)। प्रधानमंत्री हरदोई में 594 किमी लंबा एक्सेस-कंट्रोल्ड ग्रीनफील्ड गंगा एक्सप्रेसवे का उद्घाटन करेंगे। लगभग रू 36,230 करोड़ की लागत से निर्मित यह गंगा एक्सप्रेसवे मेरठ और प्रयागराज के बीच यात्रा समय को वर्तमान 10-12 घंटे से घटाकर लगभग 6 घंटे कर देगा। इस परियोजना की एक प्रमुख विशेषता शाहजहांपुर जिले में 3.5 किमी लंबी आपातकालीन लैंडिंग सुविधा (एयरस्ट्रिप) है, जो आर्थिक लाभों के अलावा रणनीतिक महत्व भी जोड़ती है।

प्रधानमंत्री वाराणसी में देंगे यह सौगात

प्रधानमंत्री महिला सम्मेलन में भाग लेंगे, जिसमें क्षेत्र भर से बड़ी संख्या में महिलाएं शामिल होंगी। वे लगभग रू1,050 करोड़ की लागत से पूरी हुई 48 से अधिक परियोजनाओं को राष्ट्र को समर्पित करेंगे। मुख्य परियोजनाओं में वाराणसी-आजमगढ़ सड़क चौड़ीकरण, कज्जाकपुरा और कादीपुर में रेलवे ओवर ब्रिज का उद्घाटन, तथा भगवानपुर में 55 एमएलडी क्षमता वाले सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट का उद्घाटन शामिल है।

प्रधानमंत्री सामुदायिक विकास से जुड़ी कई परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे, जिनमें जल जीवन मिशन के तहत 30 ग्रामीण पेयजल योजनाएं, चंद्रावती घाट का पुनर्विकास, सारनाथ के पास सारंगनाथ मंदिर का पर्यटन विकास, और संत रविदास पार्क (नगवा) का सौंदर्यीकरण शामिल है। इसके अलावा यूपी कॉलेज में सिंथेटिक हॉकी टर्फ, रामनगर में 100-बेड वृद्धाश्रम, भेलूपुर जल शोधन संयंत्र में 1 मेगावाट सौर ऊर्जा संयंत्र का उद्घाटन भी करेंगे। केंद्रीय तिब्बती अध्ययन विश्वविद्यालय में सोवा रिग्पा भवन और अस्पताल का उद्घाटन पारंपरिक चिकित्सा को आधुनिक स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। प्रधानमंत्री लगभग रू 5,300 करोड़ की 112 से अधिक परियोजनाओं का शिलान्यास करेंगे। इनमें अमृत 2.0 के तहत 13 सीवरेज और जलापूर्ति योजनाएं, 500-बेड का सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल, बाजार परिसर और कार्यालय भवनों का निर्माण, तालाबों का पुनरुद्धार, 198-बेड अस्पताल का पुनर्विकास, 100-बेड क्रिटिकल केयर ब्लॉक, और प्रमुख घाटों (अस्सी, दशाश्वमेध, नमो घाट) का विकास शामिल है। वे प्रशासनिक और सामाजिक ढांचे को मजबूत करने के लिए एकीकृत मंडलीय कार्यालय, नगर निगम भवन, और रामनगर में बाल संरक्षण गृह एवं किशोर न्याय बोर्ड की आधारशिला भी रखेंगे। साथ ही, बनास डेयरी से जुड़े दुग्ध उत्पादकों को रू 105 करोड़ से अधिक का बोनस भी हस्तांतरित करेंगे। प्रधानमंत्री वाराणसी जंक्शन-पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन के बीच तीसरी और चौथी रेल लाइन परियोजना का शिलान्यास करेंगे, जिसमें गंगा नदी पर रेल-सह-सड़क पुल का निर्माण भी शामिल है।

प्रधानमंत्री हरदोई को देंगे यह सौगात

प्रधानमंत्री हरदोई जिले में गंगा एक्सप्रेसवे का उद्घाटन करेंगे। यह 594 किमी लंबा, 6-लेन (8 लेन तक विस्तार योग्य) उच्च गति कॉरिडोर है, जो 12 जिलों—मेरठ, बुलंदशहर, हापुड़, अमरोहा, संभल, बदायूं, शाहजहांपुर, हरदोई, उन्नाव, रायबरेली, प्रतापगढ़ और प्रयागराज—को जोड़ता है।

यह परियोजना मेरठ और प्रयागराज के बीच यात्रा समय को काफी कम करेगी और परिवहन को अधिक सुगम बनाएगी। इसमें शाहजहांपुर में 3.5 किमी लंबी आपातकालीन लैंडिंग पट्टी भी शामिल है, जो राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत बनाती है। गंगा एक्सप्रेसवे को एक प्रमुख आर्थिक कॉरिडोर के रूप में विकसित किया जा रहा है, जहां लगभग 2,635 हेक्टेयर क्षेत्र में विनिर्माण और लॉजिस्टिक्स हब बनाए जाएंगे। बेहतर कनेक्टिविटी से किसानों को बाजारों तक सीधी पहुंच मिलेगी, जिससे उनकी आय में वृद्धि होगी। साथ ही, पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा और रोजगार के नए अवसर उत्पन्न होंगे। यह एक्सप्रेसवे उत्तर प्रदेश में एक व्यापक एक्सप्रेसवे नेटवर्क की रीढ़ बनेगा, जिसमें आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे, जेवर लिंक एक्सप्रेसवे, फर्रुखाबाद लिंक एक्सप्रेसवे और मेरठ-हरिद्वार विस्तार जैसी परियोजनाएं शामिल हैं। गंगा एक्सप्रेसवे केवल एक परिवहन परियोजना नहीं है, बल्कि यह औद्योगिक निवेश को आकर्षित करने, कृषि और ग्रामीण आय को बढ़ाने, रोजगार सृजन करने और राज्य के समग्र आर्थिक विकास को गति देने वाली परिवर्तनकारी पहल है।

लो..खत्म हो गया तेलः आंध्र प्रदेश के 400 से ज्यादा पेट्रोल पंप बंद

राज्य में अब ईंधन के लिए मची अफरातफरी

अमरावती,(ईएमएस)। ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ते तनाव और युद्ध की स्थितियों ने वैश्विक ऊर्जा बाजार में अनिश्चितता पैदा कर दी है, जिसका सीधा असर अब भारतीय जमीन पर भी दिखने लगा है। दक्षिणी राज्य आंध्र प्रदेश में रविवार को ईंधन की भारी किल्लत और पैनिक बाइंग (घबराहट में खरीदारी) के चलते स्थिति बेकाबू हो गई। राज्य के विभिन्न जिलों में 400 से अधिक पेट्रोल पंपों पर ताले लटक गए हैं, जिससे आम जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया है। अधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, राज्य में कुल 4,510 पेट्रोल पंप हैं, जिनमें से 421 केंद्रों पर स्टॉक पूरी तरह समाप्त हो गया।

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए अधिकांश पंपों ने ईंधन की बिक्री को राशनिंग के दायरे में ला दिया है। वर्तमान में दोपहिया वाहनों को अधिकतम 2 लीटर और कारों को केवल 10 लीटर पेट्रोल ही दिया जा रहा है। आंध्र प्रदेश पेट्रोल डीलर्स एसोसिएशन के अनुसार, आम दिनों में डीजल की औसत बिक्री 7,000 लीटर होती थी, जो पैनिक बाइंग के कारण बढ़कर 14,000 लीटर से ऊपर पहुंच गई है। विजयवाड़ा, गुंटूर, नेल्लोर और तिरुमाला जैसे प्रमुख क्षेत्रों में संकट गहरा गया है। प्रसिद्ध तीर्थ स्थल तिरुमाला में भी परिवहन व्यवस्था चरमरा गई है। अधिकारियों का कहना है कि सोशल मीडिया पर ईरान-अमेरिका युद्ध के और भीषण होने की अफवाहों ने आग में घी का काम किया।

ईंधन संकट को लेकर सीएम ने की समीक्षा बैठक

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने राज्य में पेट्रोल और डीजल की उपलब्धता को लेकर उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। हाल के दिनों में ईंधन की भारी मांग और अफरा-तफरी में की जा रही खरीदारी के चलते राज्य के कई पेट्रोल पंपों पर आपूर्ति बाधित हुई है, जिससे स्थिति चिंताजनक बन गई है। अधिकारियों के अनुसार, ईंधन की आपूर्ति में लगभग 10 प्रतिशत की वृद्धि की गई है।

बैरकपुर की चुनावी रैली ने प्रधानमंत्री मोदी में बंगाल जीत का कर दिया ऐलान.....

शपथ ग्रहण में ही लौटूंगा

आखिरी चुनावी रैली में पश्चिम बंगाल से भावनात्मक लगाव का किया जिक्र

कोलकाता,(ईएमएस)। नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल के बैरकपुर में दूसरे चरण की अपनी आखिरी चुनावी रैली को संबोधित करते हुए बड़ा राजनीतिक दावा किया। उन्होंने मंच से ऐलान करते हुए कहा, कि अब वह 4 मई के बाद ही बंगाल लौटेंगे, जब राज्य में भारतीय जनता पार्टी की सरकार का शपथ ग्रहण समारोह होगा। इस बयान के जरिए उन्होंने राज्य में भाजपा की जीत को लेकर पूरा विश्वास जताया। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में बंगाल से अपने भावनात्मक और आध्यात्मिक जुड़ाव का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि उनकी निजी जिंदगी और आध्यात्मिक यात्रा में बंगाल का विशेष स्थान रहा है। शक्ति की उपासना और यहां की सांस्कृतिक विरासत ने उनके जीवन को गहराई से प्रभावित किया है।

उन्होंने यह भी कहा कि बंगाल की महान हस्तियों और यहां के लोगों से उन्हें हमेशा प्रेरणा और स्नेह मिला है। मौजूदा रैली को इस चुनाव की अपनी अंतिम जनसभा बताते हुए मोदी ने कहा, 'मैं जहां भी गया, लोगों का मूड साफ नजर आया। मैं इस विश्वास के साथ जा रहा हूं कि अगली बार शपथ ग्रहण समारोह में ही लौटूंगा।' उन्होंने बैरकपुर से भाजपा प्रत्याशी कौस्तव बागची के समर्थन में भी लोगों से मतदान की अपील की। यहां प्रधानमंत्री मोदी ने जनता के साथ अपने भावनात्मक संबंध का जिक्र करते हुए कहा कि वे रात में समय निकालकर लोगों के संदेश और पत्र पढ़ते हैं। उन्होंने कहा, 'कई संदेशों ने मुझे भावुक किया।

मैंने लोगों का दर्द महसूस किया और उनकी उम्मीदों को समझा।' उन्होंने दोहराया कि देश की जनता ही उनका परिवार है और वे अपना घर छोड़ने के बाद से लगातार लोगों के बीच ही रहे हैं। अपने चार दशकों के राजनीतिक सफर को याद करते हुए मोदी ने कहा कि उन्होंने बिना रुके देश के कोने-कोने में काम किया है। उन्होंने कहा, दिन-रात या मौसम की परवाह किए बिना मैं चलता रहा हूं। मुझे शांति और संतोष हमेशा जनता के बीच ही मिला है। प्रधानमंत्री के इस संबोधन को चुनावी माहौल में भाजपा के आत्मविश्वास के संकेत के तौर पर देखा जा रहा है।

बंगाल में दूसरे चरण के चुनाव प्रचार का शोर थमा

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दूसरे और अंतिम चरण के लिए चुनाव प्रचार का शोर सोमवार शाम थम गया। इस चरण में 29 अप्रैल को 142 विधानसभा सीटों पर मतदान होना है। इन सीटों में उत्तर कोलकाता, दक्षिण कोलकाता, हावड़ा, नादिया, उत्तर 24 परगना, दक्षिण 24 परगना, हुगली और पूर्वी बर्धमान जैसे प्रमुख क्षेत्र शामिल हैं।

मतदान के लिए सुरक्षा के व्यापक इंतजाम....

निर्वाचन आयोग ने दूसरे चरण के लिए व्यापक सुरक्षा इंतजाम किए हैं। आयोग ने स्पष्ट किया है कि मतदान प्रक्रिया में बाधा डालने या मतदाताओं को डराने-धमकाने की किसी भी कोशिश पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। आयोग के निर्देशानुसार सभी संवेदनशील इलाकों में केंद्रीय बलों की तैनाती की गई है और क्षेत्र प्रभुत्व बढ़ाने पर जोर दिया गया है। राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी मनोज कुमार अग्रवाल ने तैयारियों की समीक्षा करते हुए बताया कि प्रत्येक मतदान केंद्र पर सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे और 100 मीटर के दायरे में अनधिकृत प्रवेश पर प्रतिबंध रहेगा। उल्लेखनीय है कि केरल, असम, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और पुदुचेरी में 4 मई को मतगणना के साथ ही परिणाम घोषित किए जाएंगे।

लद्दाख को राज्य का दर्जा दिलाने नेताओं ने की गृहमंत्री से सीधी बातचीत की मांग

लेह,(ईएमएस)। लद्दाख को राज्य का दर्जा दिलाने और संविधान की छठी अनुसूची में शामिल करने की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे संगठनों ने केंद्र सरकार के प्रति कड़ा रुख अपनाया है। लेह एपेक्स बॉडी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के 30 अप्रैल को होने वाले दौरे के दौरान उनसे सीधे 'निर्णय-स्तर' की बात करने का आह्वान किया है। संगठन ने 22 मई के लिए प्रस्तावित उप-समिति की बैठक को 'अपर्याप्त और व्यर्थ' बताया है।

यह प्रतिक्रिया एलजी विनय कुमार सक्सेना द्वारा रविवार को यह घोषणा किये जाने के बाद आई कि गृह मंत्रालय ने आंदोलनकारी लद्दाख समूहों के प्रतिनिधियों के साथ राजनीतिक वार्ता के लिए उप-समिति की बैठक 22 मई को बुलाने का फैसला लिया है। पिछली बैठक फरवरी की शुरुआत में हुई थी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक लद्दाख को राज्य का दर्जा देने और संविधान की छठी अनुसूची के तहत सुरक्षा उपायों सहित अपने चार सूत्री एजेंडे पर एलएबी और केडीए 2021 से केंद्र सरकार के साथ बातचीत कर रहे हैं।

मायावती ने 3 बड़े नेताओं को पार्टी से निकाला

लखनऊ,(ईएमएस)। यूपी विधानसभा चुनाव से पहले बसपा सुप्रीमो मायावती के एक फैसले से पार्टी में उथल-पुथल मची दी है। मायावती ने पार्टी के तीन वरिष्ठ नेताओं को बाहर का रास्ता दिखा दिया है। ऐसे में जब फरवरी 2027 में चुनाव होने हैं मायावती के इस फैसले से बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं में असंतोष है। मायावती ने जिन तीन नेताओं को पार्टी से बाहर किया है, उनका पश्चिम यूपी में अच्छा दबदबा है। जानकारों का कहना है कि इस फैसले से विशेष रूप से पश्चिमी यूपी में बसपा की पकड़ कमजोर हो सकती है।

लू का अंत, तूफान की दस्तक, बदलेगा मौसम

नई दिल्ली(ईएमएस)। देशभर में पिछले कई दिनों से जारी भीषण गर्मी और लू के प्रकोप से अब राहत मिलने की उम्मीद है। कई राज्यों में पारा 45 डिग्री सेल्सियस के आसपास पहुंचने के बाद, मौसम विभाग ने आगामी 12 घंटों में तेजी से बदलाव की भविष्यवाणी की है। मौसम विभाग के ताजा अनुमानों के अनुसार, सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ, हवा के रुख में बदलाव और बढ़ती नमी के कारण अगले कुछ दिनों में आंधी, बारिश और तूफान का दौर शुरू होगा। यह मौसमी बदलाव जहां एक ओर तपिश से राहत दिलाएगा, वहीं दूसरी ओर इसके साथ कुछ प्राकृतिक चुनौतियां भी आ सकती हैं, जिनके प्रति लोगों को सतर्क रहने की आवश्यकता है।

9 राज्यों में बारिश-आंधी का अलर्ट

भूमध्य सागर से आने वाले वेस्टर्न डिस्टर्बेंस (पश्चिमी विक्षोभ) अब उत्तर भारत में सक्रिय हो चुके हैं। ये मौसमी प्रणालियां आमतौर पर गर्मी की लंबी लहरों को तोड़ने में सहायक होती हैं। 27 अप्रैल की शाम से ही इन विक्षोभों का असर दिखना शुरू हो जाएगा और 28 से 30 अप्रैल के बीच इनका प्रभाव और अधिक तीव्र होगा। इस दौरान देश के कई हिस्सों में तेज गर्जना के साथ बारिश, बिजली गिरने और कुछ स्थानों पर ओलावृष्टि की भी संभावना है। हालांकि यह बदलाव गर्मी से राहत देगा।

धीरेंद्र शास्त्री ने मांगी माफीः शिवाजी-रामदास पर की थी टिप्पणी

नागपुर,(ईएमएस)। छत्रपति शिवाजी महाराज और समर्थ रामदास स्वामी के बारे में अपनी टिप्पणी को लेकर विवादों में घिरे बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने माफी मांग ली है। रविवार को नागपुर में धीरेंद्र शास्त्री ने कहा कि कुछ लोगों ने मेरे बयान का गलत अर्थ निकाला। मैं जिस स्वराज और हिंदू राष्ट्र की अवधारणा का सम्मान करता हूं, उसमें छत्रपति शिवाजी महाराज का स्थान सर्वोच्च है। उनके बारे में नकारात्मक बोलना तो दूर, मैं ऐसा सपने में भी नहीं सोच सकता हूं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक उन्होंने कहा संदर्भ बिल्कुल अलग था।

अराघची ने की तुर्की, कतर, मिस्र और सऊदी विदेश मंत्रियों से फोन पर बात

तेहरान,(ईएमएस)। ईरानी विदेश मंत्री ने संघर्ष विराम और राजनयिक मुद्दों पर चर्चा करने के लिए मिस्र और तुर्की के विदेश मंत्रियों से फ़ोन पर बातचीत की। अराघची और मिस्र के उनके समकक्ष बद्र अब्देल अत्ती ने कूटनीति, अमेरिका-इसराइल युद्ध में संघर्ष विराम और क्षेत्र में ताजा घटनाक्रमों पर बातचीत की। अब्बास अराघची ने तुर्की के विदेश मंत्री हकन फिदान से भी फोन पर बात की और उन्हें संघर्ष विराम से जुड़े ताजा घटनाक्रमों और कूटनीतिक प्रयासों के बारे में जानकारी दी।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक तुर्की के विदेश मंत्री हाकान फ़िदान ने अमेरिकी वार्ताकारों और उनके ईरानी और पाकिस्तानी समकक्षों के साथ वार्ता के दौरान हुई प्रगति पर चर्चा की। तुर्की के विदेश मंत्रालय के एक सूत्र के मुताबिक तुर्की के विदेश मंत्री हाकान फ़िदान ने अमेरिकी वार्ताकारों के साथ फोन पर बातचीत की, जिसमें उन्होंने ईरान और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच वार्ता में नवीनतम घटनाक्रम पर चर्चा की। दो अलग-अलग फोन कॉल में, फ़िदान ने अराघची और पाकिस्तान के विदेश मंत्री मोहम्मद इसहाक डार के साथ ईरान और अमेरिका के बीच चल रही वार्ता पर भी चर्चा की।

सुरक्षा, युद्ध और भ्रष्टाचार के मुद्दों पर घिरी सरकार, सड़कों पर उतरे हजारों लोग

इजराइल की जनता भड़कीः चुनाव से पहले नेतन्याहु पर दबाव

यरुशलम,(ईएमएस)। इजराइल में प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहु के खिलाफ जनाक्रोश लगातार बढ़ता जा रहा है। बढ़ती सुरक्षा की चिंता और लंबे खिंचती युद्ध की स्थिति के साथ ही आंतरिक राजनीतिक संकट को लेकर बड़ी संख्या में लोग सड़कों पर उतरकर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। अक्टूबर में संभावित चुनावों को देखते हुए ये विरोध प्रदर्शन राजनीतिक रूप से बेहद अहम माने जा रहे हैं।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार हाल के महीनों में हिज्बुल्लाह और ईरान समर्थित समूहों के साथ बढ़ते तनाव ने देश की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े किए हैं। हालिया संघर्षों में हुई जनहानि और बुनियादी ढांचे को पहुंचे नुकसान ने सरकार की आलोचना को और तेज कर दिया है। विश्लेषकों का मानना है कि सीमावर्ती और ग्रामीण क्षेत्रों में सरकार के खिलाफ असंतोष अधिक गहरा गया है। इसी बीच, नेतन्याहु की स्वास्थ्य स्थिति को लेकर भी चर्चाएं तेज हैं। प्रोस्टेट कैंसर से जुड़ी खबरों ने राजनीतिक माहौल को प्रभावित किया है।

हालांकि सरकार की ओर से इसे निजी मामला बताया जा रहा है, लेकिन जनता के एक वर्ग में उनके नेतृत्व को लेकर सवाल उठ रहे हैं। इसके अलावा, इजराइली न्यायपालिका में लंबित भ्रष्टाचार मामलों ने भी प्रधानमंत्री की छवि को प्रभावित किया है। विपक्ष इन मुद्दों को चुनावी अभियान में प्रमुखता से उठा रहा है, जिससे राजनीतिक माहौल और गर्म हो गया है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि सुरक्षा स्थिति और राजनीतिक अस्थिरता इसी तरह बनी रहती है, तो आगामी चुनावों में सत्ता परिवर्तन की संभावना बढ़ सकती है।

व्हाइट हाउस में गोलीबारी के बाद ब्रिटिश किंग का अमेरिका दौरा

वाशिंगटन,(ईएमएस)। अमेरिका-ब्रिटेन के बीच बढ़ती कड़वाहट के बावजूद ब्रिटिश किंग चार्ल्स चार दिन की अमेरिका यात्रा पर आ रहे हैं। यह दौरा ऐसे वक्त हो रहा है जब वॉशिंगटन में व्हाइट हाउस कॉरेस्पोंडेंट्स डिनर के दौरान गोलीबारी की घटना ने सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। यह दौरा इसलिए भी अहम है क्योंकि पीएम स्टार्मर और राष्ट्रपति ट्रंप के बीच बीते दिनों में तीखी बहस देखने को मिली थी। ब्रिटेन के बकिंघम पैलेस ने साफ कहा है कि सुरक्षा समीक्षा और अमेरिकी अधिकारियों से बातचीत के बाद यह दौरा रद्द नहीं किया जाएगा।

प्लेऑफ के लिए पंजाब सहित ये चार टीमें प्रबल दावेदार बनकर उभरीं

सीएसके, मुम्बई सहित अन्य टीमों का बाहर होना तय

मुम्बई (ईएमएस)।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19 वें सत्र के करीब आधे मुकाबले हो गये हैं। अभी तक कुल 70 मैचों में से 36 मुकाबले पूरे हो गये हैं। इससे बाद प्लेऑफ के लिए अब टीमों के बीच मुकाबला और कड़ा हो गया है। पंजाब किंग्स की टीम इस सत्र में सबसे अधिक अंक लेकर शीर्ष पर चल रही है। पंजाब ने अभी तक खेले गए 7 मैचों में से 6 में जीत दर्ज की है, जबकि कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ उनका एक मैच बारिश के कारण नहीं हो पाया था। इस प्रकार कुल 13 अंकों के साथ, पंजाब अंक तालिका में शीर्ष पर है और प्लेऑफ में जगह बनाने के लिए नंबर एक पर है। अगले दो से तीन मैचों में ही उसे नॉकआउट दौर का टिकट मिलना तय है।

वहीं पंजाब के अलावा, अंक तालिक में शी-4 में शामिल गत विजेता रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु, सनराइजर्स हैदराबाद और राजस्थान रॉयल्स भी शामिल हैं। राजस्थान और हैदराबाद ने 8-8 मुकाबले खेल लिए हैं, जबकि बेंगलुरु ने अभी तक 7 मैच खेले हैं। इन तीनों टीमों के भी 10-10 अंक हैं, जिससे ये प्लेऑफ की दौड़ में बचे हुए तीन स्थानो के लिए सबसे बड़े दावेदार के तौर पर उभरे हैं। इनका जबरदस्ता प्रदर्शन इन्हें इसके योग्य बनाता है। वहीं चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके), दिल्ली कैपिटल्स और गुजरात टाइटंस के लिए प्लेऑफ की में पहुंचना कठिन है। इन तीनों ही टीमों के 7-7 मैचों के बाद 6-6 अंक हैं। जबकि प्लेऑफ में जगह बनाने के लिए कम से कम 16 अंकों की जरुरत होती है। ऐसे में चेन्नई, दिल्ली और गुजरात को प्लेऑफ के लिए अपने बचे हुए 7 में से कम से कम 5 मैच जीतने होंगे, जो अभी संभव नजर नहीं आ रहा है।

इकसे अलावा मुंबई इंडियंस, लखनऊ सुपर जायंट्स और कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की बात करें तो ये टीमें आईपीएल से बाहर होने की दहलीज पर पहुंच गयी हैं। मुंबई और लखनऊ ने अब तक 7-7 मैच खेले हैं और इनके केवल 4-4 अंक हैं। कोलकाता नाइट राइडर्स का प्रदर्शन और भी निराशाजनक रहा है, जिसने इतने ही मैचों में केवल एक जीत दर्ज की है। इन तीनों टीमों की वापसी अब संभवन नजर नहीं आती।

रिंकू ने लगातार चार छक्के लगाकर मैच का रुख पलटा

लखनऊ (ईएमएस)। यहां कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की ओर से रिंकू सिंह ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ 83 रन बनाये। रिंकू ने दिग्वेश राठी के आखिरी ओवर में लगातार चार लंबे छक्के जड़कर केकेआर को 155 रन के स्कोर तक पहुंचाया। रिंकू ने इसके बाद क्षेत्ररक्षण के दौरान भी पांच कैच लपककर टीम की जीत में अहम योगदान दिया। केकेआर ने ये मैच सुपरओवर में जीता। वहीं लखनऊ की ओर से तेज गेंदबाज मोहसिन खान ने पांच विकेट लिए पर वह रिंकू को नहीं रोक पाये। मैच की शुरुआत में लखनऊ की जीत तय नजर आ रही थी। मोहसिन ने शुरुआती ओवरों में ही केकेआर की बल्लेबाजी ढ़हा दी। उन्होंने अपने पहले ओवर में टिम सीफर्ट को शून्य और दूसरे ओवर में अजिंक्य रहाणे को 10 रनों पर ही आउट कर दिया। तीसरे ओवर में मोहसिन ने लगातार दो गेंदों पर कैमरून ग्रीन और अनुकूल रॉय को आउट कर केकेआर की मुश्किलें बढ़ा दीं। इसके बाद रिंकू ने अपना आक्रामक अंदाज दिखाकर अपनी टीम को उबारा। रिंकू ने डेथ ओवरों में जमकर गेंदबाजों को पीटा। आखिरी 18 गेंदों में उन्हें जीत के लिए 38 रनों की जरूरत थी, और तभी वरुण चक्रवर्ती ने आयुष बडोनी को 24 रन पर आउट कर सुपर जायंट्स को करारा झटका दिया। इसके बाद मैच अंतिम ओवर तक खिंचा।

वैभव जैसी प्रतिभा एक पीढ़ी में एक बार ही किसी को मिलती है : कैफ

मुम्बई (ईएमएस)।

पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने राजस्थान रॉयल्सके युवा सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि उनके जैसी प्रतिभा एक पीढ़ी में एक बार ही किसी खिलाड़ी में मिलती है। कैफ ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ वैभव की विस्फोटक पारी को देखते हुए ये बात कही है। वैभव ने इस मैच में केवल 37 गेंदों में ही 103 रनों की आक्रामक पारी खेली थी। जिसमें 12 छक्के और पांच चौके शामिल थे। कैफ ने इसी पारी को देखते हुए कहा कि इतनी कम उम्र में, वैभव आईपीएल में शीर्ष गेंदबाजों पर भी आसानी से बड़े शॉट लगा रहे हैं। उन्होंने वैभव के निडर होकर खेलने के तरीके को विशेष रुप से पसंद किया है। साथ ही कहा कि इस बल्लेबाज ने जिस प्रकार से प्रफुल हिंगे पर लगातार चार छक्के लगाये। वह भी साबित करता है कि वैभव दबाव में नहीं आते जबकि पिछले मैच में हिंगे ने पहली ही गेंद पर उन्हे आउट कर दिया था। कैफ के अनुसार जिस प्रकार से वैभव ने पैट कमिंस जैसे विश्व स्तरीय गेंदबाज को निशाना बनाया है वह भी बड़ी बात है। इससे पहले के मुकाबालों में उन्होंने जसप्रीत बुमराह और जोफ्रा आर्चर की भी पिटाई की थी। कैफ का मानन है कि वैभव एक निडर क्रिकेटर हैं जो आईपीएल में ऐसे खेल रहे हैं, जैसे वह किसी गली क्रिकेट में खेल रहे हों। पूर्व भारतीय क्रिकेटर ने सूर्यवंशी के मानसिक रवैये को भी सराहा। उन्होंने कहा, दो सत्र में दो शतक और दोनों ही 250 से ज़्यादा के स्ट्राइक रेट से उनकी मानसिक मजबूती को दिखता है।

ऋषभ बोले - मुझे और टीम को ब्रेक की जरुरत

लखनऊ (ईएमएस)। लखनऊ सुपर जायंट्स का प्रदर्शन आईपीएल के इस सत्र में बेहद खराब रहा है और टीम लगातार मिली हार के बाद अंतिम स्थान पर है। टीम के कप्तान ऋषभ पंत आईपीएल इतिहास के सबसे महंगे खिलाड़ी होने के बाद भी प्रदर्शन की बात की जाये तो फ्लाप रहे हैं। वह न तो बल्लेबाज के तौर पर रन बना पाये हैं और न ही कप्तान के तौर पर उनकी रणनीति सफल रही है। ऐसे में अब वह दबाव के बीच ही तरोताजा होने के लिए ब्रेक मांग रहे हैं। कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) के खिलाफ मिली हार के बाद ऋषभ ने स्वीकार किया है कि उन्हें और उनकी टीम को तरोताजा होने के लिए एक ब्रेक की जरुरत है। सुपर जायंट्स टीम इस सत्र मे लगातार पांच मैच हारने के कारण अंक तालिका में सबसे निचले स्थान पर है। मैच के बाद कप्तान ने कहा, हमें वास्त में एक ब्रेक की जरुरत है। उन्होंने साथ ही कहा, हमेशा दबाव रहता है और यह हमेशा रहेगा पर हमें अपने अंदर से जवाब तलाशन होगा। हमें बिना कोई दबाव लिए आराम से खेलना चाहिये। उनक इन बातों से तय है कि टीम मानसिक रूप से थकी हुई है और उसे आत्मचिंतन की जरुरत है।

छोटी–छोटी बातों पर तनाव लेना बंद करना चाहिए : परिणीति चोपड़ा

इंस्टाग्राम के जरिए बालीवुड अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा ने सेल्फ-लव, मानसिक शांति और जीवन की सादगी से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर अपने विचार साझा किए। इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन पर अभिनेत्री ने अपने एक विस्तृत नोट लिखा, जिसमें उन्होंने जीवन को सकारात्मकता और संतोष के साथ जीने की सलाह दी। परिणीति चोपड़ा ने अपने पोस्ट में शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के महत्व पर विशेष जोर दिया। परिणीति ने लिखा कि हमें छोटी-छोटी बातों पर तनाव लेना बंद कर देना चाहिए, क्योंकि यह अनावश्यक रूप से हमारी ऊर्जा को खत्म करता है। उन्होंने शरीर को हमारी सबसे बड़ी पूंजी बताते हुए प्रशंसकों से आग्रह किया कि वे इसकी आलोचना करने के बजाय इसके प्रति दयालु हों और इसे सम्मान दें। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि हमें अपने शरीर को बेहतर पोषण देना चाहिए और इसे सक्रिय रखना चाहिए, क्योंकि भविष्य में हमें इन पलों की कमी महसूस होगी जब हमारा शरीर उतना ऊर्जावान नहीं रहेगा। परिणीति चोपड़ा ने सभी को भागदौड़ भरी जिंदगी से ब्रेक लेने की सलाह देते हुए कहा कि वास्तविक खुशी भौतिक चीजों के पीछे भागने में नहीं, बल्कि सुकून के साथ वर्तमान को जीने में है। उन्होंने सलाह दी कि हमें बाहर निकलना चाहिए, खुले आसमान को देखना चाहिए और सूरज की रोशनी को महसूस करना चाहिए, क्योंकि प्रकृति से जुड़ने में एक अलग तरह की शांति मिलती है।

वामिका गब्बी के बेतुके जोक्स ने अक्षय को किया परेशान

बॉलीवुड अभिनेत्री वामिका गब्बी ने अपने पीजे (पुअर जोक्स) से अभिनेता अक्षय कुमार को खूब हंसाया और परेशान किया, जिसका मजेदार वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। हाल ही में वामिका गब्बी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो पोस्ट किया है, जिसमें वह अक्षय कुमार से कुछ पंजाबी जोक्स पूछ रही हैं। वीडियो में अक्षय का रिएक्शन देखने लायक है, जो उनके परेशान होने और साथ ही हँसी रोकने की कोशिश को बखूबी बयां करता है। पहले जोक में वामिका ने अक्षय से पूछा, सर, अगर किसी की मौसी दूर रहती है तो उसे इंग्लिश में क्या कहेंगे? जब अक्षय जवाब नहीं दे पाए, तो वामिका ने खुद ही जवाब देते हुए कहा, फार्मेसी। इस जोक को सुनकर अक्षय के चेहरे पर एक हल्की मुस्कान आई, लेकिन वह अभी भी स्थिति को समझने की कोशिश कर रहे थे।

कैम्पस बीट्स रिटर्न्स में दिखेगी भूली-बिसरी मोहब्बत

एमेज़ॅन एमएक्स प्लेयर ने कैम्पस बीट्स रिटर्न्स का ट्रेलर रिलीज़ किया है, जिसे पिछले पाँच सीज़न में लोगों का बेहिसाब प्यार मिला है। बनिजय एशिया द्वारा प्रोड्यूस की गई इस सीरीज़ को पाल्की मल्होत्रा ने लिखा और क्रिएटिवली प्रोड्यूस किया है, जबकि अनिरुद्ध राजदेरकर इसके डायरेक्टर हैं। इसमें शांतनु माहेश्वरी, श्रुति सिन्हा, सहज सिंह चहल, दीपांकना दास, अदनान अहमद जैसे कई जाने-माने कलाकारों ने मुख्य किरदार निभाए हैं, साथ ही पारस कलनावत, चांदनी शर्मा और सुवंश धर जैसे कलाकार भी पहली बार इस फ़्रैंचाइज़ी में अहम किरदारों में नज़र आने वाले हैं। प्यार के नए अंदाज़ के साथ, इस ट्रेलर में ईशान और नेत्रा के सफ़र में जज्बातों से भरे मोड़ की एक झलक देखने को मिलती है। अभी उनके प्यार की शुरुआत होने ही वाली थी कि तकदीर ने सारा खेल बदल दिया। अब नेत्रा अपनी ज़िंदगी की नई शुरुआत करना चाहती है और सुमेर के रूप में उसे एक नया प्यार मिल गया है।

पल्लवी ने ओटीटी प्लेटफॉर्म के उदय को बताया गेमचेंजर

लोकप्रिय अभिनेत्री पल्लवी चटर्जी ने ओटीटी प्लेटफॉर्म के उदय को कहानी कहने के तरीके और कलाकारों के लिए उपलब्ध अवसरों के संदर्भ में गेमचेंजर बताया। बंगाली सिनेमा की अभिनेत्री ने बताया कि वह एक ऐसे परिवार से आती हैं, जिसका सिनेमा जगत से गहरा संबंध रहा है। बचपन से ही उन्होंने इस उद्योग को बेहद करीब से देखा और समझा है। एक अभिनेत्री के रूप में, उनका अवलोकन सिर्फ संवादों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि उन्होंने अपने आसपास के वातावरण से भी बहुत कुछ सीखा। उन्होंने एक महत्वपूर्ण बात पर जोर दिया कि ओटीटी के आने से पहले, एक निश्चित उम्र के बाद अभिनेत्रियों के लिए भूमिकाएं काफी सीमित हो जाती थीं। उन्हें अक्सर एक ही प्रकार के किरदारों में बांध दिया जाता था, जिससे रचनात्मक संतुष्टि मिलना मुश्किल हो जाता था। इसी कारण सार्थक और रचनात्मक कुछ करने की चाहत ने उन्हें प्रोडक्शन की दुनिया में कदम रखने के लिए प्रेरित किया।

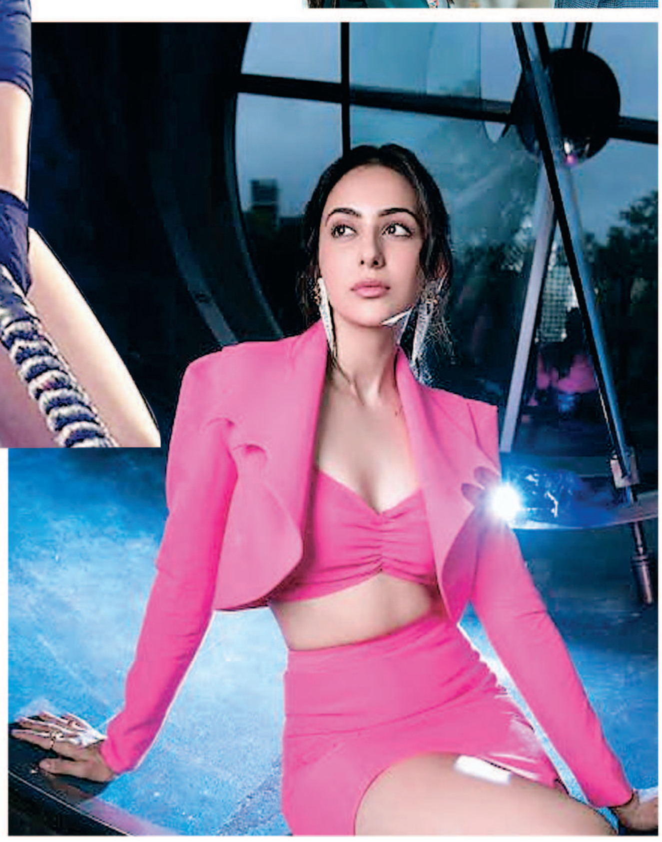

साउथ और बॉलीवुड में काम के फर्क को बताया रकुलप्रीत ने

हाल ही में अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह ने इंस्टाग्राम पर एक पॉडकास्ट का वीडियो पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने साउथ सिनेमा और बॉलीवुड में शूटिंग के तरीकों में मौजूद मूलभूत फर्क पर खुलकर बात की है। रकुल प्रीत सिंह ने बताया कि मुंबई यानी हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में कॉल शीट का समय आमतौर पर सुबह 6 बजे या 7 बजे से शुरू होकर शाम 6 बजे तक होता है। उन्होंने इस अंतर को समझाते हुए कहा कि दोनों उद्योगों में काम करने का उनका अनुभव बहुत अलग-अलग रहा है, जो केवल भाषा और संस्कृति तक ही सीमित नहीं है, बल्कि काम करने के समय और नियमों में भी स्पष्ट दिखाई देता है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि पूरी दुनिया में फिल्म बनाने की प्रक्रिया लगभग समान है, लेकिन साउथ सिनेमा और हिंदी सिनेमा के तकनीकी कामों में फर्क है। यह बताता है कि भले ही फिल्ममेकिंग के मूल सिद्धांत एक जैसे हों, लेकिन क्षेत्रीय परंपराएं और संघ के नियम इसे काफी हद तक प्रभावित करते हैं। उन्होंने विशेष रूप से तेलुगु फिल्मों की शूटिंग के समय पर जोर दिया। रकुल ने कहा, तेलुगु फिल्मों में शाम 6 बजे के बाद शूटिंग नहीं की जाती है।

»न्यूज ब्रीफ

सिंहस्थ 2028 के लिए यूडीए की नई टीम तैयार

उज्जैन। मध्य प्रदेश शासन ने सिंहस्थ महापर्व 2028 की व्यापक तैयारियों के मद्देनजर उज्जैन विकास प्राधिकरण (यूडीए) की नई टीम नियुक्त की है। नगरीय विकास एवं आवास विभाग द्वारा

रविवार को जारी आदेश के अनुसार, रविन्द्र (रवि) सोलंकी को प्राधिकरण का अध्यक्ष बनाया गया है। यह नियुक्तियां लगभग ढाई साल बाद की गई हैं। शासन ने भविष्य की बड़ी योजनाओं को देखते हुए इस बार बोर्ड में दो उपाध्यक्षों की तैनाती की है। मुकेश यादव और रवि वर्मा को उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। इसके अतिरिक्त, बोर्ड में पांच सदस्यों को भी जगह मिली है, जिनमें विजय अग्रवाल, अमित श्रीवास्तव, रामचंद्र शर्मा (रामागुरु), सुशीला जाटवा और दुर्गा बिलोटिया शामिल हैं। नवनियुक्त टीम पर सिंहस्थ से जुड़े बुनियादी ढांचे, नई कॉलोनियों और सड़कों के विकास को समय पर पूरा करने का महत्वपूर्ण जिम्मा होगा।

सत्र न्यायाधीश द्वारा जेल भ्रमण एवं शिविर का आयोजन

उज्जैन। केन्द्रीय जेल अधीक्षक मनोज कुमार साहू द्वारा बताया गया कि गत दिवस जिला एवं सत्र न्यायाधीश पी.सी. गुप्ता द्वारा केंद्रीय जेल का भ्रमण किया गया। उच्च न्यायालय विधिक सेवा समिति उच्च न्यायालय जबलपुर के आदेश पालन में स्वास्थ्य शिविर कार्यक्रम का शुभारंभ कर बंदियों से संवाद किया गया।जेल मुख्यालय, मध्यप्रदेश भोपाल के निर्देशानुसार मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा आयोजित चिकित्सा शिविर में उपस्थित डॉ. पंकज टांक, शल्य क्रिया विशेषज्ञ द्वारा 28-बंदी, डॉ. अनिता जोशी, स्त्री रोग विशेषज्ञ द्वारा 02-महिला बंदी, डॉ. लक्ष्मीनारायण उईके, अस्थि रोग विशेषज्ञ द्वारा 18-बंदी, डॉ. निलेश चंदेल नेत्र रोग विशेषज्ञ द्वारा 24-बंदी, डॉ. अंशु वर्मा ई.एन.टी. विशेषज्ञ द्वारा 22-बंदी, डॉ. प्रदीप सोमेश शिशु रोग विशेषज्ञ द्वारा 02-बच्चे, डॉ. अंकिता आग्नेय चिकित्सा विशेषज्ञ द्वारा 37-बंदी, डॉ. शिवनारायण मेनिया दंत रोग विशेषज्ञ द्वारा 13-बंदी, डॉ. नीतराज गौड़ मनोरोग विशेषज्ञ द्वारा 72-बंदी, डॉ. अमित सोनी कैंसर रोग विशेषज्ञ द्वारा 02-बंदी, डॉ. विजय मरमट टी.बी. एवं क्षय रोग चिकित्सक द्वारा 05-बंदी, कुल-225 बंदियों की जांच कर उपचार सुझाया गया।

दूल्हे ने लौटाया 50 लाख का दहेजः 25 लाख कैश, 15 तोला सोना

उज्जैन।

उज्जैन जिले में सगाई समारोह में दहेज प्रथा के खिलाफ मिसाल देखने को मिली। बड़नगर तहसील के बंगरेड गांव में दूल्हे पक्ष ने दहेज लेने से इनकार कर करीब 50 लाख रुपए की पेशकश लौटा दी। फैसले की पूरे इलाके में चर्चा हो रही है। रविवार को बंगरेड के लोटस रिसॉर्ट में तिलक समारोह हुआ। लोटस ग्रुप के मालिक जितेंद्र सिंह राजावत के बेटे आदर्श दीप राजावत की शादी देपालपुर क्षेत्र (इंदौर) के तामलपुर निवासी किसान महेंद्र सिंह पंवार की बेटी बिंदिया कुमारी से तय हुई।

समारोह में वधु पक्ष ने 25 लाख रुपए नकद और करीब 15 तोला सोना सगाई में

देने की पेशकश की। दूल्हे आदर्श और उनके पिता जितेंद्र सिंह राजावत ने इसे लेने से मना कर दिया।

सोने की अंगूठी छोड़कर सब लौटा

दिए- राजावत परिवार ने नकदी और सोना लेने से मना कर दिया। वे विवाह को लेन-देन नहीं मानते। प्रतीकात्मक रूप से केवल एक सोने की अंगूठी स्वीकार की गई, जबकि नकद और बाकी आभूषण लौटा दिए गए।

हमें बहू के रूप में बेटी चाहिए

दूल्हे के पिता का कहना था कि हमें दहेज नहीं चाहिए। हमें बहू के रूप में बेटी चाहिए। उनके इस फैसले से समारोह में मौजूद लोग चौंक गए। जहां तिलक में दहेज को सामाजिक प्रतिष्ठा से जोड़ा जाता है, वहीं इस तरह का फैसला मिसाल है।

'सिर्फ रिश्ता चाहिए, रकम नहीं'

क्षत्रिय महासभा के जिलाध्यक्ष जितेंद्र सिंह राजावत ने कहा- विवाह कोई सौदा नहीं है। हमें बहू के रूप में बेटी चाहिए, दहेज का पैसा नहीं। दहेज प्रथा गरीब परिवारों के लिए अभिशाप है और इसे खत्म करने के लिए प्रभावशाली लोगों को आगे आना चाहिए।

समाज के सामने रखा मजबूत संदेश

समारोह में मौजूद ग्रामीणों और रिश्तेदारों ने फैसले का समर्थन किया। कई लोगों ने इसे समाज के लिए आईना बताया, जहां दहेज के कारण परिवार आर्थिक दबाव में आते हैं। फैसले को सामाजिक पहल के रूप में देखा जा रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में दहेज की परंपरा गहराई से जमी हुई है, ऐसे में यह कदम महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

नवंबर 2026 में होगा विवाह- आदर्श दीप राजावत और बिंदिया कुमारी का विवाह नवंबर 2026 में होगा। दोनों परिवारों ने तय किया है कि शादी सादगी से होगी। दहेज नहीं लिया जाएगा।

मरीज की मौत के बाद एमपी अस्पताल पहुंची जांच टीम

एक्सीडेंट के बाद कराया था भर्ती फाइल में मिली गड़बड़ियां

उज्जैन।

फ्रीगंज स्थित एमपी हॉस्पिटल में 22 अप्रैल को मरीज की मौत के बाद हंगामा हो गया था। परिजनो ने अस्पताल प्रबंधन की शिकायत की थी। इस मामले में सोमवार को सीएमएचओ उज्जैन के निर्देश पर डॉक्टरों का एक दल एमपी अस्पताल में पहुंचा और यहां दोनों पक्षों को सुना गया। अब आगे की कार्रवाई के लिए सीएमचओ को जांच रिपोर्ट सौंपी जाएगी। दरअसल, बुधवार रात को बाइक सवार प्रताप आंजना को महामृत्युंजय द्वार के पास अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी थी। जिसके बाद कुछ लोगों ने उनकी मदद की और उन्हें एमपी अस्पताल में भर्ती कराया था।

अचानक परिजनों को मौत की सूचना दी

सुबह प्रताप की मौत की खबर सुनने के बाद उसके परिजन अस्पताल पहुंचे और उन्होंने हंगामा कर दिया। आरोप लगाया कि हाथ और पैर में फ्रैक्चर था। सुबह चार बजे भी प्रताप ने बात की,

टीम को पेशेंट की फाइल में मिली गड़बड़ी

घटना के बाद सोमवार को डॉ. विक्रम रघुवंशी, डॉ. प्रदीप सोमेश, डॉ. अजय दंडोतिया, डॉ. आदित्य रावल सहित विकास राजपूत फ्री गंज स्थित एमपी अस्पताल पहुंचे, जांच दल ने मरीज की फाइल देखी तो गड़बड़ी उसमें मिली।

इसके बाद सुबह अचानक डॉक्टरों ने बताया कि उसकी मौत हो चुकी है। परिवार वालों ने अस्पताल प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप लगाकर कार्यवाही के लिए सीएमएचओ को शिकायत दर्ज कराई थी।

सवाल- मरीज की मौत के बाद बीपी नाप रहे थे

डॉक्टरों की टीम ने अस्पताल प्रबंधन से पूछा कि 6 बजे डेथ डिक्लियर कर दी तो 6.30 बजे मरीज को क्यों चेक कर रहे थे। मरीज की मौत होने के बाद भी ड्यूटी डॉक्टर के साइन नहीं है। हालांकि, मामले में अस्पताल प्रबंधन ने जांच टीम को कोई जवाब नहीं दिया।

टीम ने करीब एक घंटे तक मृतक के भाई और अस्पताल के प्रबंधन के बयान दर्ज कर जांच की। अब ये जांच दल अपनी रिपोर्ट बनाकर सीएमएचओ को पेश करेगा। इसके बाद आगे की कार्रवाई सीएमएचओ करेंगे।

वृंदावन के ऋषभ महाराज दंडवत यात्रा करते उज्जैन पहुंचे

उज्जैन। वृंदावन के 23 वर्षीय ऋषभ महाराज दंडवत यात्रा करते हुए उज्जैन पहुंचे हैं। उन्होंने यह यात्रा आगर के नलखेड़ा स्थित मां बगलामुखी धाम से शुरू की है। मैंने 7 साल की उम्र में घर छोड़ दिया था और अपना जीवन भगवान लड्डू गोपाल को समर्पित कर दिया। मैंने 11 साल तक नंगे पैर पैदल यात्रा की, जिसमें वे लड्डू गोपाल को अपने साथ लेकर चले। इस 11 वर्षीय यात्रा के दौरान मैंने 5 लाख 58 हजार 742 किलोमीटर की दूरी तय की है। इसमें नेपाल, भूटान, चीन सहित पांच देशों की पैदल यात्रा शामिल थी, जहां उन्होंने बाल गोपाल के साथ भ्रमण किया। ऋषभ महाराज ने अपनी वर्तमान दंडवत यात्रा 6 मार्च 2026 को नलखेड़ा स्थित मां बगलामुखी मंदिर से शुरू की। उन्होंने बताया कि उन्हें मां बगलामुखी ने सपने में दर्शन दिए थे, जिसके बाद उन्होंने यह यात्रा प्रारंभ की। उनका संकल्प है कि वे अपने आराध्य लड्डू गोपाल को चारधाम, 12 ज्योतिर्लिंग और 42 शक्तिपीठों के दर्शन करवाएंगे।

नरवाई जलाने के दौरान झुलसा किसान, मौत

उज्जैन के सोडंग गांव की घटना; पुलिस बोली- पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के बाद होगा खुलासा

उज्जैन।

उज्जैन जिले के नागदा-उन्हेल मार्ग पर स्थित ग्राम सोडंग में नरवाई जलाने के दौरान एक किसान की जलने से मौत हो गई। घटना रविवार की है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के मुताबिक, सोडंग निवासी हकिमीउद्दीन ने अपने खेत में नरवाई जलाने के लिए आग लगाई थी। इस दौरान आग पास के खेत तक फैल गई, जहां मौजूद दिव्यांग किसान रामेश्वर आंजना उसकी चपेट में आ गए। आग में गंभीर रूप से झुलसने के कारण उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही भैरवगढ़ थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जली हुई हालत में शव को बरामद कर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। सोमवार सुबह पोस्टमार्टम

कराया गया है। मृतक रामेश्वर आंजना (60) मानसिक रूप से अस्वस्थ बताए जा रहे हैं। इससे भी जांच के एंगल पर असर पड़ सकता है।

पुलिस बोली संदिग्ध है मामला

थाना प्रभारी शैलेन्द्र राजावत ने बताया कि खेत में जला हुआ शव मिला है, लेकिन यह स्पष्ट नहीं है कि मौत सिर्फ नरवाई जलाने से हुई या इसके पीछे अन्य कारण भी हैं। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्थिति स्पष्ट होगी।

संभागायुक्त ने सिंहस्थ के निर्माणाधीन मार्ग चौड़ीकरण कार्यों का निरीक्षण किया

मार्ग चौड़ीकरण के कार्यों को बारिश के पहले पूरा करें -संभागायुक्त सिंह

उज्जैन।

संभागायुक्त सह सिंहस्थ मेला अधिकारी आशीष सिंह ने नियमित निरीक्षण के दौरान सोमवार को नगर निगम के माध्यम से किए जा रहे मार्ग चौड़ीकरण कार्य का निरीक्षण किया। कार्य प्रगति की जानकारी लेने के बाद संभागायुक्त सिंह ने निर्देश दिए कि मार्ग चौड़ीकरण के कार्यों को बारिश के पहले प्राथमिकता के साथ पूरा कर लें। जिससे बारिश के दौरान नागरिकों को परेशानी नही हो। सड़क निर्माण का कार्य एक ओर से पूर्ण किया जाए। इससे आमजन को आने-जाने में परेशानी नही होगी।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर सिंहस्थ 2028 महापर्व के दौरान आने वाले करोड़ों श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए शहर में विकास कार्यों को किया जा रहा है। सोमवार को संभागायुक्त आशीष सिंह ने नगर निगम के माध्यम से किए जा रहे मार्ग चौड़ी करण कार्य के तहत हनुमान नाका से हरिफाटक ब्रिज चौराहा तक 400 मीटर के मार्ग चौड़ीकरण कार्य का अवलोकन किया। मौके पर मौजूद निर्माण एजेंसी ने जानकारी दी कि मार्ग चौड़ीकरण के लिए 18 मीटर चौड़े मार्ग के दोनों ओर सबसे पहले नाली निर्माण का कार्य किया जा रहा है। संभागायुक्त सिंह ने निर्देश दिए कि मार्ग चौड़ीकरण कार्य के दौरान बिखरे हुए कार्यों को बारिश के पहले समेटकर पूर्ण कर लिया जाए। पोल शिफ्टिंग, पाइप लाइन डालने के कार्य भी साथ में किए जाएं। बारिश के पहले आवश्यक कार्य पूर्ण होने से परेशानी नही होगी।

संभागायुक्त सिंह ने नगर निगम के ईई हिमांशु तिवारी को निर्देश दिए कि महाकाल के लिए प्रमुख मार्ग होने से मार्ग चौड़ीकरण के कार्य को दिन-रात की शिफ्ट में कराकर बारिश के पहले पूर्ण करने का लक्ष्य तय किया जाए। बारिश के पहले नाली बनाकर तैयार कर ले जिससे बारिश के दिनों में जल भराव की स्थिति नही बने। संभागायुक्त सिंह ने निर्देश दिए कि कार्यों को समय सीमा में पूर्ण गुणवत्ता के साथ करें। साइट पर अधिकारी प्रतिदिन मॉनिटरिंग कर कार्य प्रगति की जानकारी लें। उल्लेखनीय है कि सिंहस्थ 2028 के आयोजन के दौरान विश्वभर से करोड़ों श्रद्धालु मोक्षदायिनी शिप्रा नदी में स्नान के लिए पहुंचेगें। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए मुख्यमंत्री डॉ. यादव के निर्देश पर शहर के प्रमुख मार्गों का चौड़ीकरण कार्य किया जा रहा है। जिससे संत-महात्माओं के साथ ही करोड़ों श्रद्धालुओं को आवागमन में सुविधा होगी।

स्ट्रीट लाइट पर अवैध वसूली

निगम कर्मचारी वेंडरों से ले रहा था 200 महीना

उज्जैन। नगर निगम के एक आउटसोर्स कर्मचारी द्वारा अवैध वसूली का मामला सामने आया है। जिस स्ट्रीट लाइट का बिल निगम भर रहा था, उसे चालू रखने के बदले कर्मचारी स्ट्रीट वेंडरों से 200 रुपए प्रति माह वसूल रहा था। मामला तब उजागर

हुआ, जब सब्जी मंडी में लाइट बंद होने की शिकायत सामने आई। शिकायत मिलने पर महापौर मुकेश टटवाल फ्रीगंज सब्जी मंडी पहुंचे। उन्होंने बताया कि जांच के दौरान पाया गया कि निगम का आउटसोर्स कर्मचारी धीरज स्ट्रीट लाइट के पोल से सब्जी विक्रेताओं को अलग से कनेक्शन देकर उनसे 200 रुपए मासिक वसूल रहा था। विरोध करने पर उसने लाइट बंद करवा दी। सब्जी विक्रेता बाबू रायकवार ने बताया कि वे दो-तीन दिन से शिकायत कर रहे थे, लेकिन कर्मचारी पैसे देने पर ही लाइट चालू करने की बात कहता था। उसने गणेशपुरा तक कई लोगों को इस तरह कनेक्शन दे रखे थे। मामले की जानकारी मिलते ही महापौर ने नगर निगम आयुक्त को अवगत कराते हुए मंडी के सभी व्यापारियों की लाइट जल्द चालू कराने के निर्देश दिए और दोषी कर्मचारी के खिलाफ कार्रवाई की बात कही। उन्होंने कहा कि जिस लाइट का बिल निगम भर रहा है, उसी से अवैध वसूली करना गंभीर मामला है। जांच के बाद कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

उज्जैन में होटल- होमस्टे में रेन वाटर हार्वेस्टिंग अनिवार्य

निगमायुक्त बोले- भविष्य के लिए अभी से बचाना होगा पानी

उज्जैन।

अब होटल और होमस्टे संचालकों के लिए रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाना अनिवार्य होगा। नगर निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा ने जल संरक्षण और स्वच्छता को लेकर सख्ती बरतने के निर्देश दिए हैं। साथ ही महापौर मुकेश टटवाल ने शहर के वार्डों में "स्वच्छता में शक्ति, उज्जैन की भक्ति" नामक विशेष अभियान का शुभारंभ किया है।

धार्मिक नगरी उज्जैन में प्रशासन ने स्वच्छता और जल संरक्षण के लिए दोहरी रणनीति अपनाई है। एक ओर जहां सभी होटल और होमस्टे में वर्षा जल संचयन प्रणाली स्थापित करने पर जोर दिया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर शहर के विभिन्न वार्डों में बड़े पैमाने पर स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा ने शहर के प्रमुख होटल संचालकों के साथ एक बैठक की, जिसमें लगभग 25

व्यवसायी शामिल हुए। आयुक्त ने भविष्य में संभावित जल संकट को देखते हुए प्रत्येक होटल और होमस्टे में अनिवार्य रूप से रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाने पर बात की। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि बारिश का पानी भूजल स्तर को बनाए रखने का सबसे प्रभावी तरीका है।

होटल संचालक बोले-10 दिन में लगाएंगे सिस्टम

बैठक में उपस्थित सभी संचालकों ने 10 दिनों के भीतर यह प्रणाली स्थापित करने पर सहमति व्यक्त की। उज्जैन में लगभग 700 होटल और होमस्टे हैं और इन सभी को इस नियम का पालन करना होगा। आयुक्त ने उन्हें अपने प्रतिष्ठानों में स्वच्छता व्यवस्था दुरुस्त रखने, नालियों की नियमित सफाई करने, डस्टबिन रखने और कचरे का समय पर निस्तारण करने के निर्देश भी दिए। साथ ही, शहर आने वाले श्रद्धालुओं को भी स्वच्छता के प्रति जागरूक करने को कहा गया। इसी क्रम में, स्वच्छता को जन आंदोलन बनाने के उद्देश्य से महापौर मुकेश टटवाल ने "स्वच्छता में शक्ति, उज्जैन की भक्ति" विशेष अभियान की शुरुआत की।

जनगणना एक राष्ट्रीय कार्य, इसमें सबका सक्रिय सहयोग बेहद जरूरी

उज्जैन। देश की पहली पूर्णतः डिजिटल जनगणना 2027 का प्रथम चरण (मकान सूचीकरण एवं आवास जनगणना) चल रहा है। इस चरण की सबसे महत्वपूर्ण और नागरिक-अनुकूल सुविधा है - स्व-गणना (Self-Enumeration)अब आप खुद घर बैठे अपने मोबाइल या कंप्यूटर से अपना और अपने परिवार का पूरा विवरण भर सकते हैं। यह प्रक्रिया सरल, सुरक्षित, तेज़ और पूरी तरह ऑनलाइन है। स्व गणना से

समय की बचत होगी, आप खुद अपनी डिटेल्स भरेंगे, कोई गलती की गुंजाइश कम होगी, इसे आप किसी भी समय, कहीं भी भर सकते हैं। इसके लिए अपने मोबाइल/कंप्यूटर पर ब्राउज़र खोलें और इस पोर्टल पर जाएं- https://se.census.gov.in, अपना मोबाइल नंबर डालें और ओटीपी से वेरिफाई करें, अपनी पसंद की भाषा चुनें (हिंदी सहित 16 भाषाएं उपलब्ध), घर का पता और लोकेशन मानचित्र पर मार्क करें, 33 प्रश्नों का फॉर्म भरें (घर, सुविधाएं, परिवार के सदस्यों की जानकारी आदि), प्रीव्यू करें, सबमिट करें और अपना एस ई आईडी प्राप्त करें, एस ई आईडी को सुरक्षित रखें और जब गणनाकर्ता आएं तो उन्हें दिखाएं। आगामी 30 अप्रैल तक स्व गणना कर सकेंगे। देश की जनसंख्या के आंकड़े ही केंद्र सरकार द्वारा नीति निर्माण एवं मानव संसाधन के नियोजन का पहला आधार होते हैं।

केन्द्रीय जेल में विशेष जेल लोक अदालत का आयोजन

उज्जैन। केन्द्रीय जेल अधीक्षक मनोज कुमार साहू ने बताया गया कि मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार गत दिवस को केन्द्रीय जेल उज्जैन पर विशेष जेल लोक अदालत का आयोजन किया गया।विशेष जेल लोक अदालत के आयोजन पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव मनोज कुमार भाटी, सप्तम् सिविल न्यायाधीश राघवेन्द्र पटेल, पंचम सिविल न्यायाधीश श्रीमती सारिका भाटी, पैरालीगल वालिंटियर रितेश क्षोत्रीय, श्रीमती अंजू भाटिया द्वारा केन्द्रीय जेल उज्जैन में निरूद्ध / परिरूद्ध विचाराधीन / दण्डित बंदियों को विधिक सहायता के संबंध में 08 बंदियों से चर्चा कर 01 के प्रकरण में राजीनामा होने से निराकरण किया।

पर्यावरण को महत्व देता जल गंगा संवर्धन अभियान 2026 भविष्य की दृष्टि से अत्यधिक महत्वपूर्ण है

स्वगणना पोर्टल पर स्वगणना कर जनगणना में भाग लें

उज्जैन।

कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने सोमवार सुबह कलेक्टर कार्यालय सभागृह में समयावधि पत्रों की समीक्षा बैठक ली। बैठक में कलेक्टर सिंह ने जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत जिले में किए जा रहे कार्यों की विभागवार विस्तृत समीक्षा की। कलेक्टर सिंह ने निर्देश दिए कि पर्यावरण को महत्व देता जल गंगा संवर्धन अभियान 2026 भविष्य की दृष्टि से अत्यधिक महत्वपूर्ण है, सभी जिला अधिकारी विभाग द्वारा अभियान अंतर्गत किए जाने वाले कार्यों को प्राथमिकता से करें। जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत पौधा रौपण के कार्य पर विशेष ध्यान दें, जिससे पर्यावरण संतुलन बना रहे।

कलेक्टर सिंह ने सभी अनुविभागीय अधिकारियों, नगरीय निकायों के सीएमओ और सभी जनपदों के सीईओ को निर्देश दिए कि सभी जल संरचनाएं अतिक्रमण से मुक्त हो यह सुनिश्चित किया जाए। सभी सांदीपनि विद्यालयों में रेन वॉटर हार्वेस्टिंग

सिस्टम अनिवार्य रूप से लगाए और सुनिश्चित करें कि पूर्व में लगे हुए रेन वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम सुचारू रूप से कार्य कर रहे हो। अभियान अंतर्गत किए जा रहे कार्यों में स्थानीय जनता की भागीदारी सुनिश्चित करें।

कलेक्टर सिंह ने निर्देश दिए कि जल गंगा संवर्धन और जल संचय जन भागीदारी अभियान अंतर्गत किए जा रहे कार्यों को पोर्टल पर अपडेट करें और कार्यों का डॉक्यूमेंटेशन व्यवस्थित रूप से करें। बैठक में जल गंगा संवर्धन 2026 अभियान अंतर्गत 19 मार्च से आज दिनांक तक विभागवार किए कार्यों की जानकारी दी गई।

विद्यालयों में पानी की टंकी की सफाई के कार्य में 471 के लक्ष्य के विरूद्ध 1702 टंकियों की सफाई की गई हैं। नगर निगम द्वारा शहर में 150 रेन वॉटर हार्वेस्टिंग के लक्ष्य के विरुद्ध 191 रेन वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाए गए। साथ ही अमृत 2.0 अंतर्गत जल संरचनाओं का जीर्णोद्धार, जल ग्रहण संरचनाओं का सौंदर्यीकरण और उन्हें अतिक्रमण मुक्त करने के कार्य में 10 के लक्ष्य के विरुद्ध 69 जल संरचनाओं पर कार्य किया गया। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग ने जानकारी दी कि फार्म पोंड के 647 लक्ष्य के विरुद्ध 601 फार्म पोंड का निर्माण किया जा चुका है, 03 अमृत सरोवर का कार्य किया जा चुका है। उद्यानिकी विभाग द्वारा 351 हेक्टेयर में सूक्ष्म सिंचाई क्षेत्र का विस्तार किया जा चुका है। स बैठक में जानकारी दी गई कि कृषक कल्याण कृषि विकास विभाग द्वारा अभियान अंतर्गत 09 बलराम तालाब के लक्ष्य के विरूद्ध आज दिनांक तक 03 का कार्य पूर्ण हो गया है। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग विकास विभाग द्वारा 08 रेन वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम एमएसएमई उद्योगों में लगाये गए है। साथ ही 125 इकाईयों में पौधारोपण किया गया है। लोकस्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा जानकारी दी गई कि 413 विद्यालयों, 326 आंगनवाड़ी केंद्रों में वॉटर क्वालिटी टेस्टिंग की गई है। विभाग द्वारा 54 पम्प ऑपरेटर्स को ट्रेनिंग भी प्रदान की गई है।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वत्वाधारी एवं संपादक सुनील वर्मा के लिए 1/4, परदेशीपुरा इन्दौर से प्रकाशित एवं दैनिक भास्कर प्रेस 4/54 प्रेस कॉम्प्लेस एबी रोड इंदौर मध्यप्रदेश इन्दौर से मुद्रित.
कार्पोरेट कार्यालय : 301, अरु प्लाजा एमजी रोड इन्दौर (म.प्र.) सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इन्दौर रहेगा। मो.: 9425491979, 7000877686, E-mail: janbhavana.ind@gmail.com